हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 29 जून 2025

नई भर्ती, लेवी वसूली में कमी और चौतरफा दबाव से नक्सलियों के उखड़े पैर

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

इस समय माओवादी संगठन चौतरफा दबाव से कई तरह की परेशानियों से जूझ रहा है। पहली बार नक्सल चीफ बसवराजू के अलावा केंद्रीय कमेटी के थिंक टेंक माने जाने वाले कई बड़े नक्सली लीडरों के मारे जाने का असर पूरे संगठन पर पड़ा है, विशेष कर नई भर्तियां कर संगठन का विस्तार करने की मुहिम पर रोक लगी है। अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे नक्सल संगठन के सामने अपने मजबूत किले को बचाने की चिंता है। 2025 के 6 महिने और 2024 उनके लिए सर्वाधिक नुकसान का समय रहा है। इन डेढ़ ▶▶|शेष पेज 9 पर

मुर्गा बाजार, पारद प्रथा और दूसरी शादी जैसी कमजोरियों पर रोक लगाने का व्यापक असर

तेंदूपत्ता और जंगल और गांव की वसूली घटी

पुलिस के कई रिटायर्ड अधिकारी जो नक्सली इलाकों में लंबे समय तक पदस्थ रहे, उनका कहना है कि अबूझमाड़ से लेकर दक्षिण बस्तर के कई इलाके ऐसे रहे जहां नक्सलियों का एक छत्र राज था। गांव के बाहर का कोई भी व्यक्ति चाहे वह प्रशासन का मुलाजिम हो, वह भी उनकी बिना अनुमति के जा नहीं सकता था।निचले स्तर तक बनी उनकी कमेटी हर बात ▶▶|शेष पेज 9 पर

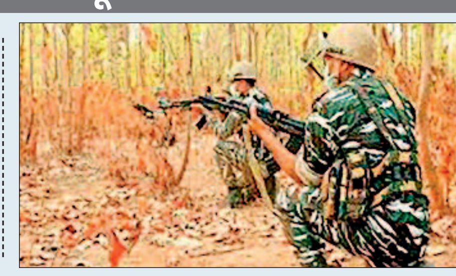

नक्सलियों पर चौतरफा मार

वक्त बदला है। अब नक्सलियों के खिलाफ फोर्स बहुत आक्रामक है। नक्सली संगठन की कमर टूट रही है। नक्सल संगठन के थिंक टेंक समझे जाने वाले पोलित ब्यूरो या तो मारे जा रहे हैं या भूमिगत हैं। उसकी वजह से नई भर्तियों पर या तो रोक जैसे हालात हैं या बेहद कम। नए लड़ाकों की ट्रेनिंग बहुत कठिन होती है। उन्हें लंबे समय तक कई तरह से परखा जाता है। फोर्स के दबाव में हालात वैसे नहीं रहे कि कैंप लगाकर भर्तियां की जाएं या ट्रेनिंग दी जाए। वहीं युवाओं में भी जागरुकता आई है। मोबाइल नेटवर्क का विस्तार ▶▶|शेष पेज 9 पर

भर्ती के पहले परख होती थी

वर्ष 1987 से 2000 लगभग 13 साल तक नक्सल संगठन में रहकर पूरे बस्तर संभाग के जल, जंगल, जमीन को छान मारने वाले पूर्व कमांडर बदरन्ना का कहना है नक्सल संगठन में वर्दी और बंदूक युवाओं को आकर्षित करता था। शुरूवात में जब 4-6 की संख्या में आंध्रप्रदेश से आकर नक्सली नेता बस्तर में घूमते थे। तब दोनों तरफ से एक दूसरे पर विश्वास करने का खतरा था। नक्सली बस्तर की बोली ▶▶|शेष पेज 9 पर

भारत माला प्रोजेक्ट के तहत बन रही फोरलेन सड़क में गिरोह बनाकर की गई गड़बड़ी

एक महीने में बनी 150 से अधिक फर्जी ऋण पुस्तिका, सभी जमीनों का बटांकन भी एक ही दिन, मुआवजा राशि साढ़े तीन करोड़ से 15 करोड़ तक पहुंची

भारत माला प्रोजेक्ट के तहत बिलासपुर की ढेका ग्राम पंचायत में बन रही 2 किमी की सड़क में जमकर मुआवजे का खेल खेला गया। एनएचएआई और प्रशासन के प्रारंभिक सर्वे में 24 किसानों की करीब 30 डिसमिल जमीन अधिग्रहण की रिपोर्ट तैयार की गई थी। इसके लिए साढ़े तीन करोड़ रुपए मुआवजा बांटा जाना था, लेकिन तहसीलदार, पटवारी, कोटवार और ग्राम सचिव ने गिरोह बनाया और एक जमीन के चार से अधिक टुकड़े किए गए।

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

किसान बढ़कर 76 हो गए तो मुआवजा राशि 15 करोड़ तक पहुंच गई। जमीनों के टुकड़े हुए तो उसके लिए 150 से अधिक ऋण पुस्तिका भी बनाई गई। फर्जी बटांकन भी किया गया और इन ऋण पुस्तिकाओं में इसे चढ़ाया भी गया। पूरा खेल एक महीने में ही किया गया। खास बात है कि सभी जमीनों का बटांकन एक ही दिन किया गया और इसे आनलाइन पटवारी की आईडी में चढ़ा दिया गया। मुआवजे की राशि पांच गुना बढ़ी तो राशि वितरण रोक दिया गया और जांच कराई गई तो पूरा मामला सामने आ गया।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार के भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बिलासपुर-उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग -130 ए का निर्माण किया जा रहा है। 1,520 करोड़ रुपए की इस परियोजना का काम वर्ष 2022 में शुरू हुआ था और इसे 2025 जून तक पूरा किया जाना है। बिलासपुर के ढेका गांव से उरगा तक 70 किलोमीटर लंबी इस सड़क परियोजना का काम फिलहाल ढेका में आधा किलोमीटर की भूमि पर बटांकन विवाद के चलते रुका हुआ है। इस सड़क ▶▶|शेष पेज 9 पर

भारत माला घोटाला से संबंधित आई दावा-आपत्ति एवं शिकायतों की जांच के लिए संभाग स्तर पर चार टीम गठित

एक ही दिन सभी बटांकन

मुआवजे की रकम हड़पने के लिए इस गिरोह ने किसानों के रिश्तेदारों और परिचितों के नाम पर जमीन का बटांकन करते हुए ऋण पुस्तिका बनाई। खास बात है कि सभी जमीनों का बटांकन एक ही दिन 23 अक्टूबर 2017 को किया गया है। हरिभूमि की पड़ताल में यह बात भी सामने आई की पटवारी सुरेश मिश्रा को कंप्यूटर और आनलाइन काम की अधिक जानकारी नहीं थी इसका पूरा ▶▶|शेष पेज 9 पर

एफआईआर कराई गई

जांच में कई गड़बड़ी पाई गई है। मूल खसरे को संबंधित भूमि स्वामी द्वारा बंटवारा किए जाने से छोटे-छोटे भू खण्डों में विभाजित हुआ। बंटवारा होने से अवार्ड की मुआवजा राशि में वृध्दि हुई है। इसी आधार पर एफआईआर कराई गई है। विस्तृत जांच जारी है।

- मनीष साहू, एसडीएम और भू अर्जन अधिकारी

रायपुर-धमतरी भारत माला घोटाला, चार कमेटी बने 12 दिन बीते, जांच शुरू नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/दुर्ग/धमतरी

रायपुर और धमतरी जिले में भारत माला परियोजना घोटाला की जांच किस तरह चल रही है, यह समझना हो तो जांच की गति से समझिए। विधानसभा में हंगामा मचने के बाद सरकार ने ऐलान किया कि 15 दिन में जांच की जाएगी। कमिश्नर को जिम्मा सौंपा गया। लेकिन डेढ़ दो महीने दावा-आपत्ति मंगाने में ही निकल गए। प्रारंभिक जांच में कई रसूखदार नेता, उद्योगपति और अफसरों के नाम सामने आए तो फिर चार कमेटियों का गठन और कर दिया गया। उनके गठन को 12 दिन बीच गए हैं। लेकिन अब तक जांच ही शुरू नहीं हो पाई है। ▶▶|शेष पेज 9 पर

सड़क की लड़ाई के बाद दावा आपत्ति ढाई सौ से अधिक ने लगाई गुहार

राजनांदगांव के टेडेसरा से रायपुर के अभनपुर तक बनने वाले सिक्सलेन कारीडोर में बडे पैमाने पर गड़बड़ी सामने आने के बाद किसानों ने सडक की लड़ाई लड़ी थी। किसानों द्वारा लगातार दबाव बनाने ▶▶|शेष पेज 9 पर

दस्तावेज मांगे गए हैं

जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए सबसे पहले दस्तावेजों का परीक्षण करना है, जिसके लिए संबंधित तहसील कार्यालय को पत्र भेज कर मंगाए गए हैं। दस्तावेज मिलते ही आगे की जांच की जाएगी।

- निधी साहू, अपर कलेक्टर रायपुर

तैयार हो जाएगी जांच रिपोर्ट

जांच की प्रक्रिया जारी है। एक माह का समय मिला है। मेरी उपस्थिति में जांच होनी है, इसलिए कोई कोताही बरती नहीं जाएगी।

- ज्योति सिंह, उपायुक्त, राजस्व संभाग कार्यालय

मांगे हैं दस्तावेज

आवेदनों की जांच की प्रक्रिया हमने शुरू कर दी है। एसडीएम कार्यालय से दस्तावेज मांगे गए हैं, मिलते ही जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

- उमाशंकर बंदे, अपर कलेक्टर रायपुर

जांच की प्रक्रिया जारी

जांच की प्रक्रिया जारी है। संभाग आयुक्त ने जो बिंदु तय किए हैं, उसके अनुसार जांच होगी।

- इंदिरा देवहारी, अपर कलेक्टर धमतरी

'ऑपरेशन सिंदूर' की योजना बनाने में शामिल रहे पराग 'रॉ' के नए चीफ

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' की योजना बनाने में शामिल रहे पराग जैन को गुप्तचर एजेंसी 'रिसर्च एंड एनालिसिस विंग' (रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। पंजाब कैडर के 1989 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी जैन का दो साल का कार्यकाल आधिकारिक तौर पर एक जुलाई से शुरू होगा। वह 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे रवि सिन्हा की जगह लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से की बातचीत, आईएसएस पर 'भारत माता की जय' का नारा गूंजा

शुभांशु बोले-भारत बहुत ही भव्य दिखता है, हर दिन 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त

यह बोले शुभांशु

हर दिन 16 बार परिक्रमा कर रहे 28 हजार किमी प्रति घंटे की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब शनिवार को अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से कहा कि उनकी अंतरिक्ष यात्रा भारत के गगनयान मिशन की दिशा में पहला कदम है, तब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन 'भारत माता की जय' के नारे से गूंज उठा। पीएम से बातचीत के दौरान शुभांशु शुक्ला ने कहा, हम यहां एक दिन में 16 बार सूर्योदय और सूर्यास्त देखते हैं। यहां से भारत बहुत भव्य दिखता हैं।

पृथ्वी की 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर परिक्रमा कर रहे आईएसएस पर मौजूद शुक्ला से बातचीत करते हुए ▶▶|शेष पेज 9 पर

- प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया वीडियो
- पीएम शुभांशु से बोले- आपकी यात्रा नए युग का शुभ आरंभ, देश की भावनाएं आपके साथ

कौन हैं शुभांशु शुक्ला

शुभांशु ने 2006 में भारतीय वायुसेना में लड़ाकू पायलट के रूप में करियर शुरू किया था। उन्हें 2019 में गगनयान मिशन के लिए अंतरिक्ष यात्री के रूप में चुना गया। 2019 से 2021 के बीच उन्होंने रूस के यूरी गागरिन कॉस्मोनॉट प्रशिक्षण केंद्र में मूलभूत प्रशिक्षण लिया। इसके बाद 2025 में उन्होंने स्पेसएक्स में अपना प्रशिक्षण पूरा किया।

पीएम ने पूछा- क्या गाजर का हलवा खाया?

पीएम मोदी ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने अपने साथ लाया 'गाजर का हलवा' खाया? तब ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा, हां, मैं गाजर का हलवा, मूंग दाल का हलवा और आम रस साथ लेकर आया था। मैं चाहता था कि दूसरे देशों से मेरे साथ आए सभी लोग समृद्ध भारतीय पाककला का आनंद लें। हम सभी ने इसे एक साथ खाया और सभी को यह पसंद आया।

First Commercial Office Project With Amenities

MOVE to MOVA

Project by

Vishwabharti Automobiles Pvt. Ltd.

Starts From*

₹29.99 LACS ONLY

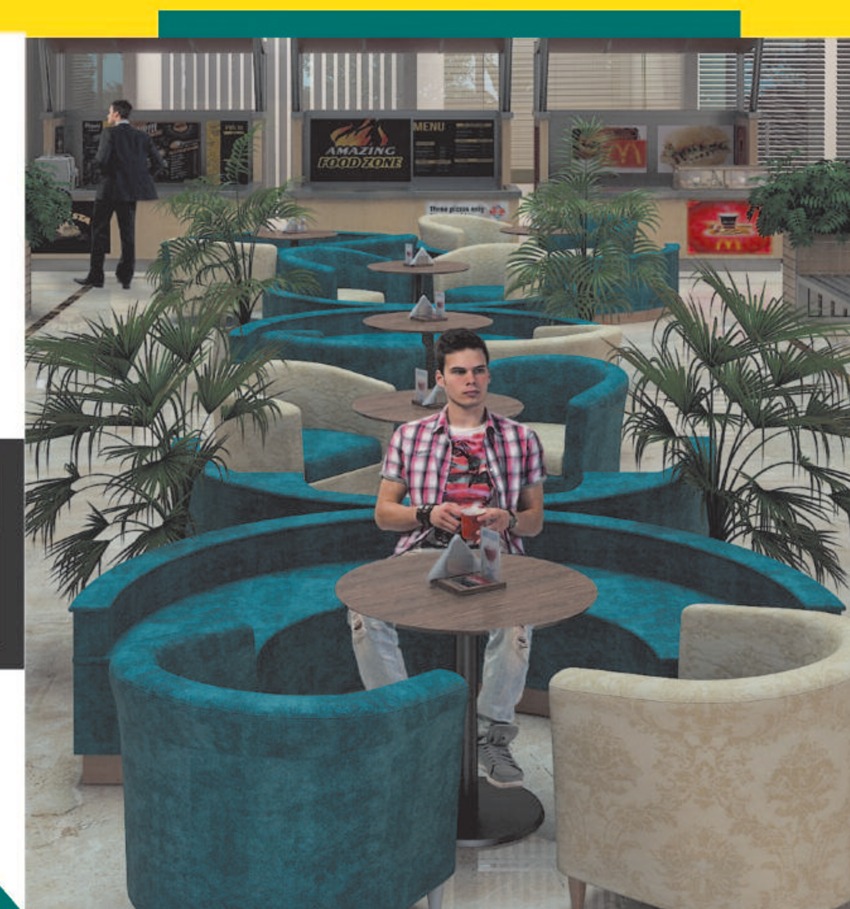

Launching

VB

VB TOWER

29th June 2025

At the Center of Convenience

- Maruti Suzuki Arena O MIN
- Ambuja Mall 3 MIN
- Cloth Market Pandri 5 MIN
- City Centre Mall 5 MIN
- Railway Station Raipur 10 MIN
- Raipur Airport 20 MIN

SPECIAL DAY OFFER

on Today's Bookings

Get MacBook

Or

Free Registry

CGRERA260325A000856, PCGRERA300922001535

62626 20136, 87200 01111, 92576 66766

Marketed by

MAHESH VENTURES

THE VERIFIEDD PROPERTY

Above Vishwabharti Automobiles, Vidhansabha Road, MOVA, RAIPUR

www.tripund.in

रायपुर
रविवार, 29 जून 2025
आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्थी
वर्ष : 23, अंक : 342
पृष्ठ : 14+8 = 22 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 30.0
न्यून. 23.3

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

06 'कांटा लगा' गाने से शेफाली को मिली...

आजकल
04 विदेश नीति में 'स्टैंड' लेने का वक्त

गुजरात में पौने चार लाख, छग में केवल तीन हजार घरों में सोलर पैनल

राजकुमार ग्वालानी ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में देश भर के राज्यों में गुजरात पहले नंबर पर है। गुजरात में सबसे ज्यादा करीब पौने चार लाख घरों की छतों पर सोलर पैनल लग गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र का नंबर है जहां पर सवा दो लाख के आस-पास घरों में सोलर पैनल लगे हैं। तीसरे नंबर पर उप्र है जहां पर डेढ़ लाख से ज्यादा सोलर पैनल लगे हैं। छत्तीसगढ़ का नंबर बहुत पीछे है। यहां पर महज साढ़े तीन हजार घरों में ही सोलर ▶▶|शेष पेज 9 पर

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का ऐसा हाल

छत्तीसगढ़ में महज साढ़े तीन हजार

टॉप टेन राज्यों के बाद 11वें नंबर पर तेलंगाना है जहां पर 14241 सोलर पैनल लगे हैं। वहीं 12 वें नंबर पर कर्नाटक है जहां पर 10276 घरों में सोलर पैनल लगे हैं। इसके बाद दस हजार से कम और पांच हजार से ज्यादा सोलर पैनल लगाने वालों राज्यों में ओडिशा, बिहार, जम्मू कश्मीर, पंजाब शामिल हैं। जहां तक अपने राज्य का सवाल है तो उसका नंबर टॉप 15 में भी नहीं है। छत्तीसगढ़ में अब तक 42863 आवेदन आए हैं और इनमें से 3576 घरों में सोलर पैनल लगे हैं। वैसे छत्तीसगढ़ ▶▶|शेष पेज 9 पर

ये हैं टॉप पांच राज्य

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के केंद्र सरकार के राष्ट्रीय पोर्टल के मुताबिक सबसे ज्यादा गुजरात में इस योजना पर काम हो रहा है। यहां पर 484716 आवेदन आए हैं और इनमें से 3 लाख 72हजार 746 घरों में सोलर पैनल भी लग गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 6 लाख 51 हजार 375 आवेदन आए हैं और यहां पर 2 लाख 22 हजार 576 घरों में सोलर पैनल लग गए हैं। तीसरे नंबर पर उप्र का नाम है। इस ▶▶|शेष पेज 9 पर

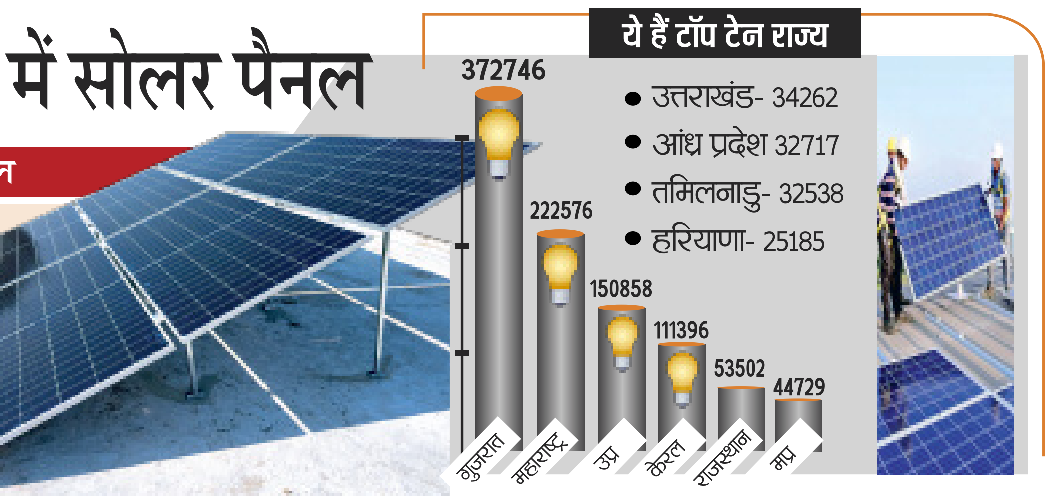

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मोबाइल फोन छीनने के लिए युवक की हत्या

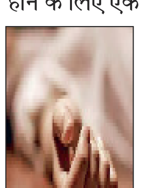

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में पुलिस ने शादी में शामिल होने के लिए एक युवक की हत्या के संबंध में दो नाबालिगों समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। शादाब (19) की गांव के ही 14 और 16 वर्षीय दो नाबालिगों ने कथित रूप से एप्पल फोन छीनने के मकसद से 20 जून को गला रेतकर हत्या कर दी।

रामबन में ट्रक खाई में गिरने से दो लोगों की मौत

बनिहाल/जम्मू। जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से दो लोगों की मौत हो गई। ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहा था, तभी चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया और ट्रक गहरी खाई में गिर गया।

सेवा का चोखा धंधा... : मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटलों में हो रहा मरीजों का उपचार

रायपुर में 350 से ज्यादा हास्पिटल खुले, 50 से ज्यादा कतार में, कार्पोरेट घरानों की एंट्री

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

स्वास्थ्य सेवा का धंधा अब चोखा हो चुका है... रायपुर बुलेट ट्रेन जैसी स्पीड के साथ हास्पिटल हब बनने की राह पर है। 10 बिस्तर से लेकर 600 बिस्तर वाले अस्पताल रायपुर में चल रहे हैं। इनकी संख्या 350 पार हो चुकी है। हाल यह है कि अभी करीब 50 नए छोटे-बड़े अस्पताल खुलने वाले हैं। कई बड़े और कार्पोरेट घरानों से जुड़े अस्पतालों की एंट्री यहां आने वाले दिनों में रायपुर में होगी। इस वक्त स्कूल के बाद हास्पिटल, कमाई का अच्छा बिजनेस बन रहा है। हालांकि चिकित्सा सेवा से जुड़े विशेषज्ञ कहते हैं कि ज्यादा अस्पताल होने से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और लोगों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

छत्तीसगढ़ गठन के वक्त गिनती के हास्पिटल हुआ करते थे। किसी तरह की बड़ी बीमारी होने पर लोगों को इलाज के लिये दूसरे राज्य जाना पड़ता था। अब तस्वीर बदल चुकी है और स्थिति यह हो चुकी है कि शहर के साथ रायपुर जिले के विभिन्न इलाकों में बड़े हास्पिटल आकार ले चुके हैं। यहां बड़े अस्पतालों की भीड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ▶▶|शेष पेज 9 पर

छग समेत पड़ोसी राज्यों का ट्रीटमेंट सेंटर है रायपुर इसलिए बड़े हास्पिटलों का आकर्षण

सालभर के भीतर खुले हास्पिटल

- पचपेढ़ी नाका में आईएलएस मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल
- विधानसभा रोड में इट्सा मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल
- सरोना में ग्लोबल और एचएम हास्पिटल

ये खुलने वाले...

- देवेन्द्र नगर में आर्टीमेस मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल
- सड्डू में मनीपाल मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल
- कोकिला बेन हास्पिटल, अपोलो हास्पिटल एवं यशोदा हास्पिटल

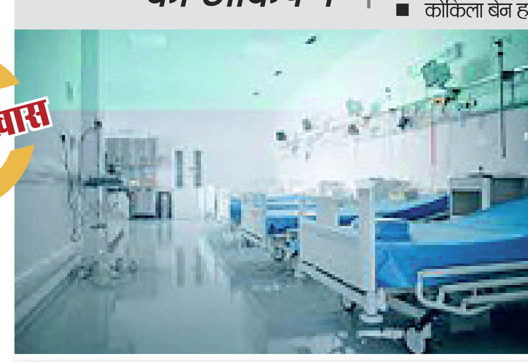

आयुष्मान योजना बड़ी वजह

सुपर स्पेशियल्टी हास्पिटल के साथ-साथ छोटे और मझोले अस्पताल लगातार खुलने का बड़ा कारण आयुष्मान योजना भी है। सरकार मरीजों के इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पैसे देती है। बहुत से ऐसे अस्पताल हैं जो गांव से आए मरीजों के इलाज कर ही संचालित हो रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि आयुष्मान योजना के लागू होने के बाद अस्पताल तेजी से खुले हैं।

दूसरे राज्य जाने का रास्ता यहीं से : छत्तीसगढ़ के तमाम जिलों से मरीज अपने गंभीर बीमारी के लिए इलाज के रायपुर के हास्पिटलों में आते हैं। इतना ही नहीं, ओडिशा, यूपी और बिहार के मरीज भी काफी संख्या में चिकित्सकीय सेवा की आस में यहां आते हैं। आगे इलाज के लिए दूसरे राज्यों ▶▶|शेष पेज 9 पर

रोजगार के रास्ते भी खुल रहे : बड़े हास्पिटलों के लिए रायपुर विभिन्न तरीकों से सुरक्षित है, जिसकी वजह से विभिन्न राज्यों के बड़े अस्पताल रायपुर में अपनी ब्रांच खोलने के लिए दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हास्पिटलों की संख्या यहां बढ़ने से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, वहीं सबसे बड़ी सुविधा ▶▶|शेष पेज 9 पर

हावड़ा-मुंबई के बीच बड़ा हब बनने के आसार

रायपुर का वातावरण और आबोहवा हास्पिटलों के हिसाब से सटीक है। इसके साथ यह वायु, रेल और सड़क मार्ग का केंद्र है, जिसकी वजह से यहां बड़े-बड़े हास्पिटल खुल रहे हैं। आने वाले दिनों में रायपुर हावड़ा-मुंबई के बीच मेडिकल हब के रूप में विकसित होगा। बड़े घरानों के अस्पताल खुलने से यहां की ट्रीटमेंट क्वालिटी में और अधिक सुधार होगा।

- **डॉ. राकेश गुप्ता,** अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ कांग्रेस

विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी

निश्चित तौर पर रायपुर बड़े अस्पतालों के लिये आकर्षण केंद्र रहा है। यहां का माहौल बेहतर चिकित्सकीय सेवा के लिए अनुकूल है। नये हास्पिटल खुलने से यहां विश्वस्तरीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। अस्पताल की संख्या बढ़ने से ज्यादा मानव संसाधनों की आवश्यकता होगी, जिससे लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

- **डॉ. कुलदीप सोलंकी,** अध्यक्ष इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर

कोलकाता गैंगरेप की जांच के लिए बनाई एसआईटी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता पुलिस ने शहर के एक विधि कॉलेज में छात्रा के साथ उसके वरिष्ठों द्वारा कथित सामूहिक बलात्कार की जांच के लिए शनिवार को पांच सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया। पांच सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व सहायक आयुक्त स्तर के एक अधिकारी करेंगे। अधिकारी ने कहा, कथित अपराध की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। यह तुरंत अपनी जांच शुरू करेगी। दक्षिण कलकत्ता विधि महाविद्यालय की 24 वर्षीय छात्रा के साथ 25 जून को गार्ड रूम में संस्थान के एक पूर्व छात्र सहित तीन लोगों ने कथित तौर पर गैंगरेप किया। उसकी शिकायत के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा, प्रोमित मुखर्जी और जैद अहमद को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार सुबह कॉलेज के गार्ड को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

हिरासत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

पश्चिम बंगाल पुलिस ने कथित सामूहिक बलात्कार की शिकार विधि छात्रा के महाविद्यालय की ओर कूच करने की कोशिश कर रहे भाजपा प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व करने वाले पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार एवं अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया। मजूमदार ने आरोप लगाया कि बंगाल में महिलाओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं है और वे बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं।

महिला आयोजन ने खड़े किए सवाल

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने इस मामले को लेकर कोलकाता पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैं कोलकाता में ही हूं। लगातार पुलिस से संपर्क करने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन हमें अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। मैंने साउथ कोलकाता की एसपी को मैसेज किया, लेकिन उनका कोई जवाब नहीं आया। शायद वह बहुत व्यस्त हों।

'मौसी' के घर पहुंचे भगवान जगन्नाथ

एजेंसी ▶▶| पुरी

पुरी में रथ यात्रा शुरू होने के एक दिन बाद शनिवार को भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथ अपने गंतव्य गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। गुंडिचा मंदिर को देवताओं की 'मौसी' का घर माना जाता है, जो हर साल जगन्नाथ मंदिर से निकलकर अपनी

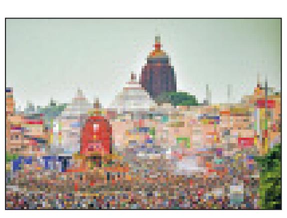

'मौसी' के घर जाते हैं। गुंडिचा मंदिर 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर से 2.6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

कल कैबिनेट, अमिताभ जैन की होगी विदाई, नए सीएस के नाम पर अभी सस्पेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में 30 जून को कैबिनेट की बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन को विदाई दी जाएगी। नए मुख्य सचिव के नाम को लेकर चर्चाएं तेज हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है। सुब्रत साहू और मनोज पिंगुआ रेस में सबसे आगे बताए जा रहे हैं। साय कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। यह बैठक इस मायने में खास होने जा रही है, क्योंकि इसी दिन मौजूदा मुख्य सचिव अमिताभ जैन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उन्हें औपचारिक विदाई दी जाएगी। बैठक में शासन के सचिवों से एजेंडा मंगाया गया है, ▶▶|शेष पेज 9 पर

रेणु पिल्ले, सुब्रत साहू, मनोज पिंगुआ, अमित अग्रवाल, ऋचा शर्मा के नाम की चर्चा

सुब्रत और पिंगुआ रेस में सबसे आगे : मुख्य सचिव के लिए सबसे मजबूत दावेदार के रूप में सुब्रत साहू और मनोज पिंगुआ के नाम की चर्चा है। दोनों ही अफसरों का प्रशासनिक अनुभव और राज्य सरकार से नजदीकी मजबूत मानी जा रही है। हालांकि यह सिर्फ चर्चाएं हैं, औपचारिक घोषणा के बाद ही तस्वीर स्पष्ट हो पाएगी।

केंद्र सरकार के संकेतों का इंतजार

सूत्रों की मानें, तो छत्तीसगढ़ सरकार अभी केंद्र के संकेतों का इंतजार कर रही है। हाल ही में मध्यप्रदेश में मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर हुए विवाद को देखते हुए रायपुर स्थित प्रशासनिक महकमा कोई भी जोखिम लेने के मूड में नहीं है। वहां राजेश राजौरा की नियुक्ति की चर्चा के बीच केंद्र सरकार ने अनुराग जैन को भोपाल भेजकर राज्य सरकार को चौंका दिया था। छत्तीसगढ़ सरकार नहीं चाहती कि ऐसी ही स्थिति यहां दोहराई जाए।

मोबाइल एप से वोटिंग विभा पहली ई-वोटर

नई दिल्ली/पटना। देश में पहली बार मोबाइल एप से वोटिंग हुई। बिहार देश का पहला ऐसा राज्य बन गया, जिसने शहरी निकाय चुनावों के लिए मोबाइल एप से वोटिंग की। शनिवार को बहिार के 26 जिलों की 42 नगर पालिकाओं के उपचुनाव हुए। कुल 62.41 फीसदी वोटिंग हुई। इसमें छह नगर पालिकाओं में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ई-वोटिंग हुई। ई-वोटिंग, बूथ वोटिंग से 16 फीसदी अधिक दर्ज हुई। मोतिहारी की विभा ने एप से पहला वोट डाला, जिससे वह देश की पहली ई-वोटर बन गई हैं। यह प्रोजेक्ट वोटिंग सेंटर्स तक पहुंचने में असमर्थ लोगों को आसानी से वोटिंग कराने के लिए किया गया है।

बिजली कंपनी को 4 हजार 550 करोड़ का घाटा

उपभोक्ताओं को लग सकता है और महंगी बिजली का झटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

लोगों को एक बार फिर बिजली का झटका लगने वाला है। बिजली कंपनी ने अपना घाटा कम करने के लिए बिजली बिल में प्रति यूनिट 20 पैसे की बढ़ोत्तरी का मसौदा तैयार किया है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण विभाग घाटा कम करने के लिए जल्द ही नई दरें लागू कर सकती है, नया टैरिफ 1 जुलाई से लागू हो सकता है। इसके बाद विद्युत उपभोक्ताओं ▶▶|शेष पेज 9 पर

वितरण विभाग ने प्रति यूनिट 20 पैसे की वृद्धि का दिया प्रस्ताव

वर्तमान स्लैब यूनिट की वर्तमान दर

(रुपये प्रति यूनिट)

0-100	3.90 रुपए
101-200	4.10 रुपए
201-400	5.50 रुपए
401-600	6.50 रुपए
601 से ज्यादा	8.10 रुपए

जारी नहीं हुआ आदेश

हर वर्ष विभाग द्वारा विद्युत नियामक आयोग को बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा जाता है। टैरिफ में संशोधन का विधेयक पारित किया जाता है, जिसके बाद नियामक आयोग जनसुनवाई करता है, इसके बाद ही बढ़ोतरी होती है। अधिकृत आदेश जारी नहीं हुआ है।

- **पीएल सिदार**, एसई, सीएसपीडीसीएल

दुनिया में पहली बार... फैक्ट्री से बिना ड्राइवर मालिक के घर पहुंची टेस्ला कार

एजेंसी ▶▶| टेक्सास

अमेरिकी ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने अपने जन्मदिन ऐतिहासिक कार लॉन्च की है। टेस्ला की यह 'मॉडल वाय' कार फुली ऑटोनॉमस (खुद चलने वाली) है।

अमेरिका के टेक्सास स्थित फैक्ट्री से डिलीवरी के बाद बिना ड्राइवर या ऑपरेटर के खुद चलकर ग्राहक के घर पहुंची। कार की शुरुआती कीमत 34 लाख बताई गई।

116 किमी प्रति घंटा की स्पीड

इस फुली सेल्फ-ड्राइविंग इलेक्ट्रिक कार की डिलीवरी टेक्सास में की गई। टेस्ला ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कार को ट्रैफिक सिग्नल, पैदल यात्रियों और वाहनों को पहचानते हुए नेविगेट करते देखा गया। टेस्ला के ऑटोपायलट हेड अशोक एलुस्वामी के अनुसार, कार ने इस दौरान 72 मील प्रति घंटा (116 केएमपीएच) की टॉप स्पीड भी हासिल की।

कारोबारी एलन मस्क ने अपने जन्मदिन पर लॉन्च की ऐतिहासिक कार

72 मील प्रति घंटा की हासिल की टॉप स्पीड भी

टेस्ला ने एक्स पर शेयर भी किया वीडियो

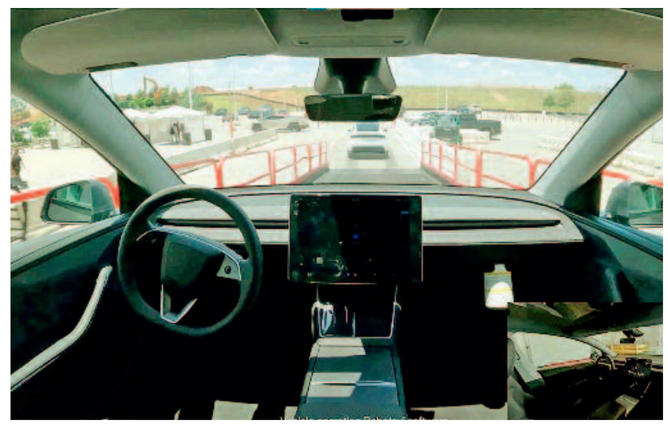

मॉडल वाय की कीमत और वेरिएंट

- लॉन्चः पहली बार मार्च 2019
- कीमत की शुरुआतः $40,000 (लगभग 34 लाख)
- टॉप वेरिएंट (परफॉर्मेंस): $60,000 (लगभग 51 लाख)
- वेरिएंटः रियर व्हील ड्राइव, लॉन्ग रेंज, परफॉर्मेंस

टेस्ला रोबोटैक्सी सेवा भी शुरू : टेस्ला ने 22 जून से ऑस्टिन में अपनी रोबोटैक्सी सर्विस की शुरुआत की है। हालांकि, इन कारों में अभी सुरक्षा के लिए एक एक्सपर्ट मौजूद रहता है। रोबोटैक्सी की प्रति सवारी $4.20 (लगभग 364)रुपए चार्ज करती है। ऑस्टिन में सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक यह रोबीटैक्सी उपलब्ध रहती हैं। एलन मस्क जल्द ही यह सेवा को अमेरिका के दूसरे शहरों में लॉन्च करने जा रहे हैं।

10 साल की मेहनत का नतीजा

एलन मस्क ने बताया कि यह 10 साल की अथक मेहनत का परिणाम है। हमारी एआई और चिप डिजाइन टीम ने यह सब इन-हाउस तैयार किया है। टेस्ला की सेल्फ-ड्राइविंग कारें एआई, कैमरे, सेंसर, रडार, लिडार और डिप लर्निंग एल्गोरिद्म का इस्तेमाल कर काम करती हैं।

पद्मश्री सम्मानित कर्तिक महाराज ने नौकरी का झांसा देकर किया रेप!

महिला ने दर्ज कराई एफआईआर जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारत सेवाश्रम संघ से जुड़े पद्मश्री सम्मानित कर्तिक महाराज पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने आरोप लगाया है कि महाराज ने नौकरी का झांसा देकर पहले उसे ठगा और फिर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इस मामले में मुर्शिदाबाद जिले के नबग्राम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है और पुलिस जांच में जुट गई है। शिकायतकर्ता महिला ने अपनी पहचान गुप्त रखते हुए मीडिया से बात की और बताया कि वर्ष 2013 में कर्तिक महाराज उसे मुर्शिदाबाद स्थित एक आश्रम में कार्तिक महाराज ने उसे मानसिक दबाव डालकर और भय दिखाकर संबंध बनाने को मजबूर किया।

कर्तिक महाराज का आरोपों से इंकार

आरोपी कर्तिक महाराज भारत सेवाश्रम संघ के बेलडांगा स्थित मठ से जुड़े हैं। उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि वे एक संन्यासी हैं और संन्यास के मार्ग में इस तरह की अड़चनें आती रहती हैं। उन्होंने कहा कि वह न्यायपालिका का सम्मान करते हैं और उनका कानूनी पक्ष उनके वकील कोर्ट में पेश करेंगे।

भारत ने पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर चलाकर किया था तबाह

आतंकी लॉन्च पैड्स को फिर से खड़ा कर रहा पाक, आईएसआई कर रही फंडिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय सेना ने मई में जिन आतंकी लॉन्च पैड्स को तबाह कर दिया था, उन लॉन्च पैड्स और आतंकी ट्रेनिंग कैंपों को पाकिस्तान भारी फंडिंग देकर एक बार फिर खड़ा करने में जुटा है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाक सरकार इन आतंकवादी ढांचों को दोबारा खड़ा करने में लगे हुए हैं। खासकर पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और उससे लगे इलाकों में।

खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान के आतंकी संगठन और आईएसआई एलओसी (एलओसी) के पास घने जंगलों में हाई-टेक और छोटे-छोटे आतंकी कैंप बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे निगरानी और हमलों से बच सकें. यह कदम भारतीय सेना के उस अभियान के बाद उठाया गया है, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), हिजबुल मुजाहिदीन और द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों को तबाह कर दिया गया था।

इस बार बड़े कैंपों को छोटे-छोटे कैंपों में विभाजित करने की रणनीति

रिडेवलप किए जा रहे चार लॉन्च पैड्स : खुफिया एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि आईएसआई अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार चार लॉन्च पैड रिडेवलप कर रही है। ये लॉन्च पैड मसरूर बड़ा भाई, चपराल, लूनी और शकरगढ़ में मौजूद ड्रोन सेंटर हैं।

दोबारा खड़े किए जा रहे आतंक के अड्डे

जिन कैंपों को दोबारा बनाया जा रहा है, वे लूनी, पुतवाल, टाइपू पोस्ट, जमीला पोस्ट, उमरनवाली, चपराल, फॉरवर्ड कहता, छोटा चक और जंगलोरा जैसे इलाकों में स्थित हैं। जानकारी के मुताबिक, अब इन शिविरों को उन्नत तकनीकों से लैस किया जा रहा है ताकि वे थर्मल इमेजर, फोलियेज पेनिट्रेटिंग रडार और सैटेलाइट से बचाव कर सकें. वहीं पाक सेना और आईएसआई पीओके में मौजूद 13 लॉन्चिंग पैड्स को दोबारा से रिडेवलप कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, ये लांचिंग पैड केल इलाके, शारदी, दुधनियाल, अथमुगम, जूरा, लीपा वैली, पछिबन चमन, तन्डपानी, नयाली इलाके, जनकोट, चकोटी, निकैल, फारवर्ड कहुता में मौजूद हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान चार आतंकी लॉन्च पैड्स को इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी दोबारा से सक्रिय करने में जुटा है। ये वो लांच पैड्स और पाक रेंजर्स की रेगुलर पोस्ट हैं जिनको **BSF** ने ऑपरेशन सिंदूर के समय ध्वस्त कर दिया था।

बहावलपुर में हुई आतंकियों और आईएसआई की मीटिंग

प्रत्येक मिनी-कैंप में अलग सुरक्षा होगी, जिसकी निगरानी पाकिस्तान सेना के विशेष प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी करेंगे। ये गार्ड थर्मल सेंसर, लो-फ्रीक्वेंसी रडार सिस्टम और एंटी ड्रोन से लैस होंगे। आईएसआई और आतंकी संगठनों के बीच कोऑर्डिनेशन भी स्थापित किया जा रहा है। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने इंटरसेप्ट किया है जिससे पता चलता है कि हाल ही में बहावलपुर में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई थी। इस बैठक में जैश, लश्कर, हिजबुल और टीआरएफ सहित दूसरे आतंकी संगठनों के टॉप कमांडर और आईएसआई अधिकारी मौजूद थे। इसमें आईएसआई ने ध्वस्त किए गए आतंकी कैंप और लॉन्च पैड्स को दोबारा से रिडेवलप करने के लिए फंडिंग और ह्यूमन रिसोर्स देने का बड़ा अश्वासन दिया था, जिसके बाद कई जगहों पर आतंकी कैंपों और लॉन्च पैड्स की फिर से मरम्मत की जा रही है।

पंजाब सरकार का एक्शनः अलग-अलग जेलों के 25 अधिकारी सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

भ्रष्टाचार और ड्रग्स नेटवर्क पर कार्रवाई

जेलों में भ्रष्टाचार के खिलाफ पंजाब सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। जेल में कामकाज सुधारने के लिए अधिकारियों पर सख़्त कार्रवाई करते हुए अलग अलग जेलों के 25 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इनमें तीन डिप्टी सुपरिडेंट और दो असिस्टेंट सुपरिडेंट शामिल हैं। भ्रष्टाचार और ड्रग्स नेटवर्क को ख़त्म करने के लिए ये एक्शन लिया गया है। जेल में भ्रष्टाचार और नशे के नेटवर्क की जानकारी मिलने के बाद सरकार ने ये कदम उठाया है। फिरोजपुर सेंट्रल जेल में तैनात कमांडो कर्मचारी (एल आर/एचसी) सुक्खा सिंह (बेलट नंबर 2सी/552) वासी तरनतारण से तलाशी दौरान 20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। उक्त मुलाजिम जेल में जैसे ही दाखिल हुआ उसकी मुख्य गेट पर तलाशी ली गई।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमलावर ने ली 13 सैनिकों की जान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा हमला

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में एक बड़े आत्मघाती बम हमले में 13 सैनिकों की मौत हो गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। मीर अली के खादी मार्केट में हुए हमले में घायल लोगों में एक दर्जन से अधिक महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। बताया जा रहा है कि एक बड़े आत्मघाती कार बम ने सुबह 7 बजकर 40 मिनट पर एक पाकिस्तानी सैन्य एमआरएपी वाहन को टक्कर मार दी, जो एक बम-निरोधक (ईओडी) यूनिट की गाड़ी थी। पाकिस्तान के आतंकी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के गुट उसूद-उल-हर्ब (इत्तेहाद-उल-मुजाहिदीन और हाफिज गुल बहादुर ग्रुप से जुड़ा हुआ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

हिंसा से उबर कर अब बदलाव की राह पर बस्तर

तीन दशकों के आतंक और दहशत का खत्म हो रहा दौर, छत्तीसगढ़ में तेजी से सिमट रहा नक्सली हिंसा का दायरा

"लाल आतंक के खात्मे के लिए नक्सलियों के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई जोर-शोर से जारी है, जिसका परिणाम है कि नक्सलियों की कमर अब टूट गई है। प्रदेश से जब तक नक्सली हिंसा और उग्रवाद का अंत नहीं हो जाता हम चुप नहीं बैठेंगे।"

-श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

आदिवासी बाहुल्य आबादी, अनुपम नैसर्गिक सुंदरता और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर बस्तर में आज विकास का सबसे बड़ा अवरोधक है नक्सली हिंसा। पिछले 3 दशकों में नक्सलियों ने यहां अपने पैर पसारे। बंदूक के दम पर हिंसा के साथ विकास कार्यों में बाधा पहुंचाई। नक्सलियों ने अपने झूठे और खोखले सिद्धांतों के जरिए लंबे समय तक भोले- भाले आदिवासियों को भ्रम में डाला। हिंसा का सहारा लेकर उन्हें डराने की कोशिश की। बच्चों से उनके स्कूल छीने, उनका बचपन छीना, उन्हें हिंसा की राह पर धकेला। कई परिवारों को बर्बाद किया, सुहागनों के सिंदूर उजाड़े। बेटियों को अगवा किया और उन्हें भी हिंसा के रास्ते पर ले गए। इसी वजह से संसाधनों से परिपूर्ण बस्तर पर देश के सबसे पिछड़े इलाकों में एक होने का धब्बा लगा। लेकिन अब छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ विकास के इस अवरोध को पूरी तरह से समाप्त करने पर डटी हुई है। अब वह दिन दूर नहीं जब नक्सलवाद की काली छाया छत्तीसगढ़ से पूरी तरह मिट जाएगी। बस्तर में विकास का नया सवेरा अब होने ही वाला है। यहां नक्सलियों की कमर टूट चुकी है, अब बस इसका समूल खात्मा बाकी है, जिसकी डेड लाइन भी तय हो चुकी है। मजबूर आदिवासी ग्रामीणों पर हुए इन अत्याचारों का अब हिसाब होने वाला है। उन्हें अब न्याय मिलेगा। उन्हें अब अपना खुशहाल बस्तर मिलेगा, जो इन हिंसा वादियों के चंगुल से पूरी तरह मुक्त होगा और विकास के रास्ते पर पूरी गति से आगे बढ़ेगा। छत्तीसगढ़ में सिमटते हुए नक्सलवाद के अतीत पर अगर गौर करें तो यह बेहद दर्दनाक रहा है। नक्सली हिंसा की वजह से बस्तर के स्थानीय लोगों ने करीब तीन दशकों तक बहुत कुछ सहा है। बहुत सी ऐसी कड़वी यादें हैं जो कभी भी भुलाई नहीं जा सकतीं, और इन्हें जब भी याद करें तो नक्सलियों को परास्त करने का हौसला और भी मजबूत हो जाता है। पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान पूरे हौसले के साथ नक्सल मोर्चे पर डटे हैं और अब जल्द ही नक्सलियों का समूल अंत होगा।

खुल रहे स्कूलों के द्वार

झूठे सिद्धांतों की दुहाई देने वाले नक्सली, बच्चों की शिक्षा के भी घोर विरोधी रहे हैं। उन्हें हमेशा यह डर रहा है कि यदि बस्तर की नई पीढ़ी पढ़ लिखकर जागरूक हो जाएगी, तो उनके बहकावे में नहीं आएगी। इसी भय के चलते नक्सली शिक्षा के मंदिरों पर हमले करते, उन्हें तोड़ते और बच्चों को स्कूल जाने से रोकते थे। विगत 20 वर्षों में नक्सलियों ने 200 से अधिक स्कूल भवनों को क्षतिग्रस्त किया। अब बस्तर संभाग में करीब साढ़े तीन सौ बंद पड़े स्कूलों को दोबारा शुरू किया गया है।

नक्सल मोर्चे पर मिली सफलता
(दिसंबर 2023 से अब तक)

न्यूट्रलाइज किए गए नक्सली	436
गिरफ्तार	1457
आत्मसमर्पण	1432
जप्ती माइंस	673
जप्ती हथियार	555
स्थापित कैंप	64

बारूदी सुरंगें बिछाकर फैलाई तबाही

विकास के विरोधी रहे नक्सली नहीं चाहते कि बस्तर में किसी भी तरह का अधोसंरचना विकास हो, इसलिए वह विस्फोटकों का सहारा लेकर पुल- पुलिया, सड़कों और सड़क निर्माण में लगे वाहनों- मशीनरी को तबाह करते। इसके साथ ही बस्तर में जगह-जगह बारूदी सुरंगें बिछाकर मानवता को भी तबाह करने की कोशिश की। उनके बिछाए बारूदी सुरंगों की चपेट में आने से सुरक्षा बलों के जवानों सहित कई निर्दोष ग्रामीणों व बेजुबान मवेशियों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी। इन बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय कर नष्ट करना बड़े-बड़े चुनौती भी रही। इस प्रक्रम में बड़ी कुर्बानी भी हमारे पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों को देनी पड़ी है। वर्ष 2003 से अब तक आईईडी के चपेट में आने से कुल 147 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 306 लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। वहीं अब तक कुल 4,173 लैंड माइंस रिकवर की गई हैं।

नक्सल घटनाओं में हुई क्षति

	(वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक)	(दिसंबर 2023 से अब तक)
नक्सली और जवानों के बीच मुठभेड़	3,458	209
शहीद जवानों की संख्या	1,473	44
नक्सल घटना में मारे गए सिविलियन	1,941	89
घायल सिविलियन की संख्या	759	24
आईईडी के कारण मारे गए लोगों की संख्या	135	12
आईईडी के कारण घायल लोगों की संख्या	287	19
आगजनी की घटना	767	20
सड़क निर्माण में लगे पोकलेन जलाए	149	
सड़क निर्माण मे लगे वाहन जलाए	2,057	27
पुल-पुलिया तोड़े	220	8
स्कूल, अस्पताल व अन्य शासकीय भवन तोड़े	208	
मोबाईल टावर उड़ाए	34	11

सुशासन से समृद्धि की ओर...
मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए Q.R. Code स्कैन करें

बस्तर के इतिहास में लाल रंग में दर्ज हैं यह तारीखें

28 फरवरी 2006 — दरभागुड़ा, जिला- सुकमा
ग्राम दोरनापाल में आयोजित सलवा जुडूम जन जागरण अभियान से 4 ट्रकों में कोंटा के ग्रामीण अपने अपने गांव वापस हो रहे थे, कि एर्राबोर थाना क्षेत्र के ग्राम दरभागुड़ा के समीप नक्सलियों द्वारा बारूदी सुरंग विस्फोट किया गया, जिसमें 28 ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में अन्य 27 ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हुए थे। 3 ट्रकों को आग के हवाले कर दिया गया था।

24 मार्च 2006 — संगम, जिला- सुकमा
थाना पखांजूर क्षेत्र के ग्राम संगम में साप्ताहिक बाजार से ग्रामीण बाजार कर जीप से पखांजूर लौट रहे थे। इसी दौरान घोडागांव एवं संगम गांव के मध्य नक्सलियों द्वारा बम विस्फोट कर जीप को उड़ा दिया गया। इस घटना में 13 ग्रामीणों की मौत हो गई और 4 ग्रामीण घायल हुए थे।

25 अप्रैल 2006 — मनीकोंटा, जिला- सुकमा
थाना दोरनापाल के राहत शिविर में रह रहे ग्राम मनीकोंटा के 50-60 ग्रामीण सामान लेकर वापस आ रहे थे, कि नक्सली उन्हें अगुआ कर पकड़ ले गए। नक्सलियों ने इनमें से 15 ग्रामीणों की हत्या कर दी थी।

16 जुलाई 2006 — एर्राबोर, जिला- सुकमा
थाना एर्राबोर राहत शिविर कैंप में अज्ञात लगभग डेढ़ हजार नक्सली व संघम सदस्यों द्वारा गोलीबारी के साथ हमला कर दिया। नक्सलियों द्वारा 220 घरों को आग के हवाले कर दिया था, जिससे राहत शिविर में रह रहे 6 एसपीओ, 1 स्वास्थ्य कार्यकर्ता व 17 ग्रामीण मारे गए थे। इनके अलावा 47 अपहृत ग्रामीणों में से 6 की हत्या कर दी गई और 20 घायल ग्रामीणों में से 3 ने ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

15 मार्च 2007 — रानीबोदली, जिला- बीजापुर
नेशनल पार्क दलम के नक्सली कमाण्डर व करीब 500 अन्य नक्सलियों ने हथियार लूटने की नीयत से रानीबोदरी में सुरक्षा बलों के कैम्प पर सशस्त्र हमला किया। स्वचलित अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोली-बारी की गई, जिससे कैम्प तबाह हो गया और वहां तैनात छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 9वीं वाहिनी सी कम्पनी कैम्प के 55 जवान शहीद हो गए थे।

16 मई 2010 — चिंगावरम, जिला- सुकमा
सुकमा से जिला पुलिस बल एवं एसपीओ की संयुक्त पुलिस पार्टी गादीरास थाना क्षेत्र में भूसारास से मुकमा की ओर लौट रही थी। इसी दौरान चिंगावरम के पास नक्सलियों द्वारा उस बस को निशाना बनाया गया जिसमें पुलिस जवान सवार थे। घटना में 11 आरक्षक, 1 एसएसबी वेटनरी फिल्ड असिस्टेंट व 4 एसपीओ शहीद हो गए थे। इस घटना में 15 निर्दोष ग्रामीण भी मारे गए।

6 अप्रैल 2010 — ताड़मेटला, जिला- सुकमा
चिंतलनार में तैनात 62 वीं वाहिनी सीआरपीएफ के बी कंपनी द्वारा एरिया डॉमिनेशन व नक्सली गश्त सर्चिंग अभियान के दौरान ताड़मेटला पहाड़ी जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई। फोर्स की सहायता हेतु चित्तलनार कैम्प से अन्य पार्टी रवाना हुई थी, कि रास्ते में ही नक्सलियों द्वारा फायरिंग शुरू कर दी और बुलेट प्रुफ वाहन को विस्फोट कर क्षतिगस्त कर दिया। उक्त घटना में सीआरपीएफ के 75 जवान व जिला पुलिस बल के 1 प्रधान आरक्षक शहीद हुए थे।

29 जून 2010 — राकस नाला, जिला- नारायणपुर
कैम्प थौड़ाई से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की पार्टी रोड ओपनिंग हेतु ग्राम झारा की ओर से वापस आ रही थी। इसी समय राकस नाला के पास पूर्व से घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने हथियार लूटने की नियत से अंधाधुन्ध फायरिंग की। पुलिस पार्टी द्वारा भी तत्काल पोजिशन लेते हुए फायर का जवाब दिया गया। इस घटना में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 27 जवान शहीद हो गए थे।

9 जुलाई 2007 — रेगड़गट्टा, जिला- सुकमा
थाना एर्राबोर से जिला बल, सीआरपीएफ एवं एसपीओ के साथ दो पार्टी नक्सली गश्त- सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी कि, एरांचोर से लगभग 12-15 किलोमीटर दूरी पर उत्पलमेटा पहाड़ी के पास नक्सली व पुलिस पार्टी के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान जिला बल के 2 जवान, 6 एसपीओ व सीआरपीएफ के 15 कुल 23 जवान शहीद हुए और 2 सीआरपीएफ जवान व 5 एसपीओ घायल हुए।

24 अप्रैल 2017 — चिंतागुफा, जिला- सुकमा
बुरकापाल कैम्प से सीआरपीएफ के 71 जवान और जिला बल का 1 जवान संयुक्त बल रोड निर्माण पार्टी की सुरक्षा हेतु चिंतागुफा की ओर रवाना हुए थे। इसी बीच करीब 200-250 हथियार बंद नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया। सुरक्षा बलों द्वारा जवाबी कार्यवाही की गई, लेकिन दुर्भाग्यवश घटना में सीआरपीएफ 74 वाहिनी के 25 जवान शहीद हो गए। इस घटना में नक्सली बड़ी तादाद में सुरक्षा बलों के हथियार भी लूट कर ले गए थे।

www.anjaneyauniversity.ac.in

ANJANEYA UNIVERSITY
UGC APPROVED
RAIPUR

KNOWLEDGE VILLAGE NARDAHA, NEAR VIDHAN SABHA ROAD, RAIPUR

ACCREDITATION & RECOGNITION

- THE UNIVERSITY GRANTS COMMISSION (UGC)
- ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION
- BAR COUNCIL OF INDIA
- MINISTRY OF EDUCATION GOVERNMENT OF INDIA
- CONFEDERATION OF INDIAN INDUSTRY
- STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING
- PRADHAN MANTRI KAUSHAL VIKAS YOJANA
- PHARMACY COUNCIL OF INDIA
- DEEN DAYAL UPADHYAYA GRAMEEN KAUSHALYA YOJANA
- SKILL INDIA
- NATIONAL COUNCIL FOR TEACHER EDUCATION
- NATIONAL SKILL DEVELOPMENT CORPORATION

PROGRAMS OFFERED @ AU

COMPUTER SCIENCE
(DCA, BCA, MCA, PGDCA)
Specialization in
(Digital Marketing & E-commerce Code Side Development)
(B.Sc.)Information Technology | Computer Science | Digital Marketing
Master in Data Science

SCIENCE
(B.Sc., M.Sc.)
Microbiology | Biochemistry | Physics | Forensic Sc | Bioinformatics
Biotechnology | Chemistry | Mathematics | Biology | Zoology
Bachelor of Science (Honours)
Master of Science (Botany)

ENGINEERING
(Diploma, B.Tech, M.Tech, Lateral)
Specialization in
Artificial Intelligence | Machine Learning | Data Science | Cyber Security
Big Data & Business Analysis | Digital Marketting & Ecommerce | Mecatronics
Tool Design | Hydraulic & Water Resource | Infrastructure Management

FILM MAKING
(BA & MA in Film Making)
Diploma
(Film Making | Cinematography | Film Direcrtion | Screen Writing
Animation | Visual Effects(VFX) | Post Production | Film Production)

ARTS & HUMANITIES
(BA, MA, BSW, MSW)
Diploma in Dance and Music
Bachelor of Arts & Master of Arts (Economics | English Lit. | Geography | Hindi Lit. | Political Science | Sociology | Psychology)

JOURNALISM & MASS COM.
(BAJMC, MAJMC, PGDJ)
Diploma
(News Reading | Media Studies | Anchoring & Reporting | Journalism)

FASHION & INTERIOR
(B.Sc., M.Sc)
Bachelor & Master in Animation & Visual Effects
Diploma (Photography, Interior & Fashion Designing | Footwear Design & Jewellery Design | Multimedia and Graphic Animation)

MANAGEMENT
(BBA, MBA)
MBA in (Logistic & Supply Chain | Real Estate | Aviation Family Business & Entrepreneurship)

HOTEL MANAGEMENT
(Diploma, Bachelor, Master)

FORENSIC SCIENCE
(B.Sc., M.Sc)

COMMERCE
(B.Com., M.Com.)

AVIATION
(Diploma, BBA, MBA)

EDUCATION
(B.Ed., D.EL.D)
MA in Education | BA & MA in Yoga

RESEARCH (Ph.D.)

PHARMACY
Diploma in Pharmacy (D.Pharm.)
Bachelor in Pharmacy (B.Pharm.)
Lateral in B.Pharm.

LAW
(LLM, LLB, BA LLB)

SOME OF OUR TOP RECRUITERS

ANJANEYA UNIVERSITY 100% PLACEMENT ASSISTANCE

Paytm | PhonePe | wipro | Tech Mahindra | AXIS BANK | BARBEQUE NATION | The East Park | Le MERIDIEN | JINDAL STEEL & POWER | TAJ | airtel | IBC24 | BYJU'S | ICICI Bank | genpact | SHRIRAM | IndiGo | SAROVAR | SAYAJI | WESTIN | THE LEELA | Babylon | HYATT | MAYFAIR | Domino's | MARRIOTT | sodexo

HIGHEST CTC - 20 LPA
AVERAGE CTC - 7.4 LPA

KEY HIGHLIGHTS

- Unreal Engine Mastery - Learn from certified industry professionals using real-world production pipelines.
- Project-Based Learning - Build a portfolio with game levels, cinematics, and virtual experiences.
- Access to Global Career Opportunities - Prepare for roles in metaverse, simulation, gaming, and virtual production.
- Startup & Entrepreneurship Support - For students with business or game studio aspirations.

GET 100%
JOB ASSISTANCE BY UNREAL EDGE MUMBAI

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

VNR SEED | NAKODA TMT | REAL | PRESTIGE INDUSTRIES | EUSAI | Jayaswal Neco Industries Limited | SARDA | DEEPSIKHA ENTERPRISES | JD INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY | MAKKNOW | BioInnovale Lifescience | SEL | State Forensic Science Laboratory Raipur | PRASHAMSA FOUNDATION | INTI International University MALAYSIA | Ontario International Development Agency (OIDA), Canada | International Institute of Aviation | TechDefencelabs

ADMISSION ENQUIRY 88967 96788 88897 22225

SUNDAY OPEN

MAIN CAMPUS : KNOWLEDGE VILLAGE NARDAHA, NEAR VIDHAN SABHA, RAIPUR (C.G.)
CITY CAMPUS : NEAR RAJ BHAVAN, DAGA BUILDING, CIVIL LINE, RAIPUR (C.G.)

ADMISSION OPEN 2025-26

SCAN & APPLY NOW

चीन के किंगदाओ (चिंगदाओ) शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का शिखर सम्मेलन 25 और 26 जून को आयोजित किया गया। एससीओ सम्मेलन में चीनी नेतृत्व में तैयार संयुक्त वक्तव्य में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र नहीं होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। नतीजा यह हुआ कि एससीओ का संयुक्त घोषणा पत्र जारी नहीं हो सका। लेकिन इस सबमें जहां आतंकवाद को लेकर चीन का दोगलापन व पाक प्रेम फिर से उजागर हुआ, वहीं भारत का कड़ा रुख सामने आया। भारत ने चीन व पाकिस्तान समेत एससीओ सदस्य देशों को स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ नई दिल्ली की जीरो टॉलरेंस की नीति है और एससीओ अपने लक्ष्य से विमुख नहीं हो सकता है। एससीओ की प्रस्तावना में आतंकवाद के खिलाफ एकजुट लड़ाई की बात है। सबसे हैरान करने वाली बात है कि वो रूस एससीओ के चीनी संयुक्त घोषणा पत्र में भारतीय हितों की अनदेखी पर चुप रहा, जिसने इस समूह में भारत को शामिल कराने के लिए वकालत की थी। अभी भारत व पाक के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान भी अमेरिका व रूस के आचरण भारत की प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं रहे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या भारत की विदेश नीति ठहर गई है? आजकल के ताजा अंक में पेश है एक विश्लेषण...

विदेश नीति में 'स्टैंड' लेने का वक्त

एससीओ सम्मेलन
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

भारतीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा जब तैयार किए गए संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज की बाकायदा समीक्षा की गई तो उसको स्पष्टतया प्रतीत हुआ कि यह अत्यंत पक्षपातपूर्ण और असंतुलित तौर से तैयार किया गया है। भारत के मुताबिक इस दस्तावेज में विगत 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में यात्रियों पर अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण को पूरी तरह से नजरअंदाज करके उसे एकदम दरकिनार कर दिया गया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लीडर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस तैयार किए गए संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से स्पष्ट इनकार कर दिया। परिणामस्वरूप इस दफा एससीओ सम्मेलन कोई संयुक्त घोषणा पत्र (जॉइंट डिक्लेरेशन) भी जारी नहीं कर सका।

चीन के किंगदाओ (चिंगदाओ) नगर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का एक शिखर सम्मेलन 25 और 26 जून को आयोजित किया गया। एससीओ सम्मेलन में सदस्य देशों द्वारा एक संयुक्त वक्तव्य तैयार किया गया। संयुक्त वक्तव्य का मकसद निरूपित किया गया कि एससीओ देशों में संयुक्त सुरक्षा प्रबंधन, परस्पर आर्थिक सहयोग और वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक संयुक्त और कारगर रणनीति का ऐलान करना है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा जब तैयार किए गए संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज की बाकायदा समीक्षा की गई तो उसको स्पष्टतया प्रतीत हुआ कि संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज को अत्यंत पक्षपातपूर्ण और असंतुलित तौर से तैयार किया गया है। भारत के मुताबिक इस दस्तावेज में 11 मार्च को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में जफर एक्सप्रेस के अपहरण कांड की वारदात का एक आतंकवादी वारदात के तौर पर बाकायदा उल्लेख किया गया है, लेकिन विगत 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में यात्रियों पर अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण को पूरी तरह से नजरअंदाज करके उसे एकदम दरकिनार कर दिया गया है।

संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर से इनकार

एससीओ सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के लीडर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस तैयार किए गए पक्षपातपूर्ण संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। एससीओ सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक समस्या है और वैश्विक आतंकवाद को किसी भी एक मुल्क के नजरिए से कदाचित देखा और परखा नहीं जा सकता। भारतीय रक्षा मंत्री ने स्पष्ट तौर पर फरमाया कि आतंकवादी वारदातों को कदापि नहीं रोका जा सकता, जब तक कि सभी आतंकवादी वारदातों को निष्पक्षता के साथ देखा और समझा नहीं जाएगा। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि भारत का स्पष्ट नजरिया है कि पक्षपातपूर्ण रवैये और संकीर्णतापूर्ण राजनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण द्वारा वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध कामयाबी के साथ कोई भी सामूहिक संघर्ष कदापि अंजाम नहीं दिया जा सकता। इसी कारण से भारत ने संयुक्त वक्तव्य दस्तावेज पर दस्तखत करने से साफ इनकार कर दिया। भारतीय रक्षा मंत्री एससीओ सम्मेलन में जब तकरीर कर रहे थे, उस वक्त पाकिस्तान के रक्षा मंत्री जनाब ख्वाजा मोहम्मद आसिफ सम्मेलन में विद्यमान थे। अतः भारत द्वारा संयुक्त वक्तव्य पर दस्तखत नहीं किए जाने के परिणामस्वरूप इस दफा एससीओ सम्मेलन कोई संयुक्त घोषणा पत्र (जॉइंट डिक्लेरेशन) भी जारी नहीं कर सका। क्योंकि एससीओ चार्टर के प्रावधान के तहत सभी सदस्य देशों की संपूर्ण सहमति से ही कोई संयुक्त वक्तव्य और संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि एससीओ की स्थापना सन् 1991 में सोवियत संघ के विघटन के तत्पश्चात 26 अप्रैल सन 1996 में चीन के शंघाई नगर में आयोजित एक सम्मेलन में की गई थी। इसमें रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और तजाकिस्तान द्वारा शिरकत की गई थी। शंघाई सम्मेलन में संयुक्त तौर पर इन देशों द्वारा परस्पर सरहदी विवादों को निपटाया गया था। प्रारंभ में इस एससीओ ग्रुप को शंघाई फाइव के नाम से स्थापित किया गया था। भारत, ईरान, पाकिस्तान सन् 2005 से निरंतर एससीओ सम्मेलनों में पर्यवेक्षक देशों के तौर पर शिरकत करते रहे।

रूस का भारत को एकतरफा समर्थन नहीं

2017 में भारत और पाकिस्तान को एससीओ का सदस्य बनाया गया। 2019 में जब भारत ने आर्टिकल 370 को निरस्त किया, रूस ने भारत का प्रबल समर्थन किया। सन् 2023 एससीओ में ईरान को सदस्य बनाया गया। वस्तुतः नीतिगत और कूटनीतिक तौर से एससीओ पर चीन और रूस का निर्णायक प्रभाव कायम रहा है। परम्परागत तौर से रूस सदैव भारत का प्रबल रणनीतिक और कूटनीति पक्षधर देश रहा। एससीओ में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के उद्देश्य से ही रूस की पहल पर भारत को एससीओ में शामिल किया गया था। दुर्भाग्य से पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और प्रायोजित पहलगाम हत्याकांड के प्रतिशोध में भारतीय सेना द्वारा संचालित ऑपरेशन सिंदूर के दौर में रूस द्वारा भारत को एकतरफा समर्थन प्रदान नहीं किया गया। वरन रूस ने भारत और पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष में मध्यस्थता करने की पेशकश की। फरवरी 2022 से प्रारंभ हुए यूक्रेन-रूस युद्ध के दौर में भारत द्वारा रूस का एक तरफा समर्थन नहीं किया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए भारत ने मध्यस्थता का प्रस्ताव पेश किया। रूस द्वारा भी भारत को कूटनीतिक प्रत्युत्तर देते हुए भारत का समर्थन करने के स्थान पर भारत-पाक युद्ध रुकवाने के लिए मध्यस्थता करने की पेशकश कर दी। एससीओ सम्मेलन में वस्तुतः चीन द्वारा संयुक्त वक्तव्य का दस्तावेज तैयार किया गया और रूस और अन्य सहयोगियों की सहमति ली गई। अतः चीन की पहल पर तैयार किए गए दस्तावेज में भारत पर अंजाम दिए गए नृशंस आतंकवादी आक्रमण का तो कदाचित उल्लेख नहीं किया गया, किंतु बलूचिस्तान में जफर एक्सप्रेस के अपहरण को आतंकवादी वारदात करार देकर, उसका बाकायदा उल्लेख किया गया। भारत के लिए कूटनीतिक तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण है कि रूस पहले की तरह अब भारत का प्रबल पक्षधर प्रतीत नहीं हो रहा है।

पाक को चीन और रूस का सहारा

ऐसा प्रतीत होता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में रूस किसी हद तक चीन के रणनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव में आ चुका है। ऑपरेशन सिंदूर के दौर में चीन वस्तुतः भारत का धुर विरोधी और पाकिस्तान का प्रबल समर्थक बनकर उभरा है। तकरीबन साढ़े तीन वर्ष से रूस-यूक्रेन युद्ध निरंतर जारी है। चीन द्वारा रूस को आधुनिकतम सैन्य हथियारों की निरंतर आपूर्ति की जा रही है। विश्व पटल पर एकदम अलग-थलग पड़े हुए पाकिस्तान को रूस और चीन दोनों का सहारा मिल रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परम मित्र करार दिए जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तोलने पर उतारू हो गए हैं। यकीनन अघोषित तौर पर कोल्ड वार के नए दौर की शुरुआत हो चुकी है। अब विश्व दो परस्पर विरोधी सैन्य खेमों में विभाजित हो चुका है। गुट निरपेक्ष भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक परीक्षा का यह कठिन दौर है। विश्व पटल पर अत्यधिक संतुलनवादी विदेश नीति अपनाते हुए भारतीय कहीं अकेला तो नहीं पड़ रहा है? शिखर सम्मेलन में नौ सदस्य देशों ने शिरकत की। अफगानिस्तान और बेलारूस और मंगोलिया शिखर सम्मेलन में पर्यवेक्षक देश के तौर पर उपस्थित रहे। एससीओ सम्मेलन द्वारा वैश्विक आतंकवाद के ज्वलंत प्रश्न पर पाखंडपूर्ण और दोगली कार्य नीति और रणनीति अख्तियार करने के विरोध में भारत का समर्थन करने और साथ देने के लिए एक भी सदस्य मुल्क आगे नहीं आया। कैसी विचित्र विडंबना है कि पाकिस्तान सरीखा मुल्क जोकि दशकों से वैश्विक आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ बना रहा है, जिसकी सरजमीं पर जिहादी दहशतगर्दों के सरगना ओसामा बिन लादेन की परवरिश हुई और अलकायदा ने परवान चढ़कर सारी दुनिया में तबाही मचाई है। पहलगाम में नृशंस हत्याकांड अंजाम देने वाले रेजिस्टेंस फ्रंट द्वारा अपना गहरा ताल्लुक लश्कर तैयबा के साथ स्वीकारा है। लश्कर ए तैयबा को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया जा चुका है और जिसको सदैव पाकिस्तान ने पाला पोसा और उसकी तरबीयत की गई है। अब वह पाकिस्तान एससीओ की नजर में आतंकवाद का शिकार एक मुल्क बन गया है। भारत जो कि अनेक दशक से जिहादी आतंकवाद के नृशंस निशाने पर बना रहा है, उस भारत के गहरे ज़ख्मों को जानने और समझने के लिए एससीओ के सदस्य देश तैयार नहीं हैं।

गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज करने की कोशिश

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा चीन जाकर एससीओ सम्मेलन में शिरकत करने की एक उपलब्धि अवश्य हो गई है। इस अवसर पर भारत और चीन के मध्य कूटनीति की एक नई इबारत खुलती दिखाई दे रही है। राजनाथ सिंह और उनके समकक्ष चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के मध्य हुई बैठक में सीमा विवाद का समाधान, शांति बहाली और भारत-चीन संबंधों को फिर से सामान्य करने को लेकर चार अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान कैलाश मानसरोवर यात्रा के पुन प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई तो वहीं पाकिस्तान द्वारा समर्थित जिहादी आतंकवाद पर भारत ने चीन को दो-टूक पैगाम भी दे दिया। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैद्धांतिक रणनीति करार दिया और यह वक्तव्य ऐसे वक्त में आया जबकि एससीओ द्वारा संयुक्त दस्तावेज में वैश्विक आतंकवाद से जुड़े गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज करने की कोशिश की गई। उल्लेखनीय है कि इन दिनों भारत और चीन की सरहद पर देपसांग और डेमचौक इलाकों में डिसएंगेजमेंट डील को आखिरी रूप प्रदान किया जा रहा है। चीन और भारत के रक्षा मंत्रियों की मुलाकात से पहले ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हो चुकी थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत अपनी सरहद पर शांति और सुरक्षा स्थापित करना चाहता है किंतु अपने बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ जाकर कदापि कोई समझौता नहीं करेगा। अब आगे देखना होगा कि विस्तारवादी फितरत का देश चीन चार पाइंट फार्मूले पर कितना अमल अंजाम देता है। वैश्विक पटल पर आज के बेहद मुश्किल दौर में भारत को अपनी विदेश नीति एवं कूटनीति पर क्या फिर से विचार नहीं करना चाहिए? वैश्विक सैन्य संघर्ष पर भारत की तटस्थ खामोशी भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए क्या घातक सिद्ध नहीं हो रही है? हमास बनाम इजरायल जंग में भारत का इजरायल के पक्ष में बयान आतंकवाद के खिलाफ भारतीय नीति का प्रतिफल था। गाजा पर हमास का शासन अवैध है, हमास एक आतंकी गुट है, इसलिए हमास के कृत्य का समर्थन संभव नहीं है। इसलिए जब भी संयुक्त राष्ट्र के पटल पर गाजा में युद्ध विराम करने के प्रस्ताव पेश किए गए, भारत ने मतदान का बॉयकॉट किया। अमेरिका की कयादत में नाटो सैन्य संगठन द्वारा वस्तुतः यूक्रेन को एक मोहरा बनाकर एक सैन्य युद्ध रूस पर थोप दिया गया। भारत द्वारा रूस-यूक्रेन युद्ध पर नाटो ताकत का विरोध ना करके केवल शांति का पैगाम और केवल फरमाया कि आज का दौर यूद्ध का नहीं है वरन विकास का दौर है। परिणाम क्या रहा कि विश्व पटल पर सबसे भरोसेमंद दोस्त रूस को भारत ने तकरीबन चीन के हाथों गंवा दिया है।

आतंकवाद पर चीन को भारत का सख्त संदेश

कूटनीति
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

संघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) सम्मेलन के जरिए भारत ने एक बार फिर आतंकवाद के खिलाफ जमकर हमला बोला है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एससीओ के संयुक्त बयान के ड्राफ्ट पर हस्ताक्षर करने से इनकार करके कड़ा संदेश दिया है कि आतंकवाद के मसले पर दोहरा रवैया बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने संयुक्त बयान के ड्राफ्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह मसौदा भारत की आतंकवाद-विरोधी नीति और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण को कमजोर करता है। उन्होंने सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान का नाम लिए बिना ही जमकर लताड़ लगाते हुए कहा कि जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देंगे, उन्हें उसका खामियाजा भुगतना होगा। उन्होंने भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि पहलगाम पर हुए आतंकी हमले के जवाब में ही भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। आतंकवाद पर दोहरे मानदंड को खत्म करना बेहद जरूरी है और एससीओ जैसे मंच को ऐसी ताकतों की खुलेआम आलोचना करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि एससीओ के संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकी हमले को जगह नहीं दी गई जबकि इसी संयुक्त बयान में पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस पर हुए हमले को भरपूर तवज्जो दी मिली है।

चीन-पाकिस्तान की मिलीभगत

मतलब साफ है कि यह कारस्तानी चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत से हुआ है। ऐसे में अगर भारत ड्राफ्ट के मौजूदा स्वरुप पर ऐतराज जताता है तो यह उचित ही है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मेजबान देश चीन और आतंकी देश पाकिस्तान दोनों को दो टूक सुना दिया कि जब तक संयुक्त बयान में आतंकवाद पर चिंता का जिक्र नहीं होगा, तब तक भारत को यह ड्राफ्ट स्वीकार नहीं होगा। गौर करें तो यह पहली बार नहीं है जब भारत ने एससीओ के मंच से आतंकवाद के मसले पर चीन-पाकिस्तान की कड़ी घेराबंदी की है। वर्ष 2024 में भी पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आयोजित एससीओ सम्मेलन में भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर ने बिना नाम लिए मेजबान देश पाकिस्तान को जमकर लताड़ा था। उन्होंने पाकिस्तान और चीन पर तंज कसते हुए कहा था कि एक अच्छे पड़ोसी के धर्म निभाए जाने की कमी है तो खुद के भीतर झांकने की जरूरत है। तब विदेशमंत्री जयशंकर ने चीन की महत्वाकांक्षी 'वन बेल्ट वन रोड' पहल का समर्थन करने से भी इनकार कर दिया था। उन्होंने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उसकी इजाजत के बिना किसी भी तरह का निर्माण उसकी संप्रभुता का उल्लंघन है और चीन ऐसा ही कर रहा है।

आतंकवाद पर दोहरा आचरण

चीन को समझना होगा कि जब तक वह आतंकवादी देश पाकिस्तान को प्रश्रय देना बंद नहीं करेगा, तब तक वह आतंकवाद के मसले पर फजीहत झेलता रहेगा। रही बात एससीओ के भविष्य की तो यह काफी कुछ इस पर निर्भर रहेगा कि आतंकवाद और क्षेत्रीय संप्रभुता के मसले पर

इस संगठन का रवैया क्या रहता है। वैसे हर बार की तरह इस बार भी सम्मेलन में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा समेत कई मसलों पर चर्चा हुई। लेकिन आतंकवाद पर जिम्मेदार देशों के दोहरे आचरण से उनका असली चेहरा सामने आ गया। इस सम्मेलन के जरिए भारत एक बार फिर जिम्मेदार वैश्विक भूमिका में दिखा जिसकी चतुर्दिक सराहना हो रही है। यह भारत के पक्ष में जाता है और यही कारण है कि उसकी भूमिका बढ़ रही है। अगर एससीओ की भूमिका सकारात्मक रहती है तो भारत की प्रभावी भूमिका से इस क्षेत्र में उभर रही आतंकी गतिविधियों, अंतरराष्ट्रीय खतरों, अवैध ड्रग कारोबार, जैसी चुनौतियों से निपटने और सदस्य देशों को गोलबंद करना आसान होगा। भारत की सदस्यता से पहले संगठन के सदस्य राष्ट्रों का कुल क्षेत्रफल 30 मिलियन 189 हजार वर्ग किमी और जनसंख्या तकरीबन 1.5 बिलियन था। अब भारत के जुड़ जाने से संगठन का क्षेत्रफल व जनसंख्या व्यापक हो गया है। आज की तारीख में यह संगठन विश्व की तकरीबन आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन बन चुका है। चूंकि इस संगठन ने संयुक्त राष्ट्र संघ के अलावा यूरोपिय संघ, आसियान, कॉमनवेल्थ और इस्लामिक सहयोग संगठन से भी संबंध स्थापित किए हैं। इस नाते भारत की भूमिका और अधिक व्यापक हो जाती है। गौर करें तो अभी तक एससीओ पर चीन का वर्चस्व रहा है, लेकिन अब भारत की अर्थव्यवस्था चीन के मुकाबले तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में संगठन में भारत की भूमिका और स्वीकार्यता दोनों बढ़ी है। इस कारण चीन के व्यापक प्रभाव में कमी और दृष्टिकोण में बदलाव आ रहा है। संघाई सहयोग संगठन के इतिहास में जाएं तो अप्रैल, 1996 में शंघाई में हुई एक बैठक में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान आपस में एक-दूसरे के नस्लीय और धार्मिक तनावों से निपटने के लिए सहयोग करने को राजी हुए। तब इस संगठन को शंघाई फाइव कहा गया। जून 2001 में चीन, रूस और चार मध्य एशियाई देशों कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं ने शंघाई संगठन सहयोग शुरू किया और धार्मिक चरमपंथ से निपटने के अलावा व्यापार व निवेश को बढ़ाने के लिए समझौता किया। शंघाई फाइव के साथ उज्बेकिस्तान के आने के बाद इस समूह को शंघाई सहयोग संगठन कहा गया। यह संगठन एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। इसका कार्यालय बीजिंग में है और क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना ताशकंद में है। राज्य प्रमुखों की परिषद इस संगठन का सर्वोच्च निकाय है जिसकी प्रतिवर्ष बैठक होती है। इसके अलावा शासन प्रमुखों की परिषद (एचजीसी) की वार्षिक बैठक होती है। शंघाई सहयोग संगठन में 2008 से डायलॉग पार्टनर यानी वार्ताकार सहयोग की व्यवस्था की गयी है। 2009 के शिखर सम्मेलन में सबसे पहले श्रीलंका और बेलारुस को डायलॉग पार्टनर का दर्जा दिया गया।

बेहतर संबंधों की प्रतिबद्धता

अफगानिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन-अफगानिस्तान कांटेक्ट ग्रुप का हिस्सा है और इस ग्रुप की स्थापना 2005 में की गयी थी। इस संगठन की शिखर बैठकों में संयुक्त राष्ट्र, सीआईएस, यूरेशियन इकोनॉमिक कम्युनिटी एवं सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन यानी सीएसटीओ के प्रतिनिधि भी भाग लेते हैं। 2005 में कजाकिस्तान के आस्ताना में भारत के प्रतिनिधियों ने पहली बार शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लिया और सितंबर 2014 में एससीओ की सदस्यता के लिए आवेदन किया। भारत ने एससीओ की सदस्यता ग्रहण करने के बाद हर सम्मेलन में यूरेशियाई धरती के लोगों के साथ बेहतर संबंध बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहरायी। किंगदाओ सम्मेलन में भी भारत ने आतंकवाद पर सख्त संदेश देकर अपनी भावी-प्रभावी भूमिका स्पष्ट कर दी है।

चीनी कुटिलता का जवाब जरूरी था

एससीओ
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में पारित संयुक्त वक्तव्य में आतंक संबंधी भारत की चिंताओं को स्थान न मिलने और पहलगाम आतंकी घटना का उल्लेख न होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वक्तव्य पर हस्ताक्षर नहीं किये। एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के जो भी अंतिम एवं निर्णायक कार्यबिंदु निर्धारित किये गये थे, उनमें आतंक से पीड़ित भारत की व्यापक चिंताओं, वर्षों पुरानी समस्याओं और इस कारण शासन के सम्मुख उभरने वाली कठिनाइयों व चुनौतियों के बारे में कुछ भी वर्णित नहीं था।

स्वाभाविक था कि पहलगाम नरसंहार के ठीक दो माह बाद ही आयोजित इस सम्मेलन के अंतिम निष्कर्षजन्य प्रारूप में पहलगाम की घटना और इस आलोक में पाकिस्तानी आतंक को इंगित करने की दिशादृष्टि ही अदृश्य थी। राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत ने किंचित उचित निर्णय लिया है जो एससीओ सम्मेलन की बैठक की निर्णायक नीतियों पर सहमति दर्शाने हेतु हस्ताक्षर नहीं किये। वास्तव में एससीओ का गठन 2001 में हुआ था। तब चीन की दक्षिण एशियाई और दक्षिणी यूरोपीय व्यावसायिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए चीन के नेतृत्व में ही संघाई सहयोग संगठन की नींव रखी गई थी। भारत और पाकिस्तान तो इस संगठन के साथ ठीक 16 वर्ष बाद 2017 में जुड़े थे और 2023 में ईरान ने भी इसकी सदस्यता ग्रहण की थी।

भारत की राह अभी सुगम नहीं

ऐसे में स्वाभाविक है कि आतंकवाद के संबंध में परस्पर संघर्षरत भारत व पाकिस्तान की हितों के अनुसार एससीओ की कार्यकारी नीतियां निर्धारित होने की राह अभी सुगम नहीं है। संगठन के साथ जुड़ने के वरिष्ठता क्रम में भारत व पाकिस्तान दोनों ही देश संगठन के शेष देशों से 16 वर्ष पीछे हैं। ऐसे में भारत के अनुरूप आतंकवाद संबंधी भारतीय चिंताओं को इस संस्था के सामूहिक नीतिगत उद्देश्यों में प्राथमिकता मिलना कठिन प्रतीत होता है। पाकिस्तान के लिए यह स्थिति सौभाग्य से अनुकूल है। एससीओ की स्थापना के 16 वर्ष तक जब भारत इसका सदस्य नहीं था, तब प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष किसी भी रूप में आतंकवाद इस संगठन की कार्यनीतियों, रणनीतियों और अन्य नीतियों के विषयों में सम्मिलित था ही नहीं। ऐसे में अब पहलगाम के आक्रोशजन्य वातावरण में एससीओ की, चीन के नेतृत्व में संचालित, चिर-परिचित व्यावसायिक नीतियों का अतिक्रमण कर आतंकवाद जैसा विषय प्राथमिकता के आधार पर भावी कार्यसूचियों में स्थान प्राप्त कर लेगा, ऐसा संभव तो नहीं लगता।

भारत को नहीं दी गई वरीयता

सम्मेलन में यह देखने को भी मिला है कि राजनाथ सिंह के आक्रोश व रुष्टता को चीन के नेतृत्व में किसी भी देश ने विशेष वरीयता नहीं दी और अन्य देशों के रक्षा मंत्रियों ने भारतीय रक्षा मंत्री द्वारा सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य पर सहमतिपूर्ण हस्ताक्षर न किए जाने के संबंध में कोई विशेष चिंता प्रकट नहीं की। उनके व्यवहार से ऐसा प्रतीत हुआ जैसे उन्हें इससे कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि एससीओ की देर से सदस्यता प्राप्त करने वाला भारत आज विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था चीन तथा दक्षिणी यूरोप के प्रमुख देश रूस, इन दोनों के लिए शंघाई सहयोग संगठन में भारत की प्राथमिकताओं की उपेक्षा करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करना किंचित सुगम नहीं होगा।

चूंकि भारत ने आर्थिक आधार पर विश्व के चौथे सबसे बड़े देश होने का गौरव प्राप्त कर लिया है तथा रक्षा-सुरक्षा की दृष्टि से भी पहलगाम के प्रतिशोध में पाकिस्तान के विरुद्ध आरंभ किये ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत भारत ने अपनी नवोन्नत युद्धक तकनीकों, प्रौद्योगिकियों, पराक्रम को भी विश्वस्तरीय होने के रूप में सिद्ध किया है, अतएव एससीओ के किसी भी देश के लिए भारत की प्राथमिकताओं की उपेक्षा कर आगे बढ़ना संभव नहीं होगा। एकल रूप में, चीन और पाकिस्तान को छोड़कर, एससीओ के शेष सदस्य देश भारत की आतंकवाद संबंधी चिंताओं और सामूहिक रूप में इसके उन्मूलन की प्राथमिकताओं पर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहमति प्रदान करते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में जब भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंक के उन्मूलन के लिए ऑपरेशन सिंदूर जैसा युद्धक अभियान चलाकर पाकिस्तान के साथ अमेरिका और चीन की भी सामरिक हेकड़ी को लगाम लगाने में सफलता पाई है, तब एससीओ में चीन को अपनी पुरानी प्राथमिकताओं, हितों और रणनीतियों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। साथ ही पाकिस्तान को छोड़कर एससीओ के शेष सदस्य देशों को भी संगठन की कार्यनीतियों, रणनीतियों और कार्यक्रमों पर भारत की दिशादृष्टि के साथ सर्वथा एक नवदृष्टिकोण तैयार करना होगा, जिसके प्रभाव में भविष्य में एससीओ के सांगठनिक उद्देश्यों को भारत के मार्गदर्शन में एक उदार व समावेशी बोध के साथ प्राप्त किया जा सके। विश्व का कोई भी देश हो जब तक वह अन्य देश की किसी समस्या अथवा समस्याओं से स्वयं पीड़ित नहीं होता, तब तक वह पीड़ित देश की भांति समस्या के निदान हेतु विचारोत्तेजक व कार्यनीतिक दृष्टिबोध से संपन्न नहीं होता। आतंकवाद के संबंध में भारत ऐसा ही पीड़ित देश रहा है और एससीओ के शेष सदस्य देशों की चिंताएं कभी भी सामूहिक रूप में भारत के लिए समाधानमूलक नहीं बन सकी हैं।

शंघाई सहयोग संगठन संगठन का एक सदस्य देश पाकिस्तान, भारत के विरुद्ध आतंक का सिद्धदोषी प्रायोजक रहा है। इसी प्रकार दूसरा सदस्य देश ईरान भी मध्य पूर्व के क्षेत्र में अनेक आतंकी गुटों व समूहों को तैयार करवाकर क्षेत्रीय व राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न कराने का दोषी रहा है। रूस और चीन जैसे सदस्य देशों ने पाकिस्तान और ईरान और इनके आतंकी समूहों को अस्त्र-शस्त्र बेचने की अपनी व्यापारिक नीति को हमेशा से संरक्षित किया है।

भारत का निर्णय स्वागत योग्य

भारत, जो एससीओ के सदस्य देशों में से एकमात्र ऐसा देश है जिसने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान द्वारा फैलाये गये आतंक में सर्वाधिक जनधन की हानि उठाई है। इसीलिए, यदि भारत एससीओ का एक महत्वपूर्ण सदस्य है तो इसकी सामूहिक कार्ययोजनाओं में भारत की चिंताओं और आपत्तियों को वरीयता के क्रम में चिन्हित करते हुए उनके समयानुकूल समाधान की दिशा में सांगठनिक प्रयास होने अत्यंत आवश्यक हैं। इस हेतु रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आक्रोश, आपत्ति और संगठन के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर न करने का निर्णय स्वागत योग्य है। यह भारत की विदेश नीति के सशक्त व सुदृढ़ पक्ष का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। इस पर संकल्प के साथ डटे रहकर ही भारत अपने आर्थिक और सामरिक गौरव की रक्षा कर सकता है।

तरकश

संजय के. दीक्षित

रेखाओं का खेल है मुकद्दर...

जगजीत सिंह का ये मशहूर गजल, छत्तीसगढ़ के राजनीतिज्ञों और नौकरशाहों के लिए मौजू है। अब देखिए न, दिसंबर 2023 में जब सरकार बदली थी तो लोग दावे कर रहे थे, मुख्य सचिव अमिताभ जैन को हटाकर रेवेन्यू बोर्ड का चेयरमैन बनाया जा रहा है। मगर अमिताभ, पूरे अमिताभ निकले। उन्होंने बचा डेढ़ साल कंप्लीट किया। और अब? रेखाओं का खेल देखिए, जिन अफसरों की नए सीएस बनने की अटकलें थी, उन्हें अब रेवेन्यू बोर्ड में दिन गुजारना पड़ेगा। जाहिर है, ब्यूरोक्रेसी में इससे पहले बीकेएस रे, पी राघवन, बीके कपूर, नारायण सिंह और सीके खेतान जैसे आईएएस रेखाओं से मात खा चुके हैं। इसी तरह राजनीति में भी...। रेखाओं के फेर में दिलीप सिंह जूदेव रमन सिंह से पिछड़ गए। वरना, ट्रेप कांड नहीं हुआ होता तो हो सकता था कि जूदेव सीएम बने होते। टीएस सिंहदेव का तो ताजा उदाहरण है। रेखाओं के मारे टीएस बंद कमरे में सिर्फ तीन लोगों के बीच भी ये नहीं कह सके कि मेरी उम्र हो रही है...मुझे पहले मौका दे दिया जाए। जाहिर है, वे इतना भर बोल गए होते तो छत्तीसगढ़ की राजनीति आज अलग दिशा में होती। मगर रेखाएं भूपेश बघेल की हथेली में थीं। इसी तरह सांसद के बाद हवाई जहाज के टेकऑफ की तरह प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचने वाले अरुण साव ने कभी कहां सोचा था कि बगीया गांव से विष्णुदेव साय आ जाएंगे। 15 साल सीएम की कुर्सी पर बैठ चुके डॉ. रमन सिंह भी कम उम्मीद से थोड़े थे। मगर इस बार मुकद्दर ने साथ नहीं दिया। टंकराम वर्मा तथा श्याम बिहारी जायसवाल मंत्री बनेंगे और बृजमोहन अग्रवाल, अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत मंत्रिमंडल से बाहर बैठेंगे, ये भी कहां किसी ने सोचा था? जगजीत सिंह की गजल की पंक्तियां सही इन सभी पर सही बैठती है...रेखाओं का खेल है मुकद्दर....रेखाओं से मात खा रहे हो...।

CS बड़ा या CM सचिवालय?

चीफ सिकरेट्री राज्य का प्रशासनिक मुखिया होता है। कैबिनेट का सिकरेट्री भी। मुख्य सचिव के पावर को इससे समझा जा सकता है कि सीएम तक जाने वाली कोई भी फाइल बिना सीएस के अनुमोदन के नहीं जाती। मगर वक्त के साथ प्रशासनिक स्वरूप बदलता गया। खासकर, पिछले डेढ़-दो दशक में...राज्यों में सीएम सचिवालय ताकतवर होता गया। छत्तीसगढ़ में ही देखें तो सुनिल कुमार, विवेक ढांड, शिवराज सिंह के सिकरेट्री टू सीएम रहने तक सीएम सचिवालय को कोई जानता नहीं था। 2008 के बाद बैजेंद्र कुमार, अमन सिंह और सुबोध सिंह जैसे अधिकारियों से सीएम सचिवालय का ग्लेमर बढ़ा। बावजूद इसके विवेक ढांड तक सीएस का वजूद कुछ हद तक बचा रहा। ढांड अपने पसंद का काम करा लेते थे, तो आईएएस, आईपीएस के ट्रांसफर में उनके चहेते अफसरों का नाम नोटशीट में जुड़ जाता था। मगर मार्च 2018 में उनके रिटायर होने के बाद छत्तीसगढ़ में सीएस नाम की संस्था गौण होती चली गई। सीएम सचिवालयों के भारी पड़ने की वजहें भी हैं। राज्य में सारे अधिकार सीएम में समाहित होते हैं। उस सीएम के साथ उनके सचिव 12 से 15 घंटे साथ रहते हैं। कई बार कोई मीटिंग या सीएम को दौरा पर निकलना हो तो सिकरेट्री सुबह आठ बजे हाउस पहुंच जाते हैं। सरकारी मीटिंगों के बाद सीएम से अहम चर्चाओं में कई बार आधी रात हो जाती है। सीएम से जुड़ी बारीक चीजों पर भी सीएम सचिवालय के अधिकारियों की पैनी नजरें होती हैं। जाहिर है, इतना क्लोजनेस के बाद पावर तो बढ़ेगा ही।

लिफाफे में नाम बंद

छत्तीसगढ़ के नए चीफ सिकरेट्री के नाम को लेकर भले ही संशय की स्थिति दिखलाई पड़ रही है मगर दबी जुबां से यह स्वीकार करने वालों की कमी नहीं है कि नाम का लिफाफा बंद हो चुका है। दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हाल में दिल्ली गए थे। अमित शाह के साथ बीएसएफ की फ्लाइट से वाराणसी गए और उसके बाद वहां से दिल्ली। इस दरम्यान ऐसा कुछ हुआ कि हाईकमान ने सरकार की पसंद पर मुहर लगा दी। अब सवाल है कि सरकार की पसंद कौन? तो इसका जवाब मुख्यमंत्री के स्वभाव और उनके च्वाइस से आप अंदाज लगा सकते हैं कि किस तरह के अफसर उन्हें पसंद होंगे...वही इस सवाल का उत्तर होगा। हां, ये इशारा अवश्य है कि नया सीएस साफ-सुथरी छबि का होगा। इसके बाद भी आप अंदाज नहीं लगा पा रहे तो फिर 30 घंटे का वेट कर लीजिए। इसके भीतर ही नए सीएस का नाम सामने आ जाएगा।

CS का बेटा CS?

छत्तीसगढ़ के चीफ सिकरेट्री के लिए पांच दावेदार हैं, उनमें सुब्रत साहू के पिता पड़ोसी राज्य ओड़िसा के चीफ सिकरेट्री रह चुके हैं। सीनियरिटी में सुब्रत रेणु पिल्ले के बाद दूसरे नंबर पर है। अगर वे सीएस बनेंगे तो देश में पहली बार ऐसा होगा कि सीएस का बेटा सीएस बना। हालांकि, रेणु पिल्ले के पिता भी आंध्रप्रदेश के नामचीन आईएएस अधिकारी रहे हैं। वे एडिशनल चीफ सिकरेट्री से रिटायर हुए। चीफ सिकरेट्री के मजबूत दावेदारों में से एक मनोज पिंगुआ के पिता राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे हैं तो उन्हीं की बैच की ऋचा शर्मा रायपुर में जेलर रहे। अब देखते हैं इनमें से किसको सूबे के प्रशासनिक मुखिया की कुर्सी मिलती है।

सुखी मंत्री

छत्तीसगढ़ में अभी हैं तो 10 मंत्री मगर इनमें से दो-तीन ही सुखी याने अफसरशाही की दृष्टि से कंफर्टेबल होंगे। बाकी मंत्रियों का न तो अपना पारफर्मेंस ठीक है और न ही वे जो करना चाह रहे, सिकरेट्री उन्हें करने दे रहे। कुछ मंत्री अपनी महिला सचिवों से संतुष्ट नहीं हैं...वे अपनी चलाना चाहते हैं मगर सख्त महिला अधिकारी उनकी चलने नहीं दे रहीं। डेपुटेशन से लौटे एक तेज-तर्रार सिकरेट्री ने एक मंत्रीजी के सपनों को तोड़ दिया। मंत्रीजी अब खुद ही रजिस्टर लेकर 10-10, 20-20 हजार का हिसाब देख रहे। कंफर्टेबल मंत्रियों में आप अरुण साव, ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा को मान सकते हैं। अरुण साव के सिकरेट्री कमलप्रीत सिंह की खासियत यह है कि जिसके साथ उन्हें लगा दो, मंत्री को दिक्कत नहीं होती। ओपी चौधरी के सचिवों की तो बात ही अलग है...चेले, दोस्त, यार जो बोल लो। अविनाश चंपावत भी टंकराम वर्मा को कभी दुखी नहीं होने देते।

CM के सिकरेट्री CS

मुख्यमंत्री के सचिव रहने के बाद राज्य का चीफ सिकरेट्री बनने वाले आईएएस अधिकारियों की बात करें, तो चार अफसरों के नाम जेहन में आते हैं। इनमें शिवराज सिंह, सुनिल कुमार और विवेक ढांड का नाम प्रमुख है। रमन सिंह की पहली पारी में दिल्ली डेपुटेशन से लौटने के बाद शिवराज सिंह प्रमुख सचिव टू सीएम बनाए गए, फिर आरपी बगाई के रिटायर होने पर 2007 में चीफ सिकरेट्री बने। इसके बाद 2011 में सुनिल कुमार मुख्य सचिव बनाए गए। इससे पहले 2000 से 2003 तक वे अजीत जोगी के सचिव रह चुके थे। सुनिल कुमार के रिटायर होने के बाद 2014 में विवेक ढांड मुख्य सचिव नियुक्त किए गए। वे भी रमन सिंह की पहली पारी में उनके सिकरेट्री रहे। यद्यपि, शिवराज सिंह के दिल्ली से आने के बाद ढांड के उपर शिवराज प्रमुख सचिव टू सीएम बन गए थे। उधर, आरपी मंडल अजीत जोगी सचिवालय में सिकरेट्री तो नहीं, पर डिप्टी सिकरेट्री जरूर रहे। सीएम सचिवालय से उन्हें बिलासपुर का कलेक्टर बनाकर भेजा गया था। इस समय सीएस बनने वाले पांच दावेदारों में सिर्फ सुब्रत साहू सीएम सचिवालय में काम कर चुके हैं। गौरव द्विवेदी को हटाने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुब्रत को अपने सचिवालय में पहले प्रमुख सचिव बनाया। फिर टाईम से करीब डेढ़ साल पहले प्रमोशन देते हुए उन्हें एसीएस बनाया गया। इतना जानने के बाद अब स्वाभावित उत्सुकता होगी कि शिवराज, सुनिल, विवेक और मंडल की तरह क्या सुब्रत भी मुख्य सचिव की कुर्सी तक पहुंच पाएंगे।

आधे घंटे में पोस्टिंग

चीफ सिकरेट्री से रिटायर होने के बाद अब तक जिन्हें पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग मिली है, उनमें शिवराज सिंह, सुनिल कुमार, विवेक ढांड, अजय सिंह, सुनील कुजूर और आरपी मंडल शामिल हैं। शिवराज सिंह को राज्य निर्वाचन आयुक्त बनाया गया था। हालांकि, वहां उनका मन नहीं लगा तो फिर सरकार ने बिजली कंपनियों का चेयरमैन अपाइंट कर दिया। इसके बाद सुनिल कुमार राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष बनाए गए। मगर उनका आर्डर करीब तीन महीने बाद निकला। विवेक ढांड रेरा सीएस रहते रेरा के चेयरमैन सलेक्ट हो गए थे, इसलिए उन्हें पोस्टिंग का इंतजार नहीं करना पड़ा। अजय सिंह को सीएस से हटाकर भूपेश बघेल सरकार ने प्लानिंग कमीशन भेज दिया था, सो रिटायरमेंट के बाद वे वहीं कंटीन्यू हो गए थे। उनके बाद आए सुनील कुजूर को भी रिटायरमेंट के करीब छह महीने बाद सहकारिता निर्वाचन का कमिश्नर बनाया गया। सुनील कुजूर की ताजपोशी में वक्त इसलिए लगा क्योंकि, सरकार को निर्वाचन से जीएस मिश्रा को हटाने में वक्त लगा। इन सभी में सबसे अधिक किस्मती रहे आरपी मंडल। 30 नवंबर 2020 को रिटायर होने के बाद भूपेश सरकार ने शाम 04.35 बजे अमिताभ जैन का सीएस बनाने का आदेश निकाला और उसके ठीक 10 मिनट बाद 04.45 बजे मंडल को नया रायपुर विकास प्राधिकरण का चेयरमैन नियुक्त करने का आर्डर जारी हो गया। बताते हैं, अमिताभ की नियुक्ति और मंडल को पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग आदेश एक साथ तैयार हुआ था, जारी करने में 10 मिनट का गैप हुआ। इस बार भी तैयारी कुछ ऐसी ही थी। मगर सीआईसी का मामला हाई कोर्ट में फंस गया। जीएडी ने आखिरी मौके पर हाथ-पैर खुब चलाया मगर हाई कोर्ट में केस की लिस्टिंग नहीं हो सकी।

प्रमोशन के बाद झटका

कई महीनों की मशक्कत के बाद सूबे के 46 इंस्पेक्टर प्रमोट होकर डीएसपी बने। इस प्रमोशन के लिए उन्हें बड़े पापड़ बेलने पड़े। दावेदारों से व्यवस्था कर पांच-छह पेटी खर्च किया गया। जाहिर है, दरोगा हो या डीएसपी, आजकल बिना लक्ष्मीनारायण का काम कहां होता है। ऐसे में, पीएससी से लेकर मंत्रालय तक फाइल खिसकाने के लिए स्पेशल एफर्ट करना पड़ा। मगर सरकार ने उनके इस संघर्ष का सम्मान नहीं किया। 46 में से 21 को एक झटके में बस्तर भेज दिया। दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर जाकर बेचारे पछता रहे हैं...इससे बढ़ियां तो बिना प्रमोशन के थे। अफसरी करने का शौक ले डूबा...थानेदारी गई ही, उपर से बस्तर पटक दिया गया।

ऑनलाइन वसूली

एसीबी के एक्शन मोड में आने के बाद भी भ्रष्ट तंत्र पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। पुलिस महकमे के कुछ लोग अब नया इनोवेशन किए हैं...ऑनलाईन करप्शन का। आपको याद होगा, पिछले साल दो-तीन ऐसे मामले आए थे, जिसमें मुंशी और सब इंस्पेक्टर ने एकाउंट में ऑनलाइन रिश्वत ले ली थी। महकमे के लोग अब सिस्टमेटिक ढंग से इस काम को आगे बढ़ा रहे हैं। खासकर, गाड़ियों की चेकिंग में। असल में, कई बार लोगों के पास फाईन पटाने के लिए कैश नहीं होते। उपर से पुलिस वालों की कोशिश होती है कि पेमेंट ऑनलाईन हो जाए। हाल में एक जिले से होकर गुजरना हुआ, वहां क्यूआर कोड के जरिये फाईन लिया जा रहा था। पता करने पर लोगों ने बताया कि डिजिटल युग में डिजिटल रिश्वत का ये नया आईडिया है। इसमें पूरी ईमानदारी बरती जाती है। प्रायवेट व्यक्ति थाने से किसी-न-किसी रुप में जुर्म-जरायम के जरिये जुड़ा होता है। जुर्माने से आए पैसे वो पूरी ईमानदारी के साथ पुलिस को दे देता है। उसमें से 10 परसेंट कमीशन उसे मिल जाता है। इसके अलावा पुलिस वाले से संबंध प्रगाढ़ होने से वह जुर्म की दुनिया का दो-चार काम थाने वालों से करा लेता है, वह अलग है। पुलिस मुख्यालय को इसके लिए कप्तान साहबों के नाम सर्कुलर जारी करना चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. 30 जून को छत्तीसगढ़ रेवेन्यू बोर्ड का चेयरमैन किस आईएएस अधिकारी को बनाया जाएगा?
2. क्या ये सही है कि मंत्रीपरिषद के अचानक विस्तार की सूचना देकर सरकार लोगों को चौंकाने वाली है?

थाने में चाकूबाजी, पार्षद घायल, तीन गिरफ्तार

महासमुंद। जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुए विवाद में वार्डवासियों की मदद करने पहुंचे पार्षद पर बीती रात चाकू से हमला हो गया। खास बात यह है कि मोहल्ले में उपजे विवाद के बाद सभी थाना पहुंचे थे। जहां आरोपियों ने पार्षद को बीच न पड़ने की बात कहते हुए थाने में ही चाकू मार दी। मामले में तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं घायल अवस्था में पार्षद विजय साव को अस्पताल दाखिल कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार मौहारीभाठा स्थित कोमल पटेल के घर में जन्मदिन का जश्न चल रहा था, उसी दौरान सुभाषनगर और नयापारा से आए 10–12 युवकों ने मोहल्ले में गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इन उपद्रवियों ने वार्डवासी हितेश दुबे और गिरधर चंद्राकर के साथ मारपीट की, जिसमें उन्हें चोटें आईं।

तालाब में डूबने से हुई मौत, विवेचना जारी : कांकेर। थाना कांकेर अंतर्गत पण्डरी तालाब में डूबने से 38 वर्षीय मोहन तुमरेटी का मौत हो गई। पुरियारा निवासी सलिक राम तुमरेटी ने पुलिस को बताया कि मृतक 27 जून को पण्डरी तालाब में डूब गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया।

Aqua Machineries Pvt. Ltd.
Plot No. 442/2, Nr. Haridarshan Estate, Nr. Express Highway, Ramol-Vatva, Ahmedabad. www.aquapumps.com
WALK IN INTERVIEW @ RAIPUR - CHHATTISGARH
JR. MANAGER - AREA MANAGER - REGIONAL MANAGER
• Profile : Develop the business of submersible /submerged pump sets in the entire region of Chhattisgarh and North East Regions of Madhya Pradesh.
• Eligibility criteria : Diploma / B.E. / B.Tech in Mechanical / Electrical or Industrial Engineering. 3-10 years of experience in sales and marketing of Centrifugal Pumps / Valves or Heavy Engineering Industries. Willing to Travel across the Chhattisgarh and North Eastern regions of MP
Interview Place : Hotel Babylon Inn, Nr. Govind Singh Square Jail Road, Beside Giriraj Hotel, Raipur, Chhattisgarh-492001
Interview Date : 4th & 5th July, 2025 Time: 09 am to 05 pm
Please share your CV on hr@aquapumps.com or on watts-app 9998991062 to schedule an appointed timing for your interview.

23 लाख के इनामी 13 हार्डकोर नक्सलियों ने किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पश्चिम बस्तर डिविजन के कंपनी नम्बर दो की मेंबर व धमतरी-गरियाबंद-नुआवाड़ा डिविजन के एसीएम, केएएमएस अध्यक्ष, एलओएस सदस्य, एओबी डिवीजन के पीएलजीए सदस्य, मिलिशिया प्लाटून सदस्य समेत 23 लाख रुपए के ईनामी 13 माओवादियों ने डीआईजी सीआरपीएफ बीएस नेगी व एसपी बीजापुर डॉ जितेन्द्र कुमार यादव व अन्य अधिकारियों के समक्ष समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हुए। एसपी ने बताया कि छग शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के व्यापक प्रचार प्रसार से संगठन के विचारों से मोहभंग और मिली निराशा एवं संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद व समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सुरक्षित पारिवारिक जीवन जीने की चाह के चलते 13 नक्सलियों ने समर्पण किया है।

इंद्रजीत प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड
आवश्यकता है
घुगूस, चंद्रपुर में कुशल, समर्पित, अनुभवी और जिम्मेदार ड्राइवर और ऑपरेटर की आवश्यकता है
उम्र: 20 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, **शिक्षा:** दसवीं पास
आप अपना आवेदन नीचे दिये पत्ते पर भेजे - :
पता: इंद्रजीत प्रॉपर्टीज प्रा. लि., PO Box No – 104, चंद्रपुर हेड पोस्ट ऑफिस 442401, जिल्हा-चंद्रपूर (महाराष्ट्र)
ईमेल पता: – JOBS.IPPL@GMAIL.COM
व्हाट्सऐप नंबर: 9226531389
आवश्यक दस्तावेज:
1. संबंधित वाहन के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है।
2. पुलिस सत्यापन प्रमाणपत्र आवश्यक है।
3. अनुभव प्रमाण पत्र।
उत्कृष्ट वेतन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। आज ही इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने करियर को नई दिशा दें।
पद उपलब्ध

1. ट्रान्झिट मिक्सर	14. व्हील लोडर (3 टन आणि 5 टन क्षमता)
2. बूम प्लेसर	15. हायड्रॉलिक क्रेन (75T, 100T, 160T, 180T, 200T, 250T, 300T)
3. बॅचिंग प्लांट (30 Cum आणि 60 Cum)	16. इंडस्ट्रियल व्हॅक्यूम क्लिनर
4. डम्पर / हायवा	17. रोड स्वीपर, फॉगर मशीन
5. Excavator (JCB215)	18. डिझेल ब्राउजर
6- Excavator (Breaker Attachment)	19. ऑटोमोबाईल मेकॅनिक
7. बॅकहो लोडर	20. हायड्रॉलिक मेकॅनिक
8. फॅराना	21. ऑटोमोबाईल इलेक्ट्रिशियन
9. हायड्रा (12 टन)	22. ऑटो इलेक्ट्रिशियन हेल्पर
10. मॅनलिफ्टर (120 Ft आणि 135 Ft)	23.ऑटो इलेक्ट्रिशियन
11. फोर्कलिफ्ट	24. टायर फिटर
12. ट्रेलर	25. वेल्डर
13- मिनी ट्रक (कॅम्पर)	

आवेदन प्रक्रिया: अभ्यर्थी को अपने आवेदन में स्पष्ट रूप से उल्लेख करना होगा कि वह किस पद के लिए आवेदन कर रहा है, अन्यथा आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 29/06/2025 से 10 दिनों के भीतर।

'कांटा लगा' गाने से शेफाली को मिली थी रातों-रात शोहरत

मुंबई। मनोरंजन जगत से एक बुरी खबर सामने आ रही है। 'कांटा लगा' गाने से मशहूर हुईं अभिनेत्री शेफाली जरीवाला नहीं रहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार्डिएक अरेस्ट से उनकी मौत हुई है। 27 जून की रात शेफाली को अचानक सीने में दर्द की शिकायत हुई। उनके पति और अभिनेता पराग त्यागी तुरंत अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शेफाली के निधन से उनके प्रशंसक हैरान-परेशान हैं और सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

स्कूली दिनों में शेफाली को पड़ते थे मिर्गी के दौरे : शेफाली ने पिछले साल एक इंटरव्यू में बताया था कि स्कूल के दिनों में उन्हें मिर्गी के दौरे पड़ते थे। तब वह बहुत असहाय महसूस करती थीं। शेफाली ने बताया था कि 15 की उम्र में उन्हें पहली बार मिर्गी का दौरा पड़ा था। खासकर 'कांटा लगा' के बाद जब वह शूटिंग कर रही थी, उस दौरान वह इस बीमारी से काफी परेशान थीं। उन्होंने बताया था कि उस उम्र में निराशा और लाचारी को व्यक्त करना नामुमकिन था।

गायक हरमीत सिंह थे शेफाली के पहले पति : शेफाली की पहली शादी 'मीत ब्रदर्स' वाले गायक हरमीत सिंह से हुई थी। साल 2002 में आए 'कांटा लगा' म्यूजिक वीडियो से शेफाली ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात मीत ब्रदर्स के संगीत निर्देशक हरमीत से हुई थी और दोनों ने साल 2004 में शादी कर ली थी। हालांकि, कुछ सालों बाद दोनों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई। फिर साल 2009 में अभिनेत्री ने तलाक ले लिया था।

बच्चा गोद लेना चाहती थीं शेफाली

शेफाली ने 7 साल बड़े पराग से शादी की थी। शादी के 11 साल बाद भी वो मां नहीं बन पाई थीं। उन्होंने बताया था कि उनकी और पराग की उम्र में ज्यादा अंतर था। इस वजह से भी वह मां नहीं बन पाईं। उन्होंने बच्चा गोद लेने के बारे में भी सोचा था, लेकिन कानूनी पचड़ों के कारण ये संभव नहीं हो पाया। वह बच्चे करने की सारी कोशिश छोड़ चुकी थीं। शेफाली हमेशा से ही बेटी चाहती थीं।

जवान दिखने का इलाज करवा रही थीं शेफाली : डॉक्टर

उधर शेफाली के डॉक्टर बोले कि अभिनेत्री पिछले 5-6 साल से जवान दिखने के लिए इलाज करवा रही थीं। एंटी एजिंग ट्रीटमेंट में शेफाली 2 अलग-अलग दवाइयां ले रही थीं, जिसमें विटामिन सी और ग्लूटाथियोन शामिल थी। डॉक्टर ने कहा, इन दवाओं का दिल से कोई कनेक्शन नहीं है। ये सिर्फ त्वचा को चमकदार बनाने के लिए ली जाती हैं और इनका असर त्वचा पर ही होता है। शेफाली बहुत फिट थीं। उन्होंने कभी किसी बीमारी का जिक्र नही किया।

एक गाने ने बदल दी थी शेफाली की किस्मत

शेफाली ने भी महज 19 साल की उम्र में मनोरंजन जगत में कदम रखते ही तहलका मचा दिया था। साल 2002 में म्यूजिक वीडियो 'कांटा लगा' से उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा। उनका ये गाना इतना हिट हुआ कि ये उनकी पहचान बन गया। आज भी उन्हें इसी के लिए याद किया जाता है।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. राजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
• सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
• ऑपरेशन द्वारा ईलाज
• नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
• टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001
फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी —सुविधा हमारी—
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल
कोटा स्टडी सर्कल® भिलाई/रायपुर
Limbani Jeel 99.84% IIT-JEE (Adv.)
NEET, IIT-JEE PET/PAT
विशेषताएं
• कोटा ट्रेन्ड टीचर्स
• हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम के पृथक-पृथक बैचेस
• गर्ल्स एवं बॉयस के लिए अलग हॉस्टल
रायपुर कोटा सेंटर भाटिया कॉम्पलेक्स, जी.ई. रोड रायपुर (छ.ग.) 9301547784
भिलाई कोटा सेंटर बिल्डिंग नं. 150 न्यू सिविक सेंटर, भिलाई 9098534927

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यतनुसार (आवास फ्री PF +ESIC) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, छत्तीसगढ. 7747000019, 7746000016, (RO-074)

टीचर

आवश्यकता है- प्रोफेसर कॉलोनी स्थित उज्वल पब्लिक स्कूल में नर्सरी से 10वीं (अंग्रेजी माध्यम) तक SST, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिका की आवश्यकता है संपर्क- मो. 9827187027, 7000376167.(RO-139)

आवश्यकता है- जागृति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भाठागांव रायपुर (छ.ग.) प्राचार्य एक पद, एवं नर्सरी से लेकर 12वीं तक हिंदी मध्यम हेतु संपूर्ण विषयों के लिए शिक्षक / शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार **साक्षात्कार तिथि 29/06/2025 दिन रविवार को समय 12 से 3:00 बजे तक स्थान- जागृति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर संपर्क -** 9098880026, 9669955991 (RO-6816)

ड्रायवर/लेबर

आवश्यकता है- आशिर्वाद किराया भंडार में ड्राइवर + लेबर कार्य हेतु एक लड़के की आवश्यकता है। वेतन 11000/- रुपये कार्य समय सुबह 9:00 से शाम 8:30 बजे तक **पता- सुहागा मंदिर ब्राह्मण पारा रायपुर संपर्क करें-** 9826182338.(RO-6813)

हरिभूमि

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

सुपरवाइजर/ठेकेदार

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु सुपरवाइजर, ठेकेदार, मिस्त्री, रेजा, कुली की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध है कंस्ट्रक्शन रायपुर तेलीबांधा में हैं **संपर्क करें- मो.** 9584400687.(RO-6815)

सेल्समैन

आवश्यकता है- थोक कपड़े व्यवसाय में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन एंव लडको की आवश्यकता है संपर्क समय 3 से 6 **चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29 - 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर** 9425506658, 9425206658, 9977252503.(RO-7258)

लेबर/ठेकेदार

आवश्यकता है- सिलतरा में बाइंडिंग वायर फैक्ट्री के लिए भट्टी चलाने के लिए लेबर (मजदूर), और बाइंडिंग वायर मशीन चलाने के लिए ऑपरेटर की आवश्यकता है, मजदूर (लेबर) **ठेकेदार भी संपर्क करे:-** 9243821851. (RO-141)

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में इंडसट्रियल प्रोडक्ट मार्केटिंग हेतु अनुभवी लड़के कि जरूरत है स्वयं की गाड़ी हो सैलरी योग्यतानुसार Yamico industries Raipur Contact: 9300009333, 9893982121.(RO-0027)

आफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र, छत्तीसगढ़ के बाहर रहकर काम कर सके। योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन- 10000/- (रहना फ्री) ट्रेनिंग बाद कमाए 20,000- 25,000/- **संपर्क:-** 8815522974, 7869296951.(RO-135)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- प्रॉपर्टी ऑफिस में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है उम्रः 18 से 25 वर्ष, लोकेशनः रिसाली धनोरा वेतनः योग्यतानुसार + कमीशन **संपर्क करें :- मो.-** 98279-20202.(आरो न.-778)

कुली/स्वीपर

आवश्यकता है- शादी भवन में काम करने हेतु कुली,स्वीपर (परिवार) की आवश्यकता है आवास सुविधा दी जाएगी इच्छुक **संपर्क करें मोबाइल नंबर** 9754222229, 9826181801.(RO-535)

मैनेजर/मैकेनिक

आवश्यकता है- सिंमगा ब्रांच हेतु मैनेजर/ सुपरवाइजर /कैशियर/ मार्केटिंग/ सेल्समैन / मैकेनिक / ड्राइवर की टू व्हीलर शोरूम में आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्क करें-** 8602251000. (RO-7379)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में काम करने के लिए लडको की जरूरत है **पता किरण सेल्स माता गरेज के पीछे कांच घर के पास** mo 9425219482.(RO-143)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बच्चा सँभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की)चाहिये। रहना एवं ख़ाना दिया जाएगा। **स्थान तेलीबंधा , रायपुर सम्पर्क करे:** 9575042814.(RO-142)

आवश्यकता है- गीतांजलि नगर, रायपुर में घरेलू काम के लिए लड़के की आवश्यकता है। रहने की सुविधा और भोजन मिलेगा। **संपर्क -** 9752540608 .(RO-144)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- ग्राम परसदा-4 (सेजबहार के पास) , रायपुर में इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु 12वीं पास, लगभग 35 वर्षीय, पंप इंचार्ज की । कंप्यूटर चलाना, स्वयं का वाहन एवं मोबाइल आवश्यक। **संपर्क करें प्रातः 10 से शाम 7 तक** 8349933320.(RO-182)

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में किराना सामान की मार्केटिंग, सप्लाई एवं डिलीवरी के लिए स्मार्ट लड़के चाहिए। **समता कॉलोनी आफिस संपर्कः** 9302305800.(RO-A)

आया/चौकीदार/प्लंबर

आवश्यकता है- आया बाई 6, चपरासी , चौकीदार , बढ़ाई प्लंबर, ड्राइवर, लैब टेक्नीशियन इलेक्टिशियान मॉडल इंग्लिश स्कूल सिविल लाइंस , एवं **रॉयल स्कूल,मठपुरैना , रायपुर** 9329621221, 9300253335.(RO-145)

सेल्स एक्जीकेटिव

Requirment- Embassy Corporate Promotion is a leading 21-year-old ad agency seeking a Sales Executive, Candidates should be graduates with excellent communication skills and experience in marketing.Interested candidates can share their resume at hrembassy202@gmail.com Contact : 9981130300, 8269826185.(RO-4356)

ड्रायवर

आवश्यकता है- समीर ट्रेवल्स दुर्ग में कार चलाने हेतु ड्रायवरों की आवश्यकता है आकर्षक वेतन के साथ, सुबह से शाम ड्यूटी **संपर्क करें:- मो.** 72240-62041, 93017-44445. (आरो न.-779)

टीचर

आवश्यकता है- शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। कामर्स एंव साइंस ग्रुप का नया सवेरा उच्च माध्यामिक विद्यालय गोकुल नगर, रामनगर रायपुर (छत्तीसगढ़) **संपर्क करें-** 9993453324. (RO-A)

सप्लायर/सैल्समैन

आवश्यकता है- टू व्हीलर में, किराना दुकानों में मॉल सप्लाई करने हेतु (रायपुर स्थित एजेंसी में) सप्लायर एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। **संपर्क करें मोबाइल नंबर:-** 9993588599. (आरो-145)

होटलकर्मी

तिशीघ्र आवश्यकता है - छत्तीसगढ़ होटल में कार्य करने हेतु इच्छुक व्यक्ति/लड़कों की आवश्यकता है। होटल मिस्त्री-2, हेल्पर सप्लायर-4, रसोईया-5, ड्यूटी टाइम 12घंटे ,रहना /खाना फ्री **संपर्क -डोंगरगढ़ मोड़ छत्तीसगढ़ होटल तुमडीबोर्ड राजनांदगांव मो.-**7805884957 (आरो -780)

अन्य

आवश्यकता है- जॉब उपलब्ध-लड़के-लड़कियों की जो ब्यूटी ट्रीटमेंट अथवा एक्यूप्रेशर थैरेपी सेंटर से 15 से 20,000/- महिना कमाए (ट्रेनिंग फ्री, काम सिखाया जाएगा), फ्रेशर्स भी पार्टटाइम/फुल टाइम, इंटरव्यू मिले 7974071852, 7828604032 **तेलीबांधा**(RO-6814)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 725 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+62500) पढ़ाई (8वी से स्नातक) रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (धीरेंद्र कुमार)- 7392890179.(RO-985)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9798472261.(RO-989)

Medical चिकित्सा

चिकित्सक- निःशुल्क होमियोपैथी परामर्श - 30 वर्षीय अनुभवी (एमडी डाक्टर के द्वारा) प्रत्येक शनिवार-रविवार शाम 6:00 से 8:00 असुविधा से बचने के लिए पूर्व में काल कर लें **मो.** 7240844677, 9407335377 **महीने भर की सेवा हेतु पंजीयन अनिवार्य 504- सेन्ट्रम बिल्डिंग भाठागांव चौक रायपुर** (RO-6812)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर-** 9111760925, 9977676447, **बिलासपुर** - 8359913999, 9589288936, **रायगढ़, अंबिकापुर कोरबा-** 9826020603. (RO-080)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - 2025-2026 पूर्णतः निःशुल्क संस्कृत माध्यम , देववाणी प्राच्य संस्कृत विद्यालय, पहली से बारहवीं तक संस्कृत साहित्य, व्यवसायिक संस्कृत, आधुनिक समस्त विषय, समस्त बच्चों को सभी शासकीय सुविधाएं उपलब्ध **देववाणी प्राच्य संस्कृत विद्यालय रामनगर भिलाई मो.** 74891-79859, 96919-67023. (आरो न.-7184)

Property प्रापर्टी

फ्लैट

बेचना है- शंकर नगर स्थित वैलकम हाईटस आपर्टमेन्ट के चौथे माले मे 2 bhk फ्लैट 22 लाख मे तुरन्त बेचना है **संपर्क-** 6266302027. (RO-09)

प्लाट

बेचना है- रायपुर रोड में बिलासपुर हाईकोर्ट के सामने, एयरपोर्ट रोड, मेन रोड से 50मी. अन्दर 50×200 वर्गफीट, व्यावसायिक, डायवर्सन, बाउन्ड्रीवाल, कार शोरूम, आटोमोबाईल, होटल एवं अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु उपयुक्त प्लाट बेचना है। **सम्पर्क करें-** 9300310774. (RO-1470)

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
तैलिक साहू कन्या M.S. (E.N.T.) जन्म 1995/5'-3" गौर वर्ण, इन्दौर/ इटारसी (म.प्र.) निवासी हेतु डॉक्टर या उच्च/ समकक्ष योग्य वर चाहिये
बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें
-सम्पर्क करें- 9425136008

वधु चाहिए

वधु चाहिए-गुजराती 44वर्ष, 5'-11", स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु वधु चाहिए उच्च जाति बंधन नहीं। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। सम्पर्क करें-98271 14645, 9131139179 (406)

वधू चाहिए
सरयूपारीय ब्राह्मण 31 वर्ष, 5'-11" भारद्वाज गोत्र, मध्य नाड़ी, अधिकारी इफको, बरेली (उ.प्र.) हेतु सुन्दर, सुशील, टेक्नीकली क्वालीफाईड सरयूपारीय/ कन्यकुब्ज ब्राह्मण वधु चाहिए
कृपया फोटो, बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें
सम्पर्क करें- 9479271820 6265112290

For Rent किराया

मकान किराये से देना है- रायपुर रिंग रोड- 01, उद्योग भवन के सामने परशुराम नगर स्थित E36, प्रथम तल 2BHK सर्वसुविधायुक्त मकान किराये से देना है। शाकाहारी एवं सरकारी/ अर्धसरकारी परिवार को प्राथमिकता! 9302999000.(RO-7378)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
● निम्न बीमारियों का स्थाई इलाज इम्युन पावर पर आधारित है जो केवल आयुर्वेद के रसशास्त्र द्वारा ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है अनेको लोग रोग मुक्त हो चुके है।
● ध्यान रहे पुरूष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है। नीम हकिमों से सावधान।
● क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ो में दर्द, सुजन अंगुलीयो का टेढ़ा होना, नाखूनो का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है।
● क्या आपको किसी प्रकार के वायरल संक्रमण रोग है हेपाटाइटिस (A.B.C) या हर्पिस रोग स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना खुजली, लाल होना, रूबेला, या सिफलिस, गोनोरिया (सुजाक) H.I.V. (AIDS) एड्स एच. आई. वी. रोग है।
● क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है।
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. डी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659 9617789223, 9303242200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

जेफ बेजोस ने की पत्रकार लॉरेन से शादी, कई फेमस हस्तियां शामिल

वेनिस। अमेज़न के संस्थापक जेफ बेजोस और पत्रकार लॉरेन सांचेज़ इटली के वेनिस में शादी के बंधन में बंध चुके हैं। इस शादी में करीब 200 मेहमान शामिल हुए थे। शादी के लिए तीन दिनों के प्रोग्राम का आयोजन किया गया था। जेफ़ बेजोस और पत्रकार लॉरेन ने इटली के वेनिस में एक भव्य समारोह के दौरान आधिकारिक रूप से शादी कर ली है। सांचेज़ ने शुक्रवार देर रात इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की पुष्टि की, उन्होंने शादी की एक शानदार फोटो भी शेयर की है। जिसमें लॉरेन ने सफेद लेस गाउन पहना हुआ था, जबकि बेजोस क्लासिक टक्सीडो में नज़र आए।

दुनिया भर के दिग्गज हस्तियां शामिल

यह शादी तीन दिन तक चली, जिसने वेनिस को मशहूर हस्तियों की मौजूदगी और हाई-स्टाइल फैशन के केंद्र में बदल दिया। फैशन मैगजीन वोग ने इस विवाह की पुष्टि करते हुए बताया कि सांचेज़ की शादी की पोशाक डोल्से एंड गब्बाना द्वारा विशेष रूप से डिजाइन की गई थी. गेस्ट लिस्ट में थे, जो निजी विमानों और नौकाओं से समय से पहले आ गए थे।

गेस्ट लिस्ट में कई फेमस हस्तियां शामिल

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, गेस्ट लिस्ट में कई बिजनेसमैन और कई हाई-प्रोफाइल नाम शामिल थे। ओपरा विन्फ्रे, बैरी डीलर, ऑरलैंडो ब्लूम, लियोनार्डो डिकैप्रियो और संगीत कलाकार उशर और ज्वेल सभी उपस्थित थे। इसके अलावा, पूर्व एनएफएल क्वार्टरबैक टॉम ब्रैडी और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स और ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन जैसे तकनीकी दिग्गजों को भी आमंत्रित किया गया था। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इस समारोह में शामिल नहीं हुए, लेकिन उनकी बेटी इवांका ट्रम्प और उनके पति जेरेड कुशनर, जोश कुशनर और उनकी पत्नी, मॉडल कार्ली क्लॉस के साथ समारोह में शामिल हुए।

तीन दिन तक चला समारोह

यह समारोह सैन जियोर्जियो मैगिओर के हरे-भरे द्वीप पर आयोजित किया गया था, जो वेनिस लैगून के पार डोगे पैलेस के सामने स्थित है। इस आकर्षक समारोह के लिए लगभग 200 मेहमान मोटर बोट से आए थे। यह शादी तीन दिन तक चलने वाले भव्य समारोह का हिस्सा थी, जिसने वेनिस को मशहूर हस्तियों के दर्शन और हाई फैशन का केंद्र बना दिया। शुक्रवार की शाम को लैगून में काफी दुनिया भर के दिग्गज हस्तियां शामिल शानदार नजारा देखने को मिला, जिसके बाद मशहूर टेनर एंड्रिया बोसेली के बेटे माटेओ बोसेली ने रोमांटिक परफॉर्मेंस दी।

धरती से 400 किमी. दूर ऊपर की तरफ लोअर अर्थ ऑर्बिट में है आईएसएस

आईएसएस पर 45 मिनट में हो जाता है दिन और रात

आइए जानते हैं फिर नींद कैसे पूरी करते हैं एस्ट्रोनॉट्स?

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इतिहास रचते हुए अंतरिक्ष का सफर करने वाले भारतीय वायुसेना का विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं। वहां पर पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों ने उनकी स्वागत किया। शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं, जो कि आईएसएस में पहुंचे हैं। उन्होंने अंतरिक्ष में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय का खिताब भी हासिल किया है। पहला खिताब राकेश शर्मा के नाम है। अंतरिक्ष की बात करें तो वहां पहुंचने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों का सारा शेड्यूल बदल जाता है और वे वहीं के हिसाब से काम करते हैं। आईएसएस धरती से 400 किमी. दूर ऊपर की तरफ लोअर अर्थ ऑर्बिट में है। यह एक विशाल वैज्ञानिक लैब है, जहां पर अंतरिक्ष यात्री रिसर्च करते हैं। चलिए जानें कि अंतरिक्ष में एस्ट्रोनॉट्स अपना काम और नींद कैसे पूरी करते हैं।

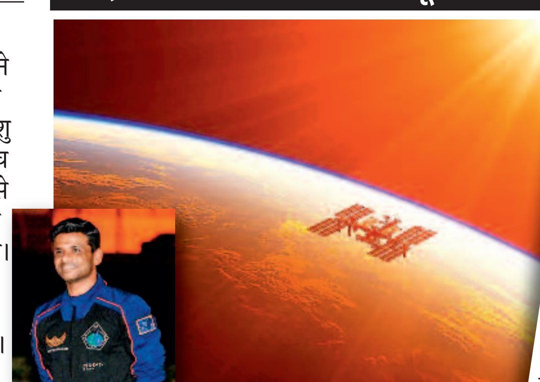

28,000 किमी/घंटा है आईएसएस की रफ्तार

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को अमेरिका, कनाडा, रूस, जापान और यूरोप ने मिलकर बनाया है। इसकी रफ्तार 28,000 किमी./घंटा है। यह हर 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है और यहां पर हर 45 मिनट में अंतरिक्ष यात्रियों को दिन-रात देखने को मिलते हैं। यहां से दिन में 16 बार सूर्योदय और सूर्यास्त दिखाई देता है। यह हिसाब धरती के 24 घंटे से बिल्कुल अलग है। यहां पर समय कार्डिनेटेड यूनिवर्स टाइम (यूटीसी) के अनुसार चलता है। यहां अंतरिक्ष यात्री 24 घंटे के हिसाब से शेड्यूल को फॉलो करते हैं। बाहर भले ही दिन-रात बदलता रहता है, लेकिन स्पेस स्टेशन पर सुबह 6 बजे दिन शुरू हो जाता है और यही शेड्यूस काम और आराम को बैलेंस करता है।

खाने-पीने और मनोरंजन का जुगाड़ : खाने-पीने की बात करें तो एस्ट्रोनॉट्स का खाना फ्रीज-ड्राइड और वैक्यूम पैक्ड होता है। इसमें चावल, फ्रूट्स जैसी चीजें होती हैं। खाने को गर्म करने के लिए वहां पर छोटे ओवन होते हैं और पानी रिसाइकिल होता है। दिन में 16 बार सूर्योदय और सूर्यास्त सुनने में भले ही बहुत अच्छा लगता हो, लेकिन यह बहुत थका देने वाला होता है। इसके लिए एस्ट्रोनॉट्स किताबें पढ़ते, म्यूजिक सुनते और धरती की तस्वीरें लेते हैं।

किस अनुसार फिक्स करते हैं काम और सोने का समय

अंतरिक्ष यात्री दिन में 8-10 घंटे काम करते हैं, इस दौरान एक्सपेरिमेंट्स के अलावा मेंटेनेंस और एक्सरसाइज शामिल हैं। हर दिन का टास्क ग्राउंड कंट्रोल को भेज दिया जाता है। हर दिन दो घंटे की एक्सरसाइज अनिवार्य रूप से की जाती है, ताकि मसल्स कमजोर न पड़ें. बाकी का समय मीटिंग्स और चर्चा में बीत जाता है। एक्ट्रोनॉट्स अपनी नींद 8 घंटे में पूरी करते हैं। इसके लिए वे स्लीपिंग बैग्स का इस्तेमाल करते हैं, जो कि दीवारों पर टंगे होते हैं। वहां पर जीरो ग्रैविटी में बेड नहीं होते हैं। इसके अलावा खिड़कियों पर शेड्स लगा दिए जाते हैं, ताकि जब सूर्योदय हो तो उसकी रोशनी आंखों पर असर न डाले। नींद का समय यूटीसी के अनुसार ही फिक्स होता है।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"

(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

SECL/RGH/L&R/25/75 | **आम सूचना** | Date: 02.06.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एस.ई.सी.एल. रायगढ़ क्षेत्र की बरौद वाशरी/साइलो परियोजना हेतु भूमि का अर्जन सी.बी.ए. (ए एंड डी) अधिनियम 1957 के तहत किया गया है, जिसमें ग्राम – फगुरम, तहसील – घरघोड़ा, जिला – रायगढ़ के निम्नलिखित भू–प्रभावितों द्वारा अपने प्रत्यक्ष आश्रित को नामांकित कर एस.ई.सी.एल. में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु आवेदन पत्र एस.ई.सी.एल. रायगढ़ क्षेत्र में जमा किया है। आवेदन में भूमि के खातेदारों/नामांकित उम्मीद्वार द्वारा संलग्न किये गए भूमि एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजों में नाम में भिन्नता पाई गयी है, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः–

स. क्र.	स्टे. V&IA के अनुसार भू-स्वामी का नाम	भूमि संबंधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामियों का नाम	खसरा क्रमांक	रकबा (हे. में)	नामांकन पत्र के अनुसार आश्रित उम्मीदवार का वास्तविक नाम	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार के व्यक्तिगत दस्तावेजों में नाम	टिप्पणी
1	मिलन सिंह व. चमरु, बिदुर सिंह व. चमरु, भोग सिंह व. चमरु, देव सिंह व. चमरु जय कुंवर व. चमरु, बैगीन व. चमरु, तेलो व. चमरु	**1. नामांकन & वंश वृक्ष में नाम** मिलन सिंह उर्फ मिलन सिंह राठिया व. चमरु उर्फ चमरु सिंह राठिया विदुर सिंह उर्फ बिदुर राठिया व. चमरु उर्फ चमरु सिंह राठिया, भोग सिंह उर्फ भोग सिंह राठिया उर्फ भोक सिंह पिता चमरु उर्फ चमरु सिंह राठिया, देव सिंह उर्फ देव सिंह राठिया पिता चमरु उर्फ चमरु सिंह राठिया, जयकुंवर राठिया (पिता चमरु) पति समयनाथ राठिया उर्फ जय कुंवर पिता चमरु, बैगिन उर्फ बैगिन बाई राठिया (पिता चमरु) पति अमर सिंह राठिया, तेलो उर्फ बुधयारो राठिया (पिता चमरु) पति मंगल साय राठिया, विजय उर्फ विजय कुमार व. मंगल सिंह, श्यामवती (पिता मंगल सिंह) पति सरोज राठिया, भगवती बेवा मंगल सिंह **2. राजस्व दस्तावेजों में नाम** मिलन सिंह व. चमरु, बिदुर सिंह पिता चमरु, भोग सिंह व. चमरु, देव सिंह व. चमरु, जय कुंवर व. चमरु, बैगीन पिता चमरु, तेलो पिता चमरु **3. राजस्व आदेशो में नाम** मिलन व. चमरु उर्फ मिलन सिंह व. चमरु, बिदुर उर्फ बिदुर सिंह पिता चमरु, भोग सिंह उर्फ भोग सिंह राठिया उर्फ भोक सिंह उर्फ भोक सिंह राठिया पिता चमरु उर्फ चमरु राठिया, देव सिंह व. चमरु, जय कुंवर व. चमरु, बैगीन व. चमरु, तेलो उर्फ बुधयारो राठिया उर्फ बुधयारो पिता चमरु पति मंगल उर्फ मंगल साय राठिया विजय कुमार, श्यामवती, भगवती, **4. आधार कार्ड में नाम** मिलन सिंह राठिया आ. चमरु सिंह राठिया, बिदुर राठिया आ. चमरु राठिया, भोग सिंह आ. चमरु, देव सिंह राठिया आ. चमरु राठिया, जाय कुंवर राठिया पति समय नाथ राठिया, बेगिन बाई राठिया पति अमर सिंह राठिया, बुधयारो राठिया पति मंगल साय राठिया, विजय कुमार राठिया आ. मंगल सिंह राठिया, श्यामवती आ. मंगल सिंह (पति सरोज राठिया, भगवती पति मंगल सिंह **5. वोटर आईडी में नाम** मिलन पिता चमरु, विदुर आ. चमरु भोग सिंह राठिया पिता चमरु राठिया, देव सिंह राठिया पिता चमरु राठिया, जाय कुंवर राठिया पति समय नाथ राठिया, बेगिन बाई राठिया पति अमर सिंह राठिया, बुधयारो पति मंगल, विजय कुमार राठिया पिता मंगल राठिया, श्यामवती राठिया पति सरोज कुमार राठिया, भगवती पति मंगल **6. राशन कार्ड में नाम** मिलन सिंह राठिया व. चमरु, बिदुर, भोग सिंग, देव सिंग उर्फ देव सिंग राठिया, बैगिन, बुधवारो, विजय, श्यामवती, भगवती पति मंगल सिंग, **7. चेक/बैंक पासबुक में नाम** मिलन, बिदुर राठिया, भोग, देवसिंह, जय कुंवर, बगिन, बुधवारो,	768 -------- कुल–01	0.421 -------- 0.421 हे. (1.04 एकड़)	नन्द कुमार राठिया व. भोग सिंह राठिया	**1. नामांकन एवं वंश वृक्ष में नाम** नन्द कुमार राठिया व. भोग सिंह राठिया **2. शैक्षणिक दस्तावेजों में नाम** नंद कुमार राठिया पिता भोक सिंह राठिया **3. आधार कार्ड में नाम** नन्द कुमार राठिया आ. भोग सिंह राठिया **4. राशन कार्ड में नाम** नंदकुमार राठिया **5. वोटर आईडी में नाम** नन्द कुमार राठिया पिता भोग सिंह राठिया **6. जाति एवं निवास प्रमाण पत्र में नाम** नंद कुमार व. भोक सिंह	भिन्न–भिन्न दस्तावेजों में एक ही व्यक्ति का भिन्न भिन्न नाम होने के संबंध में दावा आपत्ति बाबत।

उपरोक्त तालिका में दर्शित व्यक्तियों के नाम एवं नामांकित व्यक्ति के रोजगार के संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम, हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजों प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत कार्यालय महाप्रबंधक एस.ई.सी.एल. रायगढ़ क्षेत्र के समक्ष उक्त सूचना के प्रकाशन की तिथि से सात दिनों के अंदर प्रस्तुत कर सकता है, समयावधि के उपरांत प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

प्रभारी अधिकारी (भू-राज.), एस.ई.सी.एल. रायगढ़ क्षेत्र

THE INDIAN NAVY 10+2 (B.TECH) CADET ENTRY SCHEME

PERMANENT COMMISSION COURSE COMMENCING - JAN 2026

Applications are invited from unmarried men and women candidates (fulfilling the conditions of nationality as laid down by the Govt. of India) for becoming Permanent Commissioned Officers in Executive and Technical branches under 10+2 B Tech Cadet Entry Scheme after undergoing four year B Tech course at the prestigious Indian Naval Academy, Ezhimala.

DATE OF OPENING - 30 JUN 2025 • LAST DATE FOR ONLINE APPLICATION - 14 JUL 2025

Vacancies & Age - The age eligibility & vacancies for the course are as under:-

Branch	Vacancies	Gender	Age
Executive & Technical	44	{Men and Women (maximum of 06 vacancies for women)}	{Born Between 02 Jul 2006 and 01 Jan 2009 (both dates inclusive)}

*Branch allocation viz Executive & Technical (Engineering & Electrical) will be undertaken at INA

Education Qualification - Passed Senior Secondary Examination (10+2 Pattern) or its equivalent examination from any recognised Board with at least 70% aggregate marks in Physics, Chemistry and Mathematics (PCM) and at least 50% marks in English (either in Class X or Class XII).

For eligibility criteria and details visit www.joinindiannavy.gov.in and EMPLOYMENT NEWS DATED 21 JUN 2025

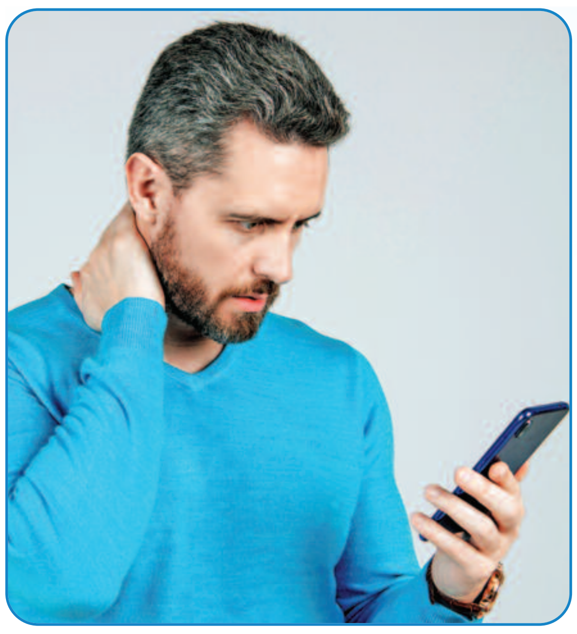

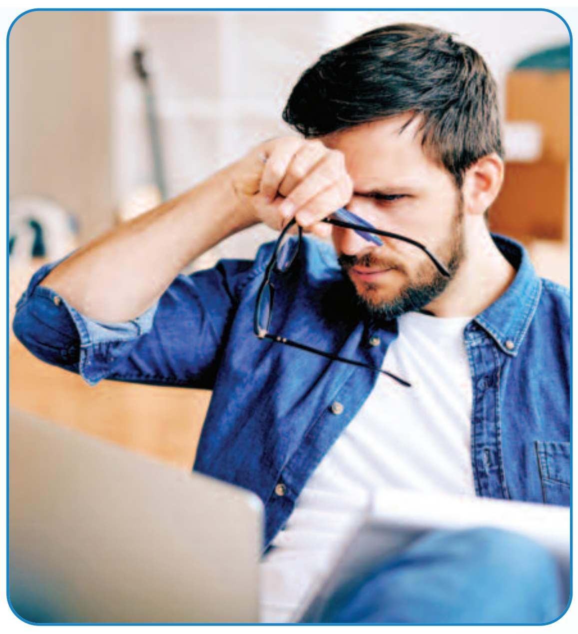

स्पेशल: वर्ल्ड सोशल मीडिया डे
30 जून

तन-मन को कर रहा बीमार
सोशल मीडिया एडिक्शन

इन दिनों हर उम्र के लोग सोशल मीडिया के एडिक्शन में उलझे हुए हैं। इस एडिक्शन से घंटों गैजेट्स से चिपके रहने और गलत अंदाज में उसे ऑपरेट करने से कई तरह की फिजिकल प्रॉब्लम्स लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। यही नहीं इसकी लत लोगों को मानसिक रूप से भी बीमार बना रही है। वो कौन सी बीमारियां हैं और इनसे बचने के लिए क्या उपाय अपना सकते हैं, इस बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

आमतौर पर सोशल मीडिया एडिक्शन के नेगेटिव इफेक्ट्स को मानसिक सेहत से ही जोड़कर देखा जाता है। परिचित-अपरिचित लोगों की सुंदर तस्वीरों और अच्छी-बुरी सूचनाओं का मेल मन को नकारात्मक रूप से प्रभावित भी करता है। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया में हर तरह के कंटेंट को देखते रहना फिजिकल हेल्थ पर भी बुरा असर डालता है। शरीर के बहुत अंग स्क्रीन स्क्रॉलिंग को दिए जाने वाले समय के नेगेटिव असर को झेलते हैं।

स्किन-विजन पर दुष्प्रभाव

सोशल मीडिया अपडेट्स को देखने के लिए हरदम स्क्रीन में झांकते रहना, आंखों की रोशनी छीन रहा है। बच्चे-बड़े सभी की आईसाइट कमजोर हो रही है। आंखों में सूखापन, थकान और दूसरी समस्याएं बढ़ रही हैं। रात को सोते समय कम रोशनी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को स्क्रॉल करना तो आंखों पर सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव डाल रहा है। वर्चुअल वर्ल्ड में पल-पल दिखती दूसरों की अपडेट्स इतनी इंटरेस्टिंग लगती हैं कि बिना ब्रेक स्मार्ट फोन की स्क्रीन में देखते रहने की लत लग जाती है। रिसर्च फर्म 'रेडसियर' के अनुसार हमारे यहां हर यूजर हर दिन औसतन 7.3 घंटे अपने स्मार्टफोन की स्क्रीन पर बिता रहा है। इसमें से ज्यादातर टाइम सोशल मीडिया पर बीत रहा है। इस डिजिटल व्यस्तता से सिरदर्द के साथ ही आंखों में तनाव एवं थकान भी बढ़ती है। मौजूदा समय में अधिकतर यूजर्स की आंखें यह डिजिटल स्ट्रेस झेल रही हैं। अंधेरे में भी स्क्रीन स्क्रॉल करने की आदत ना केवल तेजी से नजर कमजोर करती है बल्कि आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स का भी कारण बनती है। इतना ही नहीं कई लोगों को स्मार्ट फोन से निकलने वाली ब्लू लाइट से चेहरे पर डार्क स्पॉट और पिगमेंटेशन की समस्या हो सकती है। असल में ब्लू लाइट त्वचा के रोम-रोम में समाते हुए स्किन में खुजली, रूखापन और टैनिंग की समस्या की भी वजह बनती है।

बिगड़ता बॉडी पोश्चर

पार्क में वॉक करते हुए, बिस्तर पर आराम करते हुए, गाड़ी चलाते हुए या जिम में एक्सरसाइज करते हुए। लोग हर समय स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन खंगालते रहते हैं। इसका कारण सोशल मीडिया में मौजूदगी दर्ज करवाना ही है। असल दुनिया में अनुपस्थित होने से एक ओर उस समय की जा रही एक्टिविटी पर फोकस नहीं करते तो दूसरी ओर शरीर के विशेष अंगों पर अधिक दबाव भी पड़ता है। फोन की स्क्रीन में नीचे की तरफ देखते रहने से टेक नेक की समस्या बढ़ रही है। यह हेल्थ प्रॉब्लम गर्दन में दर्द, अकड़न और सिरदर्द से जुड़ी है। साथ ही स्क्रीन स्क्रॉलिंग बैक पेन और कंधों के दर्द से जुड़ी परेशानियों की भी वजह साबित हो रही है। आड़े-टेढ़े बॉडी पोश्चर में लोग घंटों सोशल मीडिया देखते रहते हैं। लगातार गलत शारीरिक स्थिति में बैठने से कई हड्डियों से जुड़ी समस्याएं पैदा हो रही हैं। सोशल मीडिया अपडेट्स देखते हुए लोग कुछ न कुछ लिखते भी हैं। गलत पोश्चर में टाइपिंग करने से 'टेक्स्ट नेक' की परेशानी बढ़ रही है। ध्यान रहे कि इंसानी शरीर पर अपने सिर का वजन 4.5 किलो से 5.4 किलो तक होता है। लेकिन फोन देखने के लिए गर्दन झुकाने पर ग्रैविटी के कारण सिर पर पड़ने वाला भार करीब 27 किलो तक हो जाता है। फोन को हरदम हाथ में थामे रहने से कलाई और स्क्रॉलिंग से अंगूठे में दर्द और नर्व्स में सुन्नपन की तकलीफ भी होने लगती है।

शारीरिक निष्क्रियता

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया पर बीत रहे समय ने हर एजग्रुप के लोगों की फिजिकल एक्टिविटी कम कर दी है। इससे कम उम्र में ज्वॉइंट पेन और शरीर की जकड़न जैसी परेशानियां आ रही हैं। असल में हड्डियों के ज्वॉइंट्स में सूजन बढ़ना जकड़न और दर्द का अहम कारण होता है। फिजिकली एक्टिव ना रहना इस परेशानी को बढ़ाता है। बफेलो यूनिवर्सिटी की स्टडी के अनुसार सोशल मीडिया का हद से ज्यादा इस्तेमाल से सी-रिएक्टिव प्रोटीन का स्तर बढ़ सकता है। यह स्थिति ज्वॉइंट्स में सूजन बढ़ने से जुड़ी है। सी-रिएक्टिव प्रोटीन का स्तर बढ़ना शारीरिक अंगों में दर्द ही नहीं हृदय रोग और मधुमेह जैसी गंभीर हेल्थ इश्यूज की जड़ भी बन सकता है। देखने में आ रहा है कि पल-पल सामने आती रील्स, मीम्स देखते हुए गुजर रहा समय बेवजह की व्यस्तता का कारण बन गया है। इसके कारण लोगों में मोटापा भी बढ़ रहा है। शारीरिक छवि के मोर्चे पर सोशल मीडिया में दिखती तस्वीरों और वीडियोज के कारण बच्चों से लेकर बड़ों तक, अपने ही शरीर की बनावट के प्रति नापसंदगी की सोच भी आ रही है। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बीत रहे समय को सीमित करना आवश्यक है। साथ ही समय-समय पर ब्रेक लेना और स्मार्ट गैजेट्स इस्तेमाल करते हुए बॉडी पोश्चर को सही रखना भी अहम है। *

बिगड़ रही मानसिक सेहत

सोशल मीडिया एडिक्शन का हमारी मेंटल हेल्थ पर भी बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे स्ट्रेस, डिप्रेशन, एंग्जाइटी और चिड़चिड़ेपन की समस्याएं लोगों में काफी बढ़ने लगी हैं। लोग घर में रहते हुए भी एक दूसरे से कम बात करते हैं। सोशल इंटरेक्शन कम होता जा रहा है। अपनी रियल लाइफ के बजाय वर्चुअल लाइफ को इंप्रेसिव बनाने के ज्यादा प्रयास किए जाते हैं। इससे स्ट्रेस का स्तर बढ़ता है। ऐसे में सोशल मीडिया का कंट्रोल्ड यूज करना मेंटल हेल्थ के लिए भी बहुत जरूरी है।

टेक्नोबिहेवियर
नौशाबा परवीन

सोशल मीडिया यूजर्स
एटिकेट्स का रखें ध्यान

लगभग दो दशक की अपनी विकास यात्रा में सोशल मीडिया ने समाज के बहुत बड़े वर्ग को प्रभावित किया है। लेकिन इसके पॉजिटिव यूज के साथ जमकर मिसयूज भी किया जाता है। इसके एटिकेट्स के बारे में न केवल आपको पता होना चाहिए, उसे फॉलो भी करना चाहिए।

इस बात में कोई संदेह नहीं कि सोशल मीडिया ने लोगों के परिवार, दोस्तों और दुनिया के साथ बातचीत, संवाद और साझा करने के तरीकों को नए सिरे से परिभाषित किया है। हमारे जीवन में सोशल मीडिया के महत्व का अंदाजा दो मुख्य बातों से लगाया जा सकता है। एक, संकोची स्वभाव के जो लोग महफिलों में कुछ कह नहीं पाते थे, वह भी सोशल मीडिया पर खुलकर अपने विचार रखते हैं बल्कि अपनी हर बात कह लेते हैं, क्योंकि यह माध्यम 'पर्दे के पीछे' से भी अपने विचार (अच्छे या बुरे) व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। दूसरा यह कि सोशल मीडिया के जरिए राजनीतिक दलों से लेकर आम आदमी तक लोगों को इंफ्लुएंस (प्रभावित) करने का प्रयास करते हैं। इस वजह से इंफ्लुएंसर्स की एक नई जमात खड़ी हो गई है, विशेषकर इसलिए कि सोशल मीडिया, कंटेंट क्रिएटर्स को अच्छा पैसा कमाने का मौका भी देता है। इन महत्व के चलते मां दिवस, पिता दिवस आदि की तरह हर साल 30 जून को सोशल मीडिया दिवस भी मनाया जाने लगा है, जिसकी शुरुआत 2010 में मेंशेबल ने की थी।

ऐसे होता गया पॉपुलर: सोशल मीडिया के पॉपुलर होने का सिलसिला 2002 में फ्रेंडस्टर और 2003 में माईस्पेस के लांच होने से शुरू हुआ और इसके बाद 2004 में सोशल मीडिया के सबसे पॉपुलर प्लेटफॉर्म फेसबुक की स्थापना हुई। ट्विटर (जो अब एक्स हो गया है) ने हमें संक्षिप्त होने के लिए प्रोत्साहित किया कि 140 से कम अक्षरों में ही अपने विचार व्यक्त करने हैं। जिसे बाद में बढ़ाकर 280 कर दिया गया। इंस्टाग्राम और फ्लिकर ने ऐसी इमेजरी के जरिए खुद को व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया, जिसे हम संभाल सकते हैं। अगर वीडियो की बात करें तो टिक-टॉक और यू-ट्यूब मौजूद हैं। अभिव्यक्ति के लिए जब इतने मंच हों तो सोशल मीडिया दिवस मनाना आसान हो जाता है कि अपने पसंदीदा प्लेटफॉर्म पर कुछ पोस्ट किया जाए, मीम शेयर किए जाएं या किसी ऐसे व्यक्ति से जुड़ें जिससे लंबे समय से बात नहीं हुई है। अब तो अलग-अलग शहरों में सोशल मीडिया मीटिंग्स के जरिए भी इसकी पॉपुलैरिटी का जश्न मनाया जाता है।

होता है भरपूर मिसयूज: कोई चीज कितनी ही अच्छी क्यों न हो, उसका एक बुरा पहलू भी होता है। सोशल मीडिया भी इसका अपवाद नहीं है। अपने फॉलोवर्स बढ़ाने के उद्देश्य से अनेक कंटेंट क्रिएटर्स फेक न्यूज, क्लिक बेट (यानी वीडियो पर ऐसा थंब नेल लगाना, जिसका कंटेंट में जिक्र ही न हो) आदि का प्रयोग करते है। गलत धार्मिक या जातिगत आधारित कंटेंट से लोगों की भावनाओं को भी ठेस पहुंचाया जाता है। सोशल मीडिया पर झूठ बहुत बड़ा कारोबार है। इसे रोकने के लिए नियम और कानून अवश्य हैं, लेकिन इनका उल्लंघन भी काफी किया जाता है। साथ ही सरकारें और सामाजिक-राजनीतिक संगठन भी कंटेंट को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं। अनेक कंटेंट क्रिएटर्स को जेल की हवा तक खानी पड़ी है। दुखद है कि महिलाओं को भी सोशल मीडिया के जरिए तरह-तरह से परेशान किया जाता है। कभी धमकी देकर, कभी ब्लैक मेलिंग, कभी धोखेबाजी में फंसाकर तो कभी उनके द्वारा पोस्ट किसी कंटेंट के लिए ट्रोलिंग के जरिए उन्हें प्रताड़ित करने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है। चिंताजनक यह है कि कई बार तो कुछ लोग इतने असहनशील हो जाते हैं कि किसी कंटेंट के लिए हत्या करने जैसा जघन्य अपराध भी करने से नहीं कतराते। इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने और तकनीक के इतने विकसित दौर में समाज की ऐसी संकीर्ण सोच, विचारणीय है। सोशल मीडिया दिवस का जश्न मनाना तब ही अच्छा और सार्थक लगेगा, जब हम प्रण लें कि महिलाओं की ऑनलाइन ट्रोलिंग नहीं करेंगे और उनके विरुद्ध किसी भी तरह की हिंसा और अपराध का विरोध करेंगे।

ना भूलें ये एटिकेट्स: सोशल मीडिया का पॉजिटिव यूज करने के लिए उसे ऑपरेट करते समय इसके कुछ एटिकेट्स को याद रखा जाना चाहिए। जैसे- ऑनलाइन बातचीत करते समय अपनी रियल आइडेंटिटी में रहें। किसी से फ्रेंडशिप करने के लिए पहले उसके विचारों को कंटेंट को समझें, लाइक करें, कमेंट करें फिर दोस्ती की तरफ आगे बढ़ें। ऑनलाइन चैटिंग करते समय विनम्र और पेशेवर लहजे का प्रयोग करें। ऑनलाइन कंटेंट साझा करते समय मूल स्रोत की विश्वसनीयता को परख लें। *

कविता
हरीश कुमार 'अमित'

सब्र

मुश्किल यही है कि
होता जा रहा है सब्र
कम, और कम।
किसी बड़ी बात के लिए
सब्र खो देने की बात
तो आती है समझ,
मगर कई बार तो
खो बैठता है सब्र कोई आदमी
बिल्कुल छोटी-सी बात पर ही।
रखा जाए सब्र अगर
तो बचा जा सकता है
बहुत-सी उलझनों से।
रखा जाए सब्र अगर
तो सुलझ जाती हैं
कुछ उलझनें
अपने आप ही
वक्त बीतने के साथ-साथ।
वाकई बहुत काम की
चीज है सब्र।

व्यंग्य / संदीप भटनागर

मुर्गे और खंजर

मुर्गों की किस्मत में मुर्गियां कम, खंजर ज्यादा होते हैं। ये खंजर कभी उनकी गर्दन पर होते हैं तो कभी पांव में बंधे। यह समझना आसान है कि दुनिया में पहले मुर्गा आया होगा फिर खंजर।

छुट्टी का दिन होने के नाते सामने वाले मैदान में चहल-पहल कुछ ज्यादा थी। बड़े से मैदान का एक कोना मुर्गेबाजों के लिए रिजर्व रहता है। सामान्य तौर पर यह जगह मुर्गा बाजार के रूप में जानी जाती है, जहां आम दिनों में मुर्गों की खरीद-फरोख्त होती है और छुट्टी के दिन खरीदे गए मुर्गों की जोर-आजमाइश।

लड़ने वाले मुर्गों की कीमत से कई गुना ज्यादा पैसे दांव पर लग जाते हैं।

मेरे लिए यह जानना रोचक था कि जिंदा रहते हुए लड़ते मुर्गे देश की जी.डी.पी. में कितना योगदान करते हैं? मुर्गा बाजार में खंजर बेचने वाला भी बैठता है। आम दिनों में उसके पास सामान्य खंजर होते हैं लेकिन मुर्गेबाजी वाले दिन उसके पास मुर्गों के पांव में बांधने वाले विशेष खंजर होते हैं। मुर्गों के मालिक से लेकर दांव लगाने वाले तक अपनी पसंद के मुर्गों के लिए एक से एक कातिल खंजर खरीदते हैं ताकि वो प्रतिद्वंद्वी मुर्गे को ज्यादा से ज्यादा चोटिल कर मुकाबला जीत सके।

जी-जान से लड़ने वाले मुर्गे यह नहीं जानते कि जिबह तो हारने वाले और जीतने वाले दोनों मुर्गों को होना ही है। किसी को आज तो किसी को कल। इस मुकाबले में लड़ाने वालों की अपनी साख और प्रतिष्ठा दांव पर लगी होती है और तमाशबीनों का पैसा, जबकि लड़ने वाले मुर्गों की अपनी जान दांव पर लगी होती है। पूरे तमाशे में खंजर बेचने वाले के खंजरों की मारक क्षमता भी दांव पर लगती है। जितना मारक खंजर उतनी ज्यादा डिमांड।

बावजूद इसके इस पूरे खेल में हमेशा खंजर बेचने वाला ही फायदे में रहता है। वह खंजर हारने वाले को भी बेचता है, जीतने वाले को भी बेचता है और दांव लगाने वालों को भी। मुर्गेबाजी का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता से भी पुराना है। इंसान ने अपने मनोरंजन के लिए मुर्गों को लड़ना सिखाया था। मानव सभ्यता के विकास के साथ मुर्गेबाजी के इस तरीके को क्रूर मानते हुए इसे असभ्य करार दे दिया गया। विकसित होती दुनिया में इसे अब नए ढंग से खेला जाने लगा। नवीन खेल में मुर्गों को मुर्गे होने का अहसास नहीं होने दिया जाता। लगातार उन्हें ऐसा महसूस कराया जाता है कि तुम्हारे अस्तित्व के लिए तुम्हें लड़ना जरूरी है। नवीन खेल में कमजोर मुर्गों पर भी दांव लगाया जाने लगा, जिन्हें विकसित भाषा में इन्वेस्टमेंट कहा जाने लगा। उनके माध्यम से आधुनिक खंजरों का परीक्षण कर दुनिया में दूसरे मुर्गों को बेचा जाने लगा। कुछ मुर्गों को अत्याधुनिक खंजरों से लैस कर इतना शक्तिशाली बना दिया गया कि वो अब अपने मालिक के इशारे पर लड़ने के बहाने तलाश कर किसी भी मुर्गे से लड़ने को तैयार रहते हैं।

खंजर के सौदागरों ने पूरी दुनिया को मुर्गेबाजी का अखाड़ा बना दिया। खेल में रोज हलाक होने वाले जानवर नहीं इंसान हैं इसलिए इस नए खेल पर दुनिया का कोई भी पशु क्रूरता अधिनियम लागू नहीं होता।

इस नए खेल में आज भी पुराने खेल के कुछ नियम लागू हैं। यह खेल अभी भी मालिकों की प्रतिष्ठा और ईगो के लिए खेला जा रहा है। इस खेल में आज भी खंजर के सौदागर नफे में हैं। वे कमजोर और शक्तिशाली दोनों मुर्गों को अपने खंजर बेच कर मुनाफा पीट रहे हैं। आज भी जिंदा लड़ते मुर्गे खंजर बनाने वाले मालिकों के देश की जी.डी.पी. को बढ़ा रहे हैं और जो मुर्गे लड़ नहीं रहे हैं, वो अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। *

लघुकथा
अशोक वाधवाणी

दिव्यांग का सम्मान

आलोक किसी काम के सिलसिले में एक जान-पहचान वाले दंपती के घर पहुंचे। औपचारिक अभिवादन और चाय-पानी के बाद उनसे बातचीत में व्यस्त हो गए। इतने में छठी कक्षा में पढ़ने वाला उनका बेटा बाहर से घर के अंदर आया। वह सीधे ड्रॉइंग रूम में पहुंचा जहां आलोक उसके मम्मी-पापा के साथ बैठे थे। आते ही उसने अपनी मां के हाथ में दो सौ रुपए का नोट पकड़ाते हुए बोला, 'मम्मी, वो जो पड़ोस में अंधी खुशबू दीदी रहती हैं न, उन्होंने ये पैसे दिए हैं।'

किसी दिव्यांग के बारे में इस तरह के बोल सुनकर आलोक को बहुत बुरा लगा। उसने बच्चे को प्यार से समझाया, 'देखो बेटा, किसी की शारीरिक कमजोरी का ऐसे मजाक नहीं उड़ाते हैं। विकलांग लोगों को आजकल दिव्यांग कहकर पुकारा जाता है, यह एक पॉजिटिव सोच की निशानी है। संबोधन बदलने के बाद भी लोगों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ है, जो गलत बात है। उसके माता-पिता ने बड़े चाव से अपनी बेटी का सुंदर सा नाम रखा होगा खुशबू! बेटा, तुम्हें हर किसी दिव्यांग का नाम पूरे मान-सम्मान के साथ लेना चाहिए। सिर्फ खुशबू दीदी भी तो कह सकते थे।'

'हमारे घर में सभी उन्हें अंधी खुशबू ही तो कहते हैं।' बच्चे ने बड़े भोलेपन से बताया।

आलोक ने दंपती की ओर देखा, वे दोनों उससे नजरें नहीं मिला पा रहे थे। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

बहुरंगी गजलों का कोलाज

वेद मित्र शुक्ल दिल्ली विवि में अंग्रेजी पढ़ाते हैं लेकिन वे अंग्रेजी के साथ ही हिंदी साहित्य में रचनात्मक रूप से काफी सक्रिय हैं। इसका प्रमाण हैं, कई विधाओं में प्रकाशित उनकी मौलिक और संपादित ढेरों पुस्तकें। कुछ समय पहले उनका दूसरा गजल संग्रह 'दरिया की बातें पत्थर से' प्रकाशित हुआ है। इसमें उनकी गजलगोई के कई आयाम देखे जा सकते हैं। समय, समाज और जीवन के बेशुमार स्याह-श्वेत पहलू इन गजलों में उजागर हुए हैं। कहीं वे बढ़ते शहरीकरण के चलते बिखरते रिश्तों की टीस बयां करते हैं, *'गांवों से आ बसे शहर में खोए हैं सब रिश्ते नाते/गीतों में ही देवर-भाभी, जीजा-साली होली खेलें।'* तो कहीं समाज में छीजती जा रही मनुष्यता को लेकर वह अपनी चिंता ऐसे प्रकट करते हैं, *'तिल रखने की जगह नहीं पर/ अच्छे लोग बहुत ही कम हैं।'* इसी तरह वे राजनीतिज्ञों के चारित्रिक अवमूल्यन को बेबाकी से बयां करते हैं, *'गांधी का इक दौर रहा था/घिन आती है अब खद्दर से।'* यानी जीवन के लगभग हर पक्ष पर वे गहरी नजर रखते हैं और अपने जज्बातों को बयां करने के लिए सटीक तासीर के शब्दों को गजल में पिरो देते हैं।

कह सकते हैं यह किताब वेद मित्र शुक्ल की बहुरंगी गजलों के कोलाज जैसी है। *

पुस्तक: दरिया की बातें पत्थर से (गजल संग्रह)
लेखक: डॉ. वेद मित्र शुक्ल, **मूल्य:** 290 रुपए,
प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

जैकेट के शेष

नई भर्ती, लेवी .....

साल में केंद्र सरकार से मिल रही मदद और राज्य सरकार की उस पर अमल करते हुए लगातार आक्रमक होना नक्सल संगठन के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक रहा है।

तेंदूपत्ता और जंगल ....

पर नजर रखती थी। सूचना तंत्र और खूफिया तंत्र उनके विस्तार का प्रमुख अंग था। इसी के दम पर बरसों तक उनका दबदबा रहा। तेंदूपत्ता से उनको सबसे ज्यादा कमाई होती थी, उसके अलावा जंगल में काम करने वाले हरेक व्यक्ति चाहे वह ठेकेदार हो या नाकेदार, उनसे वसूली होती थी।

नक्सलियों पर चौतरफा ....

होने से युवा दुनिया के बारे में जान रहे हैं और वे अब अपनी जिंदगी जीना चाहते हैं। उसका असर भी नक्सलियों पर पड़ा हे।

भर्ती के पहले ....

भाषा से अंजान थे, इसलिए आंध्र सीमा के लोगों से उनकी भाषा में पारंगत होने का लाभ लिया। वहीं यहां के ग्रामीण गरीबी और बदहाली में थे, उन्हें भी अचानक नए लोगों पर भरोसा कैसे करें, यह भी एक सवाल लोगों में उठता था।

एक महीने में ....

निर्माण के लिए 2017-18 में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई थी। उस दौरान एनएचएआई ने सर्वे किया था। हरिभूमि के पास भू अर्जन अधिकारी की जांच रिपोर्ट भी है जिसे संभागायुक्त न्यायालय जिसे आर्बिटेटर भी कहा जाता है के समक्ष पेश किया गया है। इसमें 24 किसानों की जमीन सही पाई गई है।

जहां खेत वहां मकानऔर दुकान बता दिया : बड़ी बात यह रही कि अधिक मुआवजे की लालच में ग्रामीण और किसान भी इस गिरोह के झांसे में आ गए। जमीनों के दस्तावेज कोटवार और सचिव को सौंप दिए गए। इन लोगों ने 24 किसानों की जो 24 ऋण पुस्तिकाएं थी उनके लगभग 150 से अधिक फर्जी ऋण पुस्तिकाएं बनाई। यही नहीं बाकायदा सभी में जमीनों के खसरा नंबर, उनका रकबा, उनका बटांकन नंबर भी दर्ज कर दिया। यहां तक की सील और साइन भी फर्जी लगाए गए। इसी आधार पर पटवारी आफिस से प्रतिवेदन एसडीएम ऑफिस भेजा गया जिसके आधार पर मुआवजे की रकम साढे तीन करोड़ से बढ़कर 15 करोड़ तक पहुंच गई। यही नहीं जहां खेत थे और किसान खेती करते थे वहां दुकान और मकान बनना बता दिया गया जिससे मुआवजा राशि अधिक बन सके। बकायदा इसे ऋण पुस्तिकाओं में दर्ज भी किया गया।

एकड़ की जमीन डिसमिल और वर्गफिट में : भारत माला प्रोजेक्ट के तहत इस सड़क को बनाने का काम शुरू हुआ तो एनएचएआई के अधिकारियों ने सर्वे किया उस दौरान कुल 24 किसानों की जमीन इस सड़क के दायरे में मिली। इन्ही किसानों की जमीन का अधिग्रहण होना था। इसी प्रारंभिक जानकारी के आधार पर जिला प्रशासन ने एसडीएम बिलासपुर को नोडल अधिकारी बनाया और मुआवजे की राशि और अवार्ड पारित करने के लिए पूरी रिपोर्ट तैयार करने कहा गया। शासन द्वारा जमीन अधिग्रहण की जानकारी मिलने के साथ ही जमीन दलाल और कुछ शासकीय कर्मचारी सक्रिय हो गए। जिन किसानों की जमीन सड़क के लिए अधिग्रहित की जानी थी उनसे संपर्क किया गया। एक जमीन जिसका मुआवजा एकड़ में दिया जाना था उसे 4 से 5 भाग में बांटा गया और डिसमिल के साथ ही वर्गफिट में मुआवजे की रिपोर्ट तैयार की गई। इसी कारण कुल 24 किसान जो की वास्तव में मुआवजे के हकदार थे उनकी जगह किसानों की संख्या बढ़कर 76 हो गई।

एक ही दिन सभी बटांकन....

फायदा कोटवार कमल कश्यप और तत्कालीन देवरीखुर्द सचिव और ढेका निवासी भानू विश्वकर्मा ने उठाया। पटवारी की आईडी और पासवर्ड लेकर इन दोनों ने ही पूरा काम किया। इन दोनों को तहसीलदार का पूरा संरक्षण प्राप्त था। कई जमीनों का बटांकन इन लोगों ने बिना पटवारी को बताए और जानकारी दिए ही कर दिया। पटवारी सुरेश मिश्रा ने अपने सुसाइड नोट में भी इन दोनों का नाम लिया है और गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार बताया है।

रायपुर-धमतरी भारत माला ....

उल्लेखनीय है कि दावा-आपत्तियां एवं शिकायतों के निराकरण करने के लिए संभाग आयुक्त ने ब्लॉक स्तर पर चार समिति गठित की है। इस समिति को एक महीने के अंदर जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, लेकिन समिति गठित किए 12 दिन बीत चुके हैं, पर अभी तक चारों समिति प्राप्त आवेदनों पर जांच शुरू नहीं कर पाई हैं। इन समितियों के अध्यक्षों का कहना है कि ज्यादातर आवेदनों में अधिग्रहित जमीन के बदले कम राशि मिली या नहीं मिली की हैं। इसके लिए सबसे पहले दस्तावेजों का परीक्षण किया जाएगा। इन दस्तावेजों को मंगाने के लिए संबंधित तहसील कार्यालयों को पत्र लिखा गया है। दस्तावेज मिलने पर इनका परीक्षण किया जाएगा, जिसके बाद आवेदकों के बयान लेकर शिकायत से संबंधित बिंदुओं पर जांच की जाएगी। भारत माला प्रोजेक्ट घोटाले का पर्दाफाश होने के बाद शासन के निर्देश पर संभाग आयुक्त महादेव कावरे ने रायपुर और धमतरी जिले में इस प्रोजेक्ट से प्रभावित किसानों से दावा-आपत्ति और शिकायतें मंगाई थीं। इसके बाद दोनों जिलों से करीब 40 ग्रामों से लोगों की आपत्ति एवं शिकायतें की गई हैं। इन आपत्ति एवं शिकायतों के निराकरण करने के लिए आयुक्त ने चार समिति गठित की हैं। ये समितियां 16 जून को गठित की गईं। प्रत्येक समिति में सक्षम अधिकारी को अध्यक्ष बनाया गया है।

अधिग्रहण जमीन, कितना मुआवजा बना, कितना मिला इसकी भी होगी जांच : चारों जांच टीम शिकायतों के आधार पर जांच करेगी। इसके तहत अगर किसी किसान को अधिग्रहित जमीन के बदले कम मुआवजा मिला है, तो उस किसान की कितनी जमीन अधिग्रहित की गई, उसके एवज में उसे कितना मुआवजा राशि मिलना था, और कितना मिला, इसकी भी बारिकी से जांच की जाएगी। जांच के दौरान जरूरत पड़ने पर टीम किसानों द्वारा खुलवाए गए उन बैंक खातों की भी जांच करेगी, जिसमें मुआवजा की राशि आई थी।

जांच के लिए समितियां गांव भी पहुंचेंगी : जांच समितियों को आवेदनों के अनुसार ग्राम बांटे गए हैं। इसके तहत संभाग उपायुक्त ज्योति सिंह की टीम पचेड़ा, भेलवाडीह, कुरूं, झांकी, बिरोड़ा, टेकारी, उगेतरा एवं उसके आसपास के प्रभावित गांव की जांच करेगी। इसी प्रकार अपर कलेक्टर उमाशंकर बंदे की टीम नायकबांधा, पारागांव, उरला, मोतियाडीह, सरसदा, आरंग, अभनपुर, सारंगी, बासवाही एवं उसके आसपास के प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों की जांच करेगी। अपर कलेक्टर निधि साहू की टीम चरौदा, निसदा, गोइंदा, अकोलीकला, भिलाई एवं आसपास के गांव तथा अपर कलेक्टर धमतरी इंदरा देवहारी की टीम सिवनीकला, कुरूद, उमरदा, सिर्री, सरगी, चिवरी, भरदा एवं आसपास के प्रभावित क्षेत्र के गांव की जांच करेगी।

किसानों के साथ पटवारियों के भी लिए जाएंगे बयान : जांच टीमें आवेदन करने वाले प्रभावित किसानों के साथ-साथ गांव के पटवारियों के भी बयान लेंगी। इस घोटाला में तहसीलदार, नायब तहसीलदार के अलावा पटवारियों की बड़ी भूमिका रही हैं। इसे देखते हुए संभाग आयुक्त ने समितियों को सभी प्रभावित गांव के पटवारियों के बयान भी लेने के निर्देश दिए हैं।

सड़क की लड़ाई ....

के बाद दावा-आपत्ति की प्रक्रिया शुरू की गई। विगत बीस जून तक लिए गए दावा आपत्ति में जिले से ढाई सौ से अधिक जमीन मालिकों ने भूमि अधिग्रहण को लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। बहरहाल निराकरण की प्रक्रिया चल रही है। उल्लेखनीय है कि भारतमाला परियोजना में रायपुर की तरह दुर्ग में भी बडे पैमाने पर गडबडी की गई है। जिसे लेकर विगत दिनों धनोरा के किसानो ने हाईवे में आंदोलन भी किया था, सभी को केन्द्रिय जेल भेज दिया गया था। प्रदेश में रायपुर संभाग में दावा आपत्ति की प्रक्रिया शुरू की गई। जिसके बाद दुर्ग संभाग में भी पीडितों से दावा आपत्ति ली गई। जिला प्रशासन द्वारा दावा आपत्ति की प्रक्रिया विगत छः जून से शुरू की गई थी। इस दौरान आखिरी मियाद बीस जून निर्धारित थी, जिसमें ढाई सौ से अधिक ने दावा आपत्ति लगे है। हांलाकि इससे पहले भी प्रभावितो ने मुआवजे को लेकर सवाल उठाया था। उस दौरान भी करीब डेढ सौ प्रभावित जमीन मालिको ने संभागायुक्त कोर्ट (आर्बिटेशन) में केश लगाया था। उसकी भी सुनवाई की जा रही थी। बहरहाल दावा आपत्ति किए जाने के बाद प्रभावित किसान निराकरण को लेकर इंतजार कर रहे है। इस मामले को लेकर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भी कलेक्टर अभीजित सिंह से मुलाकात कर पारदर्शिता से भू अर्जन किए जाने की मांग की थी।

निराकरण करेंगे : भारतमाला परियोजना को लेकर ढाई सौ करीब आपत्तियां आई हैं। सभी का निराकरण किया जाएगा। इसमें कम मुआवजा मिलने जैसे शिकायतें अधिक हैं। -सत्यानारायण राठौर, संभागायुक्त दुर्ग

शुभांशु बोले-भारत ....

मोदी ने कहा कि आपकी ऐतिहासिक यात्रा सिर्फ अंतरिक्ष तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह विकसित भारत की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को नयी गति प्रदान करेगी।

सिंधु जल संधि, भारत ने खारिज किया मध्यस्थता न्यायालय का फैसला

नई दिल्ली । सिंधु जल संधि पर गठित अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय के फैसले से पाकिस्तान गदगद है। इस्लामाबाद ने जम्मू कश्मीर में दो जल विद्युत परियोजनाओं पर हेग स्थित कोर्ट ऑफ ऑर्बिट्रेशन (मध्यस्थता न्यायालय) के फैसले का स्वागत किया है। इसके साथ ही सिंधु जल संधि से जुड़े मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत की इच्छा भी जताई। पाकिस्तान ने शनिवार सुबह जारी एक बयान में कहा कि 'इस समय उच्च प्राथमिकता यह है कि भारत और पाकिस्तान सार्थक बातचीत के लिए रास्ता खोजें, जिसमें सिंधु जल संधि के आवेदन पर चर्चा भी शामिल है।'

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई- निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: 86-यांत्रिक-वैगन-रिपेयर-परसा, दिनांक: 19.06.2025, कार्य का नाम: खुली निविदा के आधार चार साल की अवधि के लिए परसा साइडिंग में अनलोडेबल वैगंस का मरम्मत एवम् दरवाजा बंद करने का कार्य, **निविदा मूल्य:** ₹03,97,80,109/- (रूपये तीन करोड़ सत्तानवे लाख अस्सी हजार एक सौ नौ मात्र) समस्त खर्चों एवं जीएसटी सहित, **अमानत राशि:** ₹03,48,900/- (रुपये तीन लाख अड़तालीस हज़ार नौ सौ मात्र), **निविदा:** दिनांक 14.07.2025 को दोपहर 12:00 बजे खोले जाएंगे । उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई-निविदा के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

CPR/10/PR/127 वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (फ्रेट)

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा-क्रमांक:सी.ए.ओ./सी/बी.एस.पी./25-26/05, दिनांक: 20.06.2025 (ओपेन ई-टेंडर) (टू पैकेट सिस्टम)

कार्य: " दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर डिवीजन के अंतर्गत, विद्युत लोको शेड/बिलासपुर का विस्तार, बिलासपुर के विद्युत इंजनों के निरीक्षण और रखरखाव के लिए उन्नत निरीक्षण केंद्र का निर्माण और विद्युत लोको शेड/बिलासपुर में स्टोर डिपो के बुनियादी ढांचे में सुधार ", **निविदा मूल्य :** रु. 379191928.17, **अमानत राशि:** रु. 2046000.00, **निविदा दस्तावेज़ की लागत :** शून्य, **कार्य पूरा होने की अवधि:** 12 (बारह) महीना, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से, **(1) निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक** 15.07.2025 को 15:00 बजे तक, **(2) निविदा खोलने का समय एवं दिनांक:** 15.07.2025 को 15:30 बजे। विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज़ का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) / दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, अथवा, बिलासपुर-पिन:495004 अथवा उप-मुख्य अभियंता / निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, रायपुर -पिन :492009 अथवा मुख्य परियोजेना प्रबन्धक / पश्चिम/निर्माण /नागपुर /दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, नागपुर पिन: 440001 के कार्यालय में सम्पर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउन लोड कर देख सकते हैं। उप-मुख्य अभियंता / निर्माण,

CPR/10/PR/132 दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम भिलाई -चरौदा, जिला – दुर्ग (छ.ग.)

क्रमांक /602/ सम्पदा / 2025 / **नीलामी सूचना** भिलाई- चरौदा, दिनांक 27/06/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 18 वसुन्धरा नगर, उत्तर, भिलाई - 03 राष्ट्रीय राजमार्ग समीप निर्मित शॉपिंग काम्पलेक्स दुकानों का आम नीलामी के माध्यम से अधिकतम प्रब्याजी राशि पर दिनांक 15, 16, 17 एवं 18 जुलाई 2025 को समय 12.00 बजे नीलामी निगम सभागार कक्ष में 15 वर्षीय लीज पर सार्वजनिक घोष विक्रय द्वारा किया जावेगा, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	दुकान क्र.	आकार	ऑफसेट प्राईज	धरोहर राशि	वार्षिक किराया	आरक्षण
भूतल की दुकानें दिनांक 15.07.2025 मंगलवार						
1	24	22.32 व.मी.	8,36,365.00	83,640.00	16,727.00	अनु. जाति
2	38	21.35 व.मी.	8,00030.00	80,000.00	16,000.00	मुक्त
3	41	23.64 व.मी.	8,64,245.00	86,425.00	17,285.00	भूतपूर्व सैनिक
4	44	21.07 व.मी.	7,89,526.00	78,950.00	15,791.00	मुक्त
5	46	21.07 व.मी.	7,89,526.00	78,950.00	15,791.00	मुक्त
6	49	21.96 व.मी.	8,23,000.00	82,300.00	16,460.00	अनु. जाति (महिला)
7	60	21.96 व.मी.	8,23,000.00	82,300.00	16,460.00	अनु. जनजाति
8	61	21.35 व.मी.	8,00030.00	80,000.00	16,000.00	मुक्त
9	62	21.35 व.मी.	8,00030.00	80,000.00	16,000.00	अनु. जाति
प्रथम तल की दुकानें दिनांक 16.07.2025 बुधवार						
10	16	21.70 व.मी.	5,84,382.00	58,440.00	11,688.00	अनु. जाति
11	17	21.70 व.मी	5,84,382.00	58,440.00	11,688.00	मुक्त
12	19	21.70 व.मी	5,84,382.00	58,440.00	11,688.00	मुक्त
13	20	21.70 व.मी	5,84,382.00	58,440.00	11,688.00	अनुसूचित जाति
14	21	22.44 व.मी.	6,04,310.00	60,431.00	12,086.00	मुक्त
15	22	22.44 व.मी.	6,04,310.00	60,431.00	12,086.00	अन्य पिछड़ा वर्ग
16	23	21.70 व.मी.	5,84,382.00	58,440.00	11,688.00	मुक्त
17	24	22.32 व.मी.	6,01,078.72	60,110.00	12,022.00	अनुसूचित जनजाति
18	25	21.96 व.मी.	5,91,384.00	59,140.00	11,838.00	मुक्त
19	26	21.35 व.मी	5,74,957.00	57,500.00	11,500.00	अनुसूचित जाति
प्रथम तल की दुकानें दिनांक 17.07.2025 गुरूवार						
20	27	21.35 व.मी	5,74,957.00	57,500.00	11,500.00	मुक्त
21	28	21.35 व.मी.	5,74,957.00	57,500.00	11,500.00	बेरोजगार
22	29	21.35 व.मी	5,74,957.00	57,500.00	11,500.00	तृतीय लिंग (ट्रांसजेंडर)
23	30	21.35 व.मी	5,74,957.00	57,500.00	11,500.00	मुक्त (महिला)
24	31	21.35 व.मी	5,74,957.00	57,500.00	11,500.00	मुक्त
25	32	21.96 व.मी.	5,91,384.00	59,140.00	11,838.00	अन्य पिछड़ा वर्ग
26	33	21.96 व.मी.	5,91,384.00	59,140.00	11,838.00	मुक्त
27	34	21.35 व.मी	5,74,957.00	57,500.00	11,500.00	बेरोजगार महिला
28	35	21.35 व.मी	5,74,957.00	57,500.00	11,500.00	मुक्त
29	36	21.35 व.मी	5,74,957.00	57,500.00	11,500.00	अनुसूचित जाति
द्वितीय तल की हॉल दिनांक 18.07.2025 शुक्रवार						
30	1	205.86 व.मी.	41,66,617.00	4,16,662.00	83,332.00	
31	02	446.242 व.मी.	90,31,960.00	9,03,196.00	1,80,639.00	
32	03	605.532 व.मी.	1,22,55,997.00	12,25,600.00	2,45,120.00	
33	04	406.6 व.मी.	82,29,604,00	8,22,960.00	1,64,592.00	
34	05	539.1 व.मी	1,09,11,410.00	10,91,141.00	2,18,228.00	
35	06	355.71 व.मी.	71,99,588.00	7,19,960.00	1,43,992.00	
36	07	196.79 व.मी.	39,83,039.00	3,98,304.00	79,661.00	
37	08	153.388 व.मी.	31,04,581.00	3,10,458.00	62,092.00	

सामान्य शर्ते :- 1. नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति को धरोहर राशि डी. डी. / बैंकर चेक नीलामी प्रारंभ होने के 01 घंटा पूर्व आयुक्त, नगर पालिक निगम, भिलाई -चरौदा के नाम पर जमा करना होगा। नगद राशि स्वीकार नहीं किया जावेगा। उच्चतम एवं द्वितीय क्रम बोलीदाता का धरोहर राशि रोककर शेष बोलीकर्ता का धरोहर राशि नीलामी समाप्ति पश्चात वापस कर दी जावेगी। 2. नीलामी संबंधी नियम व शर्ते का विस्तृत जानकारी निगम के राजस्व विभाग से अवलोकन किया जा सकता है।, अथवा 500 /- रूपये जमा कर नियम शर्तों की प्रति प्राप्त कर सकते है, या निगम, भिलाई - चरौदा की वेबसाईट http://nagarnigambhilaicharoda.com/ पर देखा जा सकता है, इस संबंध में नीलामी शर्ते कंडिका क्रमांक 01 से कंडिका क्रमांक 36 लागू होगी। 3. बोलीदाता को सरकारी बोली से अधिक राशि पर बोली लगाना होगा। 4. बोलीदाता को आरक्षित वर्ग के दुकानों पर बोली लगाने के पूर्व वर्ग विशेष का सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र जमा करना होगा। 5. किसी भी बोली स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार आयुक्त, नगर पालिक निगम, भिलाई -चरौदा के पास सुरक्षित होगा। 6. उक्त तिथि में दुकान नीलामी न होने पर शेष बचे दुकानों की आम नीलामी दिनांक 21.07.2025 को नीलामी की कार्यवाही संपन्न की जावेगी।

आयुक्त
नगर पालिक निगम भिलाई -चरौदा

पेज एक के शेष

गुजरात में पौने...

पैनल लग सके हैं। केंद्र सरकार ने देश भर में एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने की योजना बनाई है। अब तक जहां 55 लाख 66 हजार 551 आवेदन आए हैं। वहीं 11 लाख 71 हजार 598 घरों में सोलर पैनल लगे हैं। इससे 4429 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। इसके लिए केंद्र सरकार ने 8177 करोड़ की सब्सिडी दी है। केंद्र सरकार के साथ कई राज्य भी अपने राज्य में सब्सिडी दे रहे हैं। जैसे छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार सब्सिडी दे रही है।

मप्र छठे नंबर पर : छठे स्थान पर मप्र है यहां पर 83611 आवेदन आए हैं और 44729 घरों में सोलर पैनल लग गए हैं। सातवें नंबर पर उत्तराखंड है। यहां पर 66952 आवेदन आए हैं और 34262 घरों में सोलर पैनल लग गए हैं।

आठवें नंबर पर आंध्र प्रदेश है। यहां पर 1361332 हैं, लेकिन इनमें से 32717 घरों में ही सोलर पैनल लग सके हैं। नौवे नंबर पर तमिलनाडु है। 92545 आवेदन आए हैं और इनमें से 32538 घरों में सोलर पैनल लग गए हैं। दसवें नंबर पर हरियाणा है यहां पर 182517 आवेदन आए हैं और इनमें से 25185 घरों में सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में महज साढ़े...

से पीछे कई राज्य हैं। अरुणाचल प्रदेश में तो एक भी सोलर पैनल नहीं लगा है। सिक्किम में महज आठ, नागालैंड में 18,मेघालय में 20, पश्चिम बंगाल में महज 705 सोलर पैनल लगे हैं। इसी तरह से कई राज्यों में हजार घरों में भी सोलर पैनल नहीं लग सके हैं।

ये हैं टॉप पांच...

राज्य में 11 लाख 66 हजार 734 आवेदन आए हैं, यहां पर अब तक 1 लाख 50 हजार 858 घरों में सोलर पैनल लगे हैं। चौथे नंबर पर केरला है, यहां पर 1 लाख 70 हजार 462 आवेदन आए हैं और इनमें से 1 लाख 11 हजार 396 घरों में सोलर पैनल लग गए हैं। पांचवें नंबर पर राजस्थान है। यहां पर 2 लाख 74 हजार 033 आवेदन आए हैं और इनमें से 53502 घरों में सोलर पैनल लग गए हैं।

रायपुर में 350 से...

अकेले रायपुर में स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में 350 से ज्यादा अस्पताल पंजीकृत हैं, जो 10 से लेकर 600 बेड तक की क्षमता के साथ मरीजों को इलाज की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। प्रदेश में मौजूद कई बड़े चिकित्सक सेवाओं के विस्तार के लिए सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के लिए पृथक हास्पिटल की योजना तैयार कर रहे हैं। यहीं नहीं... देश के कई बड़े शहरों में चिकित्सकीय सेवा के लिए अपनी अलग पहचान बनाने वाले बड़े कार्पोरेट हास्पिटलों की नजर रायपुर पर है। आने वाले दिनों में यहां दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, विशाखापट्टनम में चिकित्सकीय सेवा में अपने झंडे गाड़ चुके हास्पिटलों की ब्रांच रायपुर में भी खोलने की तैयारी है।

दूसरे राज्य जाने का...

के हास्पिटल भेजने का रास्ता भी यहीं से खुलता है, इसलिए बड़े हास्पिटलों के लिये रायपुर आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

रोजगार के रास्ते भी...

ट्रीटमेंट की क्वालिटी में सुधार से होगा। इसके अलावा उपचार के क्षेत्र में बड़े हास्पिटलों की मोनोपली पर भी विराम लगेगा।

उपभोक्ताओं को लग...

की जेब पर बोझ बढ़ेगा, हालांकि विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल अधिकृत आदेश जारी नहीं हुआ है। विद्युत नियामक द्वारा आयोजित जनसुनवाई के बाद ही नई दरें लागू की जा सकती है। दरअसल सीएसपीडीसीएल ने विद्युत नियामक आयोग को 4 हजार 550 करोड़ रुपए के घाटे की जानकारी दी है। सीएसपीडीसीएल ने इस घाटे को कवर करने के लिए 20 पैसे प्रति यूनिट तक बिजली दर बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा है। सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं के लिए विद्युत विभाग कई स्लैब में बिजली बिल की गणना करता है। पहला स्लैब शून्य से 100 यूनिट से शुरू होता है और अंतिम स्लैब 601 यूनिट से अधिक का स्लैब है। हर स्लैब के लिए प्रति यूनिट की दर अलग-अलग है। स्लैब की गणना अलग-अलग की जाती है और फिर बिजली बिल तैयार किया जाता है। वर्तमान प्रस्ताव सभी स्लैब में दरों में बिल की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। बिल में बढ़ोतरी का प्रस्ताव विद्युत वितरण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष टैरिफ में संशोधन का विधेयक पास किया जाता है और इसे विद्युत नियामक आयोग को भेजा जाता है। नियामक आयोग द्वारा ही अंतिम औपचारिकता पूरी की जाती है, जनसुनवाई का भी आयोजन होता है, इसके बाद ही नई दरों को लागू किया जाता है। पिछले वर्ष जून 2024 में भी दरों में बढ़ोतरी की गई थी। अब इस वर्ष फिर से बिल में बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। हालांकि ऐसा बेहद कम अवसर होता है, जब वितरण विभाग लगातार दूसरे वर्ष बिजली बिल में की दरों में बढ़ोतरी करे।

कल कैबिनेट, अमिताभ...

लेकिन तमाम मुद्दों के बीच सबसे भावनात्मक और महत्वपूर्ण बिंदु अमिताभ जैन की विदाई को माना जा रहा है। पूर्ववर्ती रमन सरकार ने 2014 में तत्कालीन मुख्य सचिव सुनील कुमार को कैबिनेट की बैठक में सम्मानपूर्वक विदाई दी थी। उसी परंपरा को साय सरकार दोहराने जा रही है। माना जा रहा है कि बैठक के बाद अमिताभ जैन अपने कक्ष से निजी सामान समेटकर मंत्रालय से विदाई लेंगे। राज्य के नए मुख्य सचिव के नाम को लेकर अभी तक कोई अधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन वरिष्ठता और प्रशासनिक अनुभव के आधार पर कई नामों की चर्चा है। इनमें आईएएस रेणु पिल्ले, सुब्रत साहू, ऋचा शर्मा, मनोज पिंगुआ जैसे अफसरों के नाम सामने आ रहे हैं, लेकिन अभी तक सरकार ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। वहीं कुछ अफसर जैसे अमित अग्रवाल, निधि छिब्बर और विकासशील वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं, इसलिए उनकी संभावना कम मानी जा रही है।

काउंटडाउन शुरू, जल्द होगा नाम का ऐलान : अब जबकि अमिताभ जैन की विदाई तय है, तो यह लगभग तय माना जा रहा है कि सरकार ने नए मुख्य सचिव के नाम पर अंतिम निर्णय कर लिया है। हालांकि, नाम को लेकर सस्पेंस बनाए रखना यह दर्शाता है कि सरकार अंतिम समय तक किसी अप्रत्याशित निर्देश से खुद को सुरक्षित रखना चाहती है। आने वाले कुछ दिन छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक हल्कों के लिए बेहद निर्णायक होंगे।

अमिताभ को आयोग में लेने के संकेत : मुख्य सचिव अमिताभ जैन के प्रशासनिक अनुभवों का लाभ लेने राज्य सरकार उन्हें सूचना आयोग में रिक्त मुख्य सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति देने का मन बना चुकी थी, लेकिन इस नियुक्ति पर हाईकोर्ट का स्टे होने के कारण देर लगने की संभावना है। ऐसे में उन्हें नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति दिए जाने की संभावना है। अब राज्य सरकार को इस पर निर्णय लेना है।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
''मिनी रत्न कम्पनी''
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

No. SECL/AGM(HSD)/L&R/25/37, **सूचना** Date: 13.06.2025

इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि एसईसीएल हसदेव क्षेत्रान्तर्गत कुरजा कालरी के डिपलरिंग हेतु ग्राम **नकटीटोला** के निम्नलिखित भू–विस्थापितों एवं उनके द्वारा नामित, आश्रित / उम्मीदवार को एसईसीएल में रोजगार प्रदान करने हेतु एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से स्वीकृति प्राप्त किये जाने बाबत् औपचारिकताएँ यथाशीघ्र प्रारम्भ की जायेगी।

S. No.	Name as per Land Owner on date of sanction 9(i)	Name as per P-II & B-I Statement 1-A [Land owner on date of compensation assessment]	Name of PAP proposed for employment		Document	Name
1	मु. सोनिया बाई बेवा परतापू, मनोज कुमार, अनुसुइया बाई, पिता शिवमंगल सिंह जाति – पाव, ग्राम – नकटीटोला खसरा नं. 2, 25P, 27 रकवा 3.156 हे. 7.79 एकड़	मु. सोनिया बाई बेवा परतापू, मनोज कुमार, अनुसुइया बाई, पिता शिवमंगल सिंह जाति – पाव, ग्राम – नकटीटोला खसरा नं. 2, 25P, 27 रकवा 3.156 हे. 7.79 एकड़	ओमवती पाव Wd/o मनोज कुमार पाव	1	वंशवृक्ष	ओमवती पत्नि मनोज कुमार
				2	निवास प्रमाण पत्र	ओमवती पाव Wd/o मनोज कुमार पाव
				3	राशन कार्ड/समग्र	ओमवती D/o पेशीलाल पाव
				4	मतदाता परिचय पत्र	ओमवती पाव W/o मनोज सिंह पाव
				5	आधार कार्ड	ओमवती पाव Wd/o मनोज कुमार पाव
				6	शिक्षा प्रमाण पत्र	ओमवती पाव पिता पेशी लाल पाव 9th
				7	रोजगार पंजीयन	OMWATI PAW
				8	पेनकार्ड	OMWATI PAW D/o PESHILAL
				9	जाति प्रमाण पत्र	OMWATI PAW D/o PESHILAL PAW
			अनुसुइया पिता शिवमंगल सिंह	1	वंशवृक्ष	अनुसुईया बाई पिता शिवमंगल
				2	निवास प्रमाण पत्र	अनुसुईया पति संतोष कुमार
				3	राशन कार्ड/समग्र	Ansuya Bai W/o Santosh Paw
				4	मतदाता परिचय	निरंक
				5	आधार कार्ड	अनुसूया पति संतोष कुमार
				6	शिक्षा प्रमाण पत्र	निरंक
				7	रोजगार पंजीयन	ANUSUIYA PAW
				8	पेनकार्ड	ANUSUIYA D/o SHIVMANGAL SINGH
				9	जाति प्रमाण पत्र	अनुसुईया पाव पिता शिवमंगल सिंह पाव
			मोहित सिंह पिता आंदन पाव	1	वंशवृक्ष	मोहित सिंह पिता आंदन पाव
				2	निवास प्रमाण पत्र	मोहित सिंह पिता आंदन पाव
				3	राशन कार्ड/समग्र	मोहित सिंह पाव पिता आंदन पाव
				4	मतदाता परिचय	निरंक
				5	आधार कार्ड	मोहित सिंह पिता आंदन पाव
				6	शिक्षा प्रमाण पत्र	मोहित सिंह पिता आंदन सिंह 8th
				7	रोजगार पंजीयन	MOHIT SINGH
				8	पेनकार्ड	MOHIT SINGH S/o ANAND PAW
				9	जाति प्रमाण पत्र	मोहित सिंह पिता आंदन सिंह

उपरोक्त तालिका में दर्शाये गये भूस्वामी एवं आश्रित रोजगार बाबत् प्रस्तावित सदस्य के संबंध में किसी भी संबंधित व्यक्ति को इस पर आपत्ति हो, तो अपना पूरा नाम हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजों/प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के अंदर व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात् या दस्तावेजी प्रमाण नहीं होने की स्थिती में दावा–आपत्ति मान्य नहीं होगा। SECL:25-26:79 **क्षेत्रीय महाप्रबंधक, हसदेव क्षेत्र**

राशिफल

मेष — परिवार में सुख–शान्ति रहेगी। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। यात्रा से कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मिथुन — आत्मविश्वास बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

कर्क — मन में निराशा एवं असन्तोष भी रहेगा। कारोबार में भाग–दौड़ अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

सिंह — परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी।

कन्या — कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। आय में वृद्धि होगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। सेहत का ध्यान रखें। जीवनसाथी से मनमुटाव रहेगा।

वृश्चिक — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती है। सचेत रहें। लाभ के अवसरों में बढ़ोतरी होगी।

धनु — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर समुचित ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

मकर — परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। परिश्रम अधिक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं से चिंतित रहेंगे।

कुंभ — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु आलस्य की अधिकता भी हो सकती है। व्यर्थ के क्रोध से बचें। साक्षात्कारादि में सफलता मिलेगी।

मीन — संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। किसी क्षेत्र में निवेश के अवसर प्राप्त होंगे।

शब्द पहेली - 5912

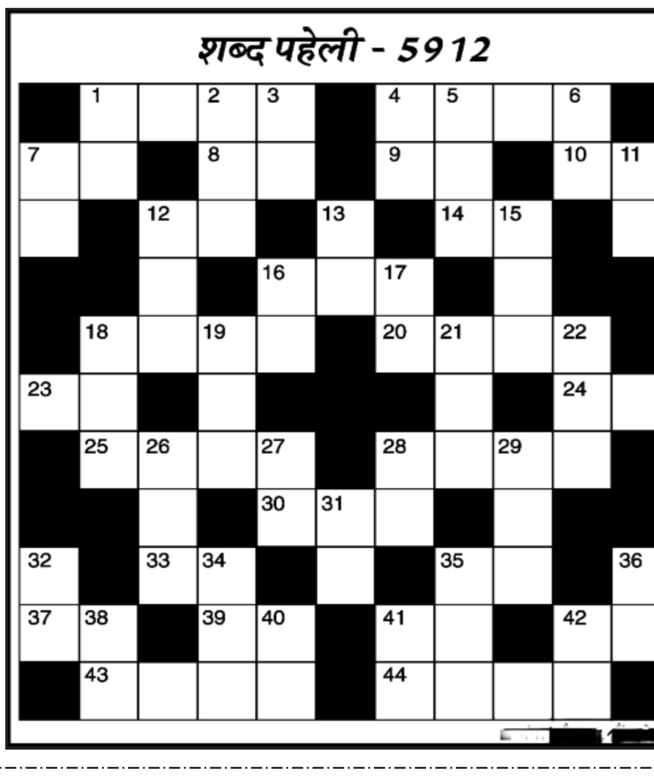

बाएँ से दाए-
1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -5911 का हल

■	अ	नु	भ	व	■	शा	का	हा	र	■
अ	■	त्का	■	ल	■	मि	■	नि	■	अ
ह	म	■	का	या	प	ल	ट	■	का	का
म	■	रा	■	का	■	हो	■	श	■	र
क	हा	नी	का	र	■	ना	म	क	र	ण
■	द	■	■	■	■	■	■	■	सो	■
अ	सा	म	थि	क	■	आ	ज	मा	ई	श
चा	■	स्त	■	म	■	रा	■	न	■	रा
न	ल	■	नी	ल	क	म	ल	■	खौ	फ
क	■	भ	■	ना	■	दे	■	क	■	त
■	को	ला	ह	ल	■	ह	र	जा	ई	■

सूडोकु नवताल - 5922

★★★½☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5921 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

बिजनेस साइट

छत्तीसगढ़ में आधुनिक आयुर्वेदिक औषधि प्रसंस्करण इकाई का लोकार्पण कल, मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित द्वारा निर्मित अत्याधुनिक आयुर्वेदिक औषधि प्रसंस्करण इकाई का लोकार्पण 29 जून को दुर्ग जिले के ग्राम जामगांव में आयोजित एक भव्य समारोह में किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे, जबकि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के कई गणमान्य नेता उपस्थित रहेंगे, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, दुर्ग सांसद विजय बघेल, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सवाड़ा, वनोषधि बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम और वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा प्रमुख हैं। इस आयोजन पर श्री श्री 1008 डॉक्टर स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज, महा मंडलेश्वर, हरिद्वार उत्तराखंड का विशेष आशीर्वाद भी प्राप्त होगा।

'फॉरेस्ट टू फार्मेसी' मॉडल को मिलेगा बल

यह इकाई प्रदेश की वन संपदा को विज्ञान और आधुनिक तकनीकों से जोड़ते हुए 'फॉरेस्ट टू फार्मेसी' मॉडल को मूर्त रूप देगी। यहां महुआ, साल बीज, कालमेघ, गिलोय, अश्वगंधा जैसे औषधीय लघु वनोपजों का वैज्ञानिक ढंग से प्रसंस्करण कर चूर्ण, सिरप, टैबलेट, तेल, अवलेह जैसे उत्पाद तैयार किए जाएंगे। ये सभी उत्पाद छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड के तहत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में बेचे जाएंगे।

रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई राह

करीब 27.87 एकड़ क्षेत्र में फैली यह इकाई 36.47 करोड़ की लागत से तैयार की गई है और इससे प्रति वर्ष 50 करोड़ मूल्य के उत्पाद निर्माण की संभावना है। इससे 1000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी प्राथमिक प्रसंस्करण कार्यों में सुनिश्चित की गई है, जिससे उन्हें स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। वहीं स्थानीय युवाओं के लिए तकनीकी प्रशिक्षण व रोज़गार के नए द्वार खुलेंगे।

प्राकृतिक संरक्षण के साथ औद्योगिक प्रगति

इकाई में निर्मित 20,000 मीट्रिक टन क्षमता वाला आधुनिक वेयरहाउस सीजनल वनोपजों के भंडारण और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए उपयोगी रहेगा। यह परियोजना न केवल 'वोकल फॉर लोकल' और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को गति देगी, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, आर्थिक समावेश और हरित विकास का भी आदर्श उदाहरण बनेगी।

प्रीमियम रेजिडेंशियल टाउनशिप गुलमोहर ग्रीन्स को मिल रहा शानदार रिस्पॉन्स

रायपुर। ओल्ड धमतरी रोड, मुजगहन स्थित प्रीमियम रेजिडेंशियल टाउनशिप 'गुलमोहर ग्रीन्स' के तीन दिवसीय लॉन्चिंग कार्यक्रम के दूसरे दिन ग्राहकों से शानदार रिस्पांस मिला। अष्टविनायक रियल्टीज़ और आहुजा ग्रुप के इस प्रोजेक्ट लोगों ने साइट विजिट कर स्पाट बुकिंग की। इस अवसर पर अष्टविनायक रियल्टीज़ के सीएमडी संतोष लोहाना ने कहा कि लोगों को लंबे समय से ऐसी सुव्यवस्थित, हरित और सुविधाओं से युक्त टाउनशिप की तलाश थी। गुलमोहर ग्रीन्स उस जरूरत का सही जवाब बनकर सामने आया है। गुलमोहर ग्रीन्स को रेरा रजिस्टर्ड और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से स्वीकृति प्राप्त है।

लगभग 16 एकड़ में फैल है पूरा प्रोजेक्ट

लगभग 16 एकड़ में फैले इस प्रोजेक्ट में 50 फीट की मेन अप्रोच रोड, 30 और 40 फीट की इंटरनल सड़कों के साथ-साथ बेहतर कनेक्टिविटी और हरियाली से भरपूर वातावरण, एक प्रीमियम जीवनशैली का अनुभव कराते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह टाउनशिप एजुकेशनल हब के पास स्थित है। साथ ही रायपुर रेलवे स्टेशन से 20 मिनट, आईएसबीटी से 12 मिनट, एयरपोर्ट से 20 मिनट तथा जयस्तंभ चौक से मात्र 11 किमी की दूरी पर स्थित है। साथ ही पास में निर्माणाधीन भारतमाला एक्सप्रेसवे इसे भविष्य के लिए एक सुनहरा इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बना रहा है।

बुकिंग कराने वालों के लिए उपहार योजनाएं

प्रोजेक्ट के एमडी प्रकाश लोहाना एवं विजय तनवानी ने बताया कि गुलमोहर ग्रीन्स को न केवल आम लोगों से बल्कि निवेशकों से भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। स्पॉट बुकिंग करने वालों के लिए उपहार योजनाएं और प्रीमियम सुविधाएं इसकी खासियत हैं।

निवेश

ज्यादा रिटर्न के लिए लोग रिस्क लेने को तैयार, एमएफ में बढ़ रहा निवेश का क्रेज

बढ़ती महंगाई के इस जमाने में लोग निवेश के नए-नए विकल्प खोज रहे हैं। निवेशकों में बैंक एफडी का क्रेज घटता जा रहा है। यही कारण है कि बैंक एफडी की लोकप्रियता काफी कम हो रही है। भारतीय लोग अब बैंक में पैसे जमा करने के बजाय दूसरी जगहों पर निवेश कर रहे हैं। आजकल लोगों के बीच में म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार जैसी जगह निवेश के लिए ज्यादा पॉपुलर हो रही हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन जगहों पर बैंक से ज्यादा फायदा मिल रहा है। यह जानकारी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के आंकड़ों से पता चली है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लोगों की बैंक टर्म डिपॉजिट्स (एफडी, आरडी) में हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2020 के अंत में 50.54% थी। वित्त वर्ष 2025 के अंत में यह घटकर 45.77% हो गई। इसका मतलब है कि लोग अब बैंकों में पहले जितना पैसा जमा नहीं कर रहे हैं। वे निवेश के दूसरे विकल्पों पर ज्यादा भरोसा जता रहे हैं। चूंकि इन विकल्पों में उन्हें एफडी से ज्यादा लाभ मिल रहा है जो महंगाई को मात देने में सक्षम है। अब लोग लंबी अवधी के लिए एसआईपी के जरीये और शेयर बाजार में निवेश को ज्यादा महत्व दे रहे है। महंगाई के दौर को देखते हुए लोग अब ज्यादा रिस्क लेने को भी तैयार हैं, ताकि भविष्य के लिए कम समय में अच्छा पैसा एकत्र कर सकें। इसलिए भी निवेशकों में फिक्स डिपोजिट यानी बैंक एफडी का क्रेज घटता जा रहा है।

ब्याज दरों में हुआ बदलाव

जानकारों का कहना है कि इस दौरान ब्याज दरों में बदलाव हुआ है। रिजर्व बैंक ने कोविड महामारी के दौरान मार्च 2020 से मई 2022 के बीच प्रमुख रेपो दर को 115 बेसिस पॉइंट्स (1.15 प्रतिशत अंक) तक कम कर दिया था। फिर बाद में इसे 225 बेसिस पॉइंट्स तक बढ़ा दिया। हाल ही में, रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को कम करना शुरू कर दिया है। उसने फरवरी में 25 बेसिस पॉइंट्स, अप्रैल में 25 बेसिस पॉइंट्स और इस महीने की शुरुआत में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की है। कुल मिलाकर, ब्याज दरें 1 प्रतिशत कम हो गई हैं। इससे भी लोगों में एफडी के प्रति रुझान कम हुआ है और लोगों ने एफडी की बजाय एसआईपी में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई है।

म्यूचुअल फंड में बढ़ी हिस्सेदारी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि बचत जमा में व्यक्तियों की हिस्सेदारी पिछले पांच सालों में लगभग 77% पर स्थिर रही है। इसका मतलब है कि लोग अभी भी बचत खाते में पैसा रख रहे हैं। वे म्यूचुअल फंड में भी खूब निवेश कर रहे हैं। अप्रैल तक 23 करोड़ म्यूचुअल फंड अकाउंट्स में से 91% खाते व्यक्तियों के हैं। मई 2021 में यह आंकड़ा 10 करोड़ से थोड़ा ही ज्यादा था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

स्वर्णिम 68 वर्षों का विश्वास : अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स ने रथयात्रा पर मनाया स्थापना दिवस

68 साल से लगातार क्षेत्र की जनता का विश्वास जीतकर इस मुकाम तक आए हैं : तिलोकचंद बरड़िया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सबसे प्रतिष्ठित और विश्वसनीय ज्वेलरी ब्रांड अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स (एटी ज्वेलर्स) ने रथयात्रा के पावन अवसर पर अपनी 68वीं वर्षगांठ श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई। वर्ष 1957 में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दिन स्व. जसराज बरड़िया द्वारा स्थापित इस संस्था ने समय के साथ 'सिंबल ऑफ ट्रस्ट' के रूप में अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

रथयात्रा पर शोरूम में हुई विशेष पूजा, श्रद्धालु शामिल हुए

रथयात्रा के दिन एटी ज्वेलर्स के सिटी कोतवाली स्थित शोरूम में भक्तिभाव से भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की गई। शोरूम में एक विशेष पूजा थाली तैयार की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था के प्रतीक स्वरूप भेंट व मनोकामना पर्चियां अर्पित कीं। यह सभी सामग्री एटी ज्वेलर्स की टीम द्वारा स्वयं पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ जी के श्रीचरणों में समर्पित की जाएगी।

68 साल का सफर : विश्वास नवाचार और पारिवारिक अपनापन

शोरुम के संचालक तिलोकचंद बरड़िया ने बताया कि एटी ज्वेलर्स की सफलता की असली पूंजी ग्राहकों का विश्वास और गुणवत्ता के प्रति ईमानदारी रही है। पहले के दौर में तकनीकी जांच के साधन नहीं थे, तब व्यापार केवल विश्वास पर चलता था और वही विश्वास आज भी हमारे मूल में है। आज नई पीढ़ी निकेश बरड़िया और नितिन बरड़िया की आधुनिक सोच और तकनीकी नवाचार के साथ इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। पारिवारिक माहौल, अपनापन और ग्राहक सेवा की भावना एटी ज्वेलर्स को खास बनाती है।

प्रदेशभर में 7 स्टोर, हर वर्ग के लिए खास कलेक्शन

वर्तमान में एटी ज्वेलर्स के रायपुर, कोरबा, बिलासपुर, गोंदिया और शिवरीनारायण समेत 7 स्टोर्स हैं। यहां हर वर्ग और उम्र के लिए खास कलेक्शन मौजूद है। जिनमें जेम स्टोन व डायमंड ज्वेलरी, गोल्ड ज्वेलरी, जेन्ट्स के लिए स्पेशल कलेक्शन, बच्चों के लिए अंगूठियां, बालियां, चैन और चांदी के खास बर्तन व विशेष कलेक्शन उपलब्ध है।

रथयात्रा के अवसर पर ग्राहकों को उपहार

रथयात्रा के पावन अवसर पर ग्राहकों को प्रत्येक खरीदी पर विशेष उपहार एटी ज्वेलर्स की तरफ से दिये जा रहे हैं। यह पहल एटी ज्वेलर्स की ग्राहक सेवा भावना का ही प्रतीक है।

प्रीमियम कमर्शियल प्रोजेक्ट 'वीबी टावर' को मिल रहा शानदार रिस्पांस, आज अंतिम दिन

रायपुर। मोवा, विधानसभा रोड पर स्थित नवीनतम प्रीमियम कमर्शियल प्रोजेक्ट 'वीबी टावर' के तीन दिवसीय लॉन्चिंग कार्यक्रम के दूसरे दिन भी शहरवासियों और इन्वेस्टर्स का शानदार उत्साह देखने को मिला। विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के इस प्रोजेक्ट में अब तक 200 से ज्यादा लोगों ने साइट विजिट कर प्रोजेक्ट की खूबियों को सराहा और अब तक 50 कमर्शियल प्रॉपर्टीज की बुकिंग हो चुकी है। बुकिंग करने वाले ग्राहकों को एप्पल लैपटॉप प्रदान किये गए।

आधुनिक वर्क कल्चर के हिसाब से डिजाइन

यह प्रोजेक्ट आधुनिक वर्क कल्चर को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है और इसमें सेंट्रल एट्रियम में कैफेटेरिया, मीटिंग हॉल, गेम ज़ोन, पोडियम गार्डन जैसी सुविधाएं शामिल हैं जो कर्मचारियों को काम के स्ट्रेस से राहत और आनंद देने में मदद करती हैं। वीबी टावर केवल एक ऑफिस बिल्डिंग नहीं बल्कि एक व्यापारिक कम्युनिटी के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें 337 स्क्वायर फीट से लेकर 945 स्क्वायर फीट तक के ऑफिस स्पेस उपलब्ध हैं, जिससे छोटे से बड़े हर प्रकार के व्यवसाय के लिए विकल्प मिलते हैं।

तीन दिवसीय इवेंट में आकर्षक ऑफर्स

लॉन्चिंग कार्यक्रम में बुकिंग करने वाले ग्राहकों को विशेष लाभ दिए जा रहे हैं, जिनमें 30 दिन के फुल पेमेंट पर रजिस्ट्री शुल्क में छूट और कंस्ट्रक्शन लिंक्ड प्लान पर बुकिंग करने वालों को एप्पल लैपटॉप जैसे उपहार शामिल है।

सिंघानिया बिल्डकॉन के 'मेगा मानसून ऑफर' का आज अंतिम दिन

घर खरीदिए और जीतिए शानदार पुरस्कार

रायपुर। रियल एस्टेट कंपनी सिंघानिया बिल्डकॉन ग्रुप के 'मेगा मानसून ऑफर' को ग्राहकों से शानदार रिस्पांस मिल रहा है। 19 जून से 29 जून 2025 तक चलने वाले इस ऑफर के अंतर्गत फ्लैट्स और प्लॉट्स की बुकिंग करने पर आकर्षक छूट के साथ-साथ लक्की ड्रा में भागीदारी का मौका भी मिलेगा। इस ऑफर में ग्राहक सिंघानिया बिल्डकॉन के चार प्रमुख प्रोजेक्ट्स हर्षित लैंडमार्क, हर्षित गोल्ड सिटी, हर्षित अरबन सिटी और हर्ष भूमि में अपने सपनों का घर बुक कर सकते हैं। ये सभी प्रोजेक्ट्स क्रेडाई से पंजीकृत हैं और आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं।

बुकिंग कराने वालों के लिए लकी ड्रॉ

बुकिंग करने वाले ग्राहकों के लिए लक्की ड्रा रखा गया है, जिसमें टीवीएस जूपिटर स्कूटर, स्मार्ट टीवी, फ्रिज, माइक्रोवेव और गोल्ड क्वाइन जैसे आकर्षक पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। वहीं तुरंत बुकिंग करने पर स्पेशल बोनस और आसान बैंक फाइनेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

// भूल सुधार //

हरिभूमि के रायपुर संस्करण में दिनांक 28.06.2025 को प्रकाशित S-44366/1 वानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र के विज्ञापन में S.No. 5 Agriculture Economics एवं S.No. 6 Soil Science में Date of Interview भूलवश दिनांक **23/07/2025** प्रकाशित हो गया है। जिसे सुधारकर दिनांक **25/07/2025** पढ़ा जावें।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, सिमडेगा

अल्कालीन ई–पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना
(e-Procurement Call) 2nd Call

ई–पुनर्निविदा सूचना संख्या – 10/R1/2025-26/RWD/SIMDEGA दिनांक – 26-06-2025

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना **(4515)**

क्र० सं०	प्रखण्ड	आईडेन्टीफिकेशन संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि	निविदा कॉल सं०
1	कोलेबिरा	RWD/ SIMDEGA/ 10/01/2023-24	जलडेगा–गांगुटोली पथ पर झपला से कोलोमडेगा भाया गिरजाटोली पाहनटोली तक पथ निर्माण कार्य। (लं०–6.350 कि०मी०)	733.29 (सात करोड़ तैंतीस लाख उनतीस हजार रूपये मात्र)	14,66,600 (चौदह लाख छियासठ हजार छः सौ रूपये मात्र)	10000	9 महिना	द्वितीय

2.वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 01-07-2025
3.ई–पुनर्निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय – 15-07-2025 अपराह्न 05:00 बजे तक।
4.ई–पुनर्निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 17-07-2025 अपराह्न 11:30 बजे।
5.ई–पुनर्निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी – कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग,का पदनाम एवं पता कार्य प्रमंडल, सिमडेगा।
6.अति अल्पकालीन ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06525-299956 एवं मोबाईल नम्बर 9973512046
7.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि विभागीय पत्रांक 3130 अनु० दि० 09-10-2023 के निर्देशानुसार केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
8.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही निविदादाता की होगी।
9.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र के अनुसार मान्य होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह०/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, सिमडेगा

PR 356128 (Simdega)25-26*D

MAHATMA GANDHI UDYANIKEE EVAM VANIKEE VISHWAVIDYALAYA DURG (C.G.)
महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग (छ ग)
COLLEGE OF HORTICULTURE AND RESEARCH STATION, SITAPUR, SURGUJA (C.G.)
उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सीतापुर, सरगुजा (छ.ग.)
Email:- chrs.sitapur@mguvv.ac.in

क्र./स्था./उ.म.अनु.के. / सीतापुर/2025-26/190 दिनांक: 27/06/2025

WALK-IN-INTERVIEW

Interested eligible candidates are invited to appear in Walk- in- Interview for Guest Teacher on the contractual basis in the following discipline (one post in each subject):

S. No.	Discipline	Date of Interview	Minimum Qualification
1.	Fruit Science	22.07.2025-10 AM Onwords	Master degree and NET in concerned subject as prescribed for Asstt. Professor by MGUVV, Preference will be given to NET/Ph.D in concerned subject.
2.	Floriculture and Landscaping Architecture Science		
3.	Genetics and Plant Breeding	23.07.2025-10 AM Onwords	
4.	Entomology		
5.	Agri-Horti-Extension		

Application of the candidates must reach to College of Horticulture and Research Station, Sitapur, ITI College, Amatoli, Sitapur, Distt. Surguja (C.G.) 497111 latest by 12.07.2025 by Speed or Registered post only and interview will be held as above at same place. No separate interview call will be issued. Application form and details advertisement may be downloaded from http://www.mguvv.ac.in.

(Mr. Birendra Tigga), DEAN
College of Horticulture & Research Station)
Sitapur, Surguja (C.G.)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डालटनगंज

अल्पकालीन पुर्न ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या –
13RI / 2024–25/EE/RWD/DALTONGANJ

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से पथों का निविदा आमंत्रित की जाती है।

दिनांक–26.06.2025

1. कार्य का नाम :

क्र० सं०	आईडेन्टी फिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में) अंक में	प्राक्कलित राशि (लाख में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल नं०
1	EE/RWD/ DALTONGANJ /60/2024-25	पंचायत पंसा, ग्राम–पंसा महावीर मंदिर से कोयल नदी तक पथ निर्माण कार्य। 1. 60कि०मी०	163.455	एक करोड़ तिरसठ लाख पैतालीस हजार पांच सौ रू० मात्र	09 माह	द्वितीय
2	EE/RWD/ DALTONGANJ /61/2024-25	मंझौली मेन रोड से बरवाडीह हरिजन टोला तक पथ निर्माण कार्य। 1.10कि०मी०	132.160	एक करोड़ बत्तीस लाख सोलह हजार रू० मात्र	09 माह	द्वितीय
3	EE/RWD/ DALTONGANJ /62/2024-25	पंचायत महुवरी नवीनगर मुख्य पथ से ग्राम बसारी पी०डब्लू०डी० पथ तक पथ निर्माण कार्य। 1.975कि०मी०	222.183	दो करोड़ बाईस लाख अठारह हजार तीन सौ रू० मात्र	09 माह	द्वितीय
4	EE/RWD/ DALTONGANJ /63/2024-25	हैदरनगर देवीधाम शिव मंदिर से ग्राम जमुआ खूर्द होते हुए रतनबीघा शिव सिंह के घर तक पथ निर्माण कार्य। 1.50कि०मी०	184.407	एक करोड़ चौरासी लाख चालीस हजार सात सौ रू० मात्र	09 माह	द्वितीय

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 02.07.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 15.07.2025 up to 5.00 PM
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 17.07.2025 पूर्वाह्न 3.30 बजे
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० –06562357595

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, डालटनगंज

PR 356091 Rural Development(25-26)#D

कार्यालय नगरपालिका परिषद् सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Phone:- 07775-266355/Fax:- 07775-266956/ Email Id: nagarpalikasurajpur@gmail.com

क्रमांक / 1970/ न.पा.प./2025-26 सूरजपुर, दिनांक 27/06/2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा ई–प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	लागत (लाख)	निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
170985	Design, Construction, Testing, commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) workIncluding 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System In Municipal Council Surajpur under SBM 2.0 (4th Call)	519.57	08.07.2025 5.00 PM

विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालयीन अवधि में न.पा. कार्यालय एवं वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् सूरजपुर
जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल / महाप्रबंधक / कोरबा / भू.रा. / 25 / 223 दिनांक 28.06.2025

आवश्यक सूचना

एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के प्रस्तावित अंबिका ओपन कॉस्ट परियोजना के ग्राम-करतली के प्रभावित भू-विस्थापितों को एसईसीएल में नौकरी प्रदान करने की प्रक्रिया आरंभ है, जिसमें से निम्नलिखित 02 भू-विस्थापितों द्वारा रोजगार के बदले एकमुश्त वित्तीय सहायता राशि प्राप्त करना चाहते है के नामों में अंतर पाया गया है। इसका विवरण इस प्रकार हैः-

क्र.	घटते क्रम की सूची क्रमांक	खातेदार का नाम / पिता का नाम	अर्जित खसरा नं.	अर्जित रकबा (ए.)	नामांकित व्यक्ति का नाम / पिता का नाम नामांकन फार्म में	संबंध	सीबीए स्टेटमेंट V	बी-1 (वर्ष 2010-11 से 2014-15)	पी-2 (वर्ष 2010-11 से 2014-15)	नामांकन फार्म में खातेदार का नाम	सहमति / शपथ पत्र	वंशवृक्ष	आधार कार्ड	निवास प्रमाण पत्र	जाति प्रमाण पत्र	शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र
1	20	रवि प्रताप सिंह, ना.बा. अविनाश प्रताप सिंह, पिता सुरेश कुमार, ममता सिंह रानू सिंह, पिता सुरेश कुमार, चम्पा देवी पति सुरेश कुमार	145 / 18 598 / 1 603 / 11 क 603 / 9 क	2.24	-	-	रवि प्रताप सिंह, ना.बा. अविनाश प्रताप सिंह पुत्र सुरेश कुमार, ममता सिंह, रानू सिंह पुत्री सुरेस कुमार चम्पा देवी पुत्री सुरेश कुमार	ना.बा. रवि प्रताप सिंह, ना. बा. अविनाश प्रताप सिंह बली पिता सुरेश कुमार पि. धरम सिंह, ममता सिंह, रानू सिंह पुत्री सुरेश कुमार, चम्पा देवी पत्नी सुरेश कुमार	ना.बा. रवि प्रताप सिंह, ना. बा. अविनाश प्रताप सिंह बली पिता सुरेश कुमार पि. धरम सिंह, ममता सिंह, रानू सिंह पुत्री सुरेश कुमार, चम्पा देवी बे. सुरेश कुमार	-	रवि प्रताप सिंह पिता स्व. सुरेश कुमार सिंह, रानू सिंह पिता स्व. सुरेश कुमार सिंह, अविनाश प्रताप सिंह पिता स्व. सुरेश सिंह, ममता सिंह कुर्राम पिता स्व. सुरेश कुमार सिंह पति इन्द्रजीत सिंह कुर्राम, चम्पा देवी फूलेषर पति स्व. सुरेश कुमार सिंह	ममता सिंह, रानू सिंह, रवि प्रताप सिंह, अविनाश प्रताप सिंह पिता सुरेश कुमार सिंह	रवि प्रताप सिंह पिता स्व. सुरेश कुमार सिंह, अविनाश प्रताप सिंह पिता सुरेश कुमार सिंह, ममता सिंह कुर्राम पति इन्द्रजीत सिंह कुर्राम, रानू सिंह पुत्री सुरेश कुमार सिंह, चम्पा देवी फुलेषर पति स्व. सुरेश कुमार फुलेषर	रवि प्रताप सिंह आत्मज सुरेश कुमार सिंह	रवि प्रताप सिंह आत्मज सुरेश कुमार सिंह	रवि प्रताप सिंह पिता सुरेश कुमार सिंह
2	30	रतन सिंह, शिव सिंह, पिता प्रेम सिंह	554 / 1 554 / 5 498	1.91	-	-	रतन सिंह, शिव सिंह / प्रेम सिंह	रतन सिंह, शिव सिंह, व. प्रेम सिंह गौड़	रतन सिंह, शिव सिंह, पिता प्रेम सिंह	-	रतन सिंह पिता श्री प्रेम सिंह	-	रतन सिंह श्याम आत्मज प्रेम सिंह	-	-	-

उपरोक्त वर्णित नामों के अंतर एवं भू-स्वामियों द्वारा रोजगार के बदले एकमुश्त वित्तीय सहायता राशि लेने के संदर्भ में यदि किसी को आपत्ति है तो अपनी आपत्ति प्रकाशन तिथि के सात (07) दिवसों के अंदर इस कार्यालय को सूचित करें। समय-सीमा समाप्त होने पर किसी प्रकार की आपत्तियों को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

महाप्रबंधक,एसईसीएल,कोरबा क्षेत्र

खबर संक्षेप

राही, मेहुली और नीरज राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में शीर्ष पर

देहरादून। ओलंपियन राही सरनोबत, मिश्रित टीम राइफल एशियाई चैंपियन मेहुली घोष और नौसेना के नीरज कुमार शनिवार को यहां राष्ट्रीय चयन निशानेबाजी ट्रायल तीन और चार के अपने फाइनल में शीर्ष पर रहे। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी4 फाइनल में 2018 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता राही सरनोबत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने फाइनल में 40 हिट लगाए और महाराष्ट्र की अभिदन्या अशोक पाटिल से छह अंक आगे रहीं जिन्होंने 34 अंक बनाए। हरियाणा की विभूति भाटिया ने 27 अंक बनाकर पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया। एयर राइफल में महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में मेहुली ने 253.6 अंक बनाकर टी4 फाइनल जीता। रेलवे की मेघना एम सज्जनार 253.1 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सोनम उत्तम मास्कर 231.4 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

19.60 की औसत से की गेंदबाजी, 46 मैचों में चटकाए 210 विकेट

टेस्ट क्रिकेट की गेंदबाजी औसत में बुमराह भारत के नंबर 1 खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टेस्ट क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज की असली ताकत उसके औसत से पहचानी जाती है। भारत ने इस खेल को कई नामी गेंदबाज दिए हैं, लेकिन जब बात सबसे कम औसत की होती है, तो सिर्फ आंकड़े बोलते हैं।

अभी भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। आइए इस बीच 200 से ज्यादा विकेट लेने वाले उन भारतीय गेंदबाजों पर नजर डालते हैं, जिनकी औसत सबसे शानदार है।

जसप्रीत बुमराह

पहले स्थान पर भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। साल 2018 में टेस्ट डेब्यू करने वाले इस गेंदबाज की औसत 19.60 की है। वे भारत के एकमात्र गेंदबाज हैं, जिन्होंने 200 से अधिक विकेट लिए हैं और जिनकी गेंदबाजी औसत 20 से कम है। बुमराह ने 46 मैचों की 88 पारियों में अब तक 210 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने 14 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। उनका टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/27 का रहा है।

मोहम्मद शमी (27.71 की औसत)

भारतीय टीम के एक और स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 64 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान उनकी औसत 27.71 की रही है। उन्होंने 122 पारियों में 229 विकेट चटकाए हैं। शमी ने 6 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/56 का रहा है। अभी यह खिलाड़ी चोटिल होने के कारण टेस्ट टीम से बाहर चल रहा है।

रविचंद्रन अश्विन (24 की औसत)

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके भारत के पूर्व अनुभवी स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने भारत के लिए 106 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत सिर्फ 24 की रही। अश्विन ने अपने करियर में 37 बार 5 विकेट हॉल लिए। उन्होंने 200 पारियों में कुल 537 विकेट प्राप्त किए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/59 का रहा। अश्विन ने पहला टेस्ट साल 2011 में और अंतिम टेस्ट 2024 में खेला था।

रविंद्र जडेजा (24.59 की औसत)

भारत के हरफनमौला खिलाड़ी रविंद्र जडेजा इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने अब तक 81 टेस्ट मैचों में भाग लिया है और उनकी गेंदबाजी औसत 24.59 की रही है। जडेजा ने 152 पारियों में कुल 324 विकेट प्राप्त किए हैं। उन्होंने 15 बार एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 7/42 का रहा है। इस खिलाड़ी ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 2012 में खेला था।

हेजलवुड के पांच विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन दिन में हराया

एजेंसी ▶▶| ब्रिजटाउन

आस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड के पांच विकेट की मदद से वेस्टइंडीज को 141 रन पर आउट करके पहला टेस्ट तीसरे दिन के भीतर ही 159 रन से जीत लिया। वेस्टइंडीज को कठिन पिच पर जीत के लिये 301 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन पूरी टीम 33.4 ओवर में आउट हो गई।

हेजलवुड ने 12 ओवर में 43 रन देकर पांच विकेट लिये। तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट अगले बृहस्पतिवार से सेंट जॉर्ज, ग्रेनाडा में खेला जायेगा।वेस्टइंडीज ने आठ विकेट 86 रन पर ही गंवा दिये थे लेकिन हरफनमौला जस्टिन ग्रीवेस और दसवें नंबर के बल्लेबाज शामार जोसेफ ने नौवे विकेट के लिये 55 रन की साझेदारी की । ग्रीव्स 38 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि जोसेफ ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 44 रन की पारी खेली जिसमें चार छक्के शामिल थे।

आस्ट्रेलिया ने चार विकेट पर 92 रन से आगे खेलना शुरू किया था। ट्रेविस हेड (61), ब्यू वेबस्टर (63) और एलेक्स कैरी (65) ने अर्धशतक लगाकर टीम को 310 रन तक पहुंचाया और उसे 300 रन की बढ़त मिली। इससे पहले आस्ट्रेलिया के पहली पारी के 180 रन के जवाब में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाये थे।

जूनियर हॉकी विश्व कप ड्रॉ में भारत, पाकिस्तान पूल बी में

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। मेजबान भारत को शनिवार को एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप के पूल बी में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है जिसका आयोजन इस साल 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में किया जाएगा। टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ समारोह यहां एफआईएच मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस चरण में पहली बार 24 टीमें भाग लेंगी।

तन्वी, आयुष शेट्टी अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| लोवा (अमेरिका)

भारत की प्रतिभाशाली खिलाड़ी तन्वी शर्मा और आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन बैडमिंटन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सोलह वर्ष की तन्वी ने 33 मिनट के भीतर मलेशिया की ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी कारूपाथेवन लेतशाना को 21-13, 21-16 से हराया। आयुष ने जूनियर विश्व चैम्पियन चीनी ताइपै के कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से हराया।

पुरुष खिलाड़ियों का प्रदर्शन

पुरूष युगल में हरिहरन अम्साकारूनन और रूबान कुमार आर को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चियांग चियेन और वेइ वू सुआन यि ने 21-9, 21-19 से मात दी। तन्वी का सामना अब यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा से होगा जबकि आयुष की टक्कर शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ तियेन चेन से होगी।

विवाद के बावजूद कोको गॉफ सबालेंका का टिकटॉक डांस

नई दिल्ली। फ्रेंच ओपन 2025 फाइनल में कांटे की टक्कर के बाद अब कोको गॉफ और आर्यना सबालेंका का एक नया और फ्रेंडली अवतार देखने को मिला। वर्ल्ड नंबर 1 और 2 की ये जोड़ी विंबलडन 2025 से पहले कोर्ट के बाहर एक साथ डांस करती नजर आई। दोनों ने साथ में एक मजेदार टिकटॉक वीडियो शूट किया, जिसे खुद सबालेंका ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया।

दूसरे टेस्ट में श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ कोलंबो में खेले गए टेस्ट सीरीज के दूसरा मैच को पारी और 78 रन से जीत लिया। चौथे दिन सिर्फ 28 मिनट में बचे हुए चार विकेट गिराकर श्रीलंका ने मैच पर कब्जा कर लिया और दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की। इस जीत के साथ श्रीलंका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में अहम अंक भी बटोर लिए। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के तीसरे दिन बांग्लादेश का स्कोर 38.4 ओवर में 6 विकेट पर 115 रन था। चौथे दिन मेहमान टीम की नजर पारी से हार टालने पर थी लेकिन श्रीलंकाई स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने बांग्लादेश के किसी बैटर को टिकने नहीं दिया। चौथे दिन सिर्फ 34 गेंद में ही बांग्लादेश की दूसरी पारी सिमट गई। चौथे दिन पहले सेशन में ही 5.4 ओवर में ही श्रीलंका ने मैच और सीरीज दोनों जीत ली।

मैच के हीरो रहे निसंका

मैच के हीरो रहे पाथुम निसंका, जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज दोनों पुरस्कार मिले। उन्होंने इस टेस्ट में 158 रन की पारी खेली जबकि पहले टेस्ट में उन्होंने 187 रन बनाए थे। स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने चौथे दिन कमाल की गेंदबाजी की और 5 विकेट चटकाए। उन्होंने कुल 5/56 के आंकड़े के साथ मैच खत्म किया, जो टेस्ट क्रिकेट में उनका 12वां फाइव विकेट हॉल है। कोलंबो टेस्ट के चौथे दिन की तीसरी ही गेंद पर जयसूर्या ने लिटन दास को विकेट के पीछे कैच कराया। अगली ही ओवर में उन्होंने नईम हसन को बेवकूफ बनाकर कुसल मेंडिस से स्टंपिंग करा दी। विकेटकीपर कुसल मेंडिस पिछले दिन वह चोट के चलते मैदान पर नहीं थे।

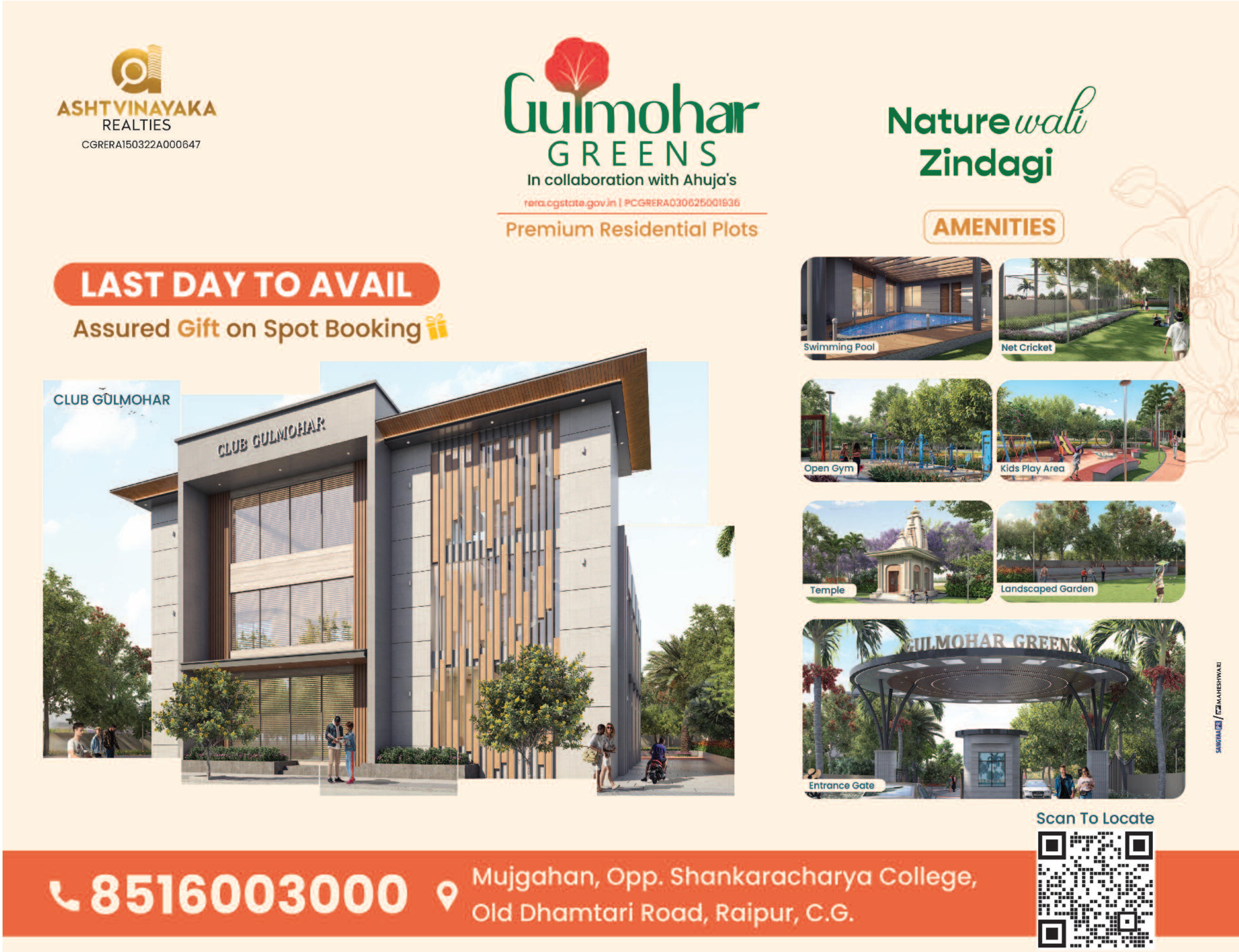

RAIPUR: SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332 | **AVANTI VIHAR**: SKY AUTOMOBILES: 9584333066, 9584465304 | **MAHOBA BAZAR, G.E. ROAD**: SKY AUTOMOBILE: 9584433005, 9584465304 | **BHILAI: POWER HOUSE, G.E. ROAD:** SPARSH AUTOMOBILES: 9926761100 | **DURG BYPASS:** CHOUHAN AUTOMOBILES: 7222910050, 7222910057, 7222910042 | **DURG: PULGAON CHOWK:** SPARSH AUTOMOBILES: 7987561390 | **JAGDALPUR:** SKY AUTOMOBILES: 8889998607, 9584465304 | **BHATAGAON**: HDN MOTORS: 7909800009. **SARONA:** VISHWABHARTI AUTOMOBILES: 6262620018 | **DUMERTARAI, DHAMTARI ROAD:** SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332, 9111011381.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्प्लेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com